उत्तर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

संवाद संचार

एक नई पहल

R.N.I. No. : BIHHIN/2021/82013

पेज–12 | जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने दक्षिण अफ्रीका जाएंगे जयशंकर

वर्ष : 04 ■ अंक : 109 ■ मुजफ्फरपुर ■ प्रातः संस्करण E.Mail :samvadsanchar@gmail.com गुरुवार, 20 फरवरी 2025 ■ मूल्य : 2.00 रुपये

रोहतास को सीएम नीतीश ने दिया सैंकड़ों करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा, सड़क, पर्यटन, उद्योग विभाग की दर्जनों परियोजना स्वीकृत

पटना (का.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को रोहतास जिले के लिए कई योजनाओं की सौगात दी. प्रगति यात्रा के क्रम में रोहतास पहुचे सीएम नीतीश के द्वारा जिन योजनाओं की घोषणा की गई उसमें रोहतास प्रखंड अन्तर्गत रेहल से रोहतासगढ़ किला होते हुए चौरासन मंदिर तक पथ का निर्माण किया जायेगा। इससे देशी एवं विदेशी पर्यटकों को सुविधा होगी। साथ ही लोगों के आर्थिक विकास में गति आयेगी।

वहीं संझौली प्रखंड में वाजिदपुर में कॉव नदी पर पुल का निर्माण किया जायेगा। इससे वाजीतपुर, चरपुखा, छलकार एवं चवरीया गांव के लोगों को सुविधा होगी तथा इनका अनुमंडल मुख्यालय से दुरी लगभग 71 कि०मी० कम हो जायेगी। वर्तमान में इनको प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए नाव का उपयोग करना पड़ता है। वहीं कुदरा-चेनारी-मल्हीपुर पथ का चौड़ीकरण किया जायेगा। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

साथ ही पथ निर्माण विभाग द्वारा ही करगहर-बड़हरी-धर्मपुरा पथ का जीर्णोद्धार एवं चौड़ीकरण किया जायेगा। सड़क की काफी जर्जर है। इससे बड़ी आबादी को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।. बरांव-जहानाबाद पथ का जीर्णोद्धार एवं चौड़ीकरण किया जायेगा। सड़क की काफी जर्जर है। इससे बड़ी आबादी को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

पर्यटन विभाग के तहत इन्द्रपुरी जलाशय के पास पर्यटन हाट का निर्माण किया जायेगा। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं उद्योग विभाग से डेहरी में औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जायेगा। इससे उद्योगों को बढावा मिलेगा तथा लोगों को रोजगार मिलेगा। नगर विकास एवं आवास विभाग की योजना के तहत कोचस में पुराने बस स्टैंड की जगह नये बड़े बस स्टैंड का निर्माण किया जायेगा। पुराना बस स्टैंड में जगह की कमी है जिसके कारण पर्याप्त नागरिक सुविधा उपलब्ध नहीं है। नये बस स्टैंड का निर्माण आवश्यक है।

पुरानी जी०टी० रोड से बबुरा मेन कैनाल पथ का जीर्णोद्धार एवं चौड़ीकरण किया जायेगा। इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी एवं जाम की समस्या से निजात मिलेगी। नोखा-नासरीगंज पथ में सोन नहर पर उच्च स्तरीय फ्ळउ पुल का निर्माण किया जायेगा।

शेष पृष्ठ 11 पर

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की नई मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चुनाव परिणाम घोषित होने के 11 दिन बाद बुधवार को आखिरकार दिल्ली को नया अपना मुख्यमंत्री मिल गया। भाजपा के सभी 48 नवनिर्वाचित विधायकों की हुई बैठक में रेखा गुप्ता के नाम पर महुर लगी। अब सीएम के नाम के एलान के बाद रेखा गुप्ता उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

गुरुवार दोपहर रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के अन्य छह सदस्य पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ को पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। नेता के चुनाव के लिए बैठक आज शाम पार्टी कार्यालय में हुई।

वहीं पर रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी जोरों पर है। समारोह स्थल पर तीन मंच बनाए गए हैं। मुख्य मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली के उपराज्यपाल और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री बैठेंगे। वहीं, दूसरे मंच पर धर्मगुरुओं के बैठने की व्यवस्था होगी। तीसरे मंच पर सांसदों और विधायकों के बैठने की व्यवस्था होगी।

बता दें जब दिल्ली के सीएम शपथ ले रहे होंगे। उस दौरान एक लाख लोगों मौजूद होंगे। जिनमें 50 हजार अंदर तथा 50 हजार बाहर होंगे। शपथ ग्रहण के बाद सभी में लड्डुओं का वितरण होगा। लड्डू वितरण की जिम्मेदारी महिला मोर्चा को दी गई है। वीवीआईपी लोगों की एंट्री के लिए चार गेट बनाए गए हैं। इन पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। वीवीआईपी गेस्ट के अलावा किसी को भी बिना तलाशी के एंट्री नहीं दी जाएगी

सीएम नीतीश के गढ़ में गरजे लालू के लाल, तेजस्वी ने की 'कबाड़ा गाड़ी' से मुख्यमंत्री की तुलना

पटना (का.स.)। जब कोई गाड़ी 15 साल की हो जाती है तो सरकार उसे चलाने की अनुमति नहीं देती. वह गाड़ी पुरानी हो जाती है और प्रदूषण फैलाती है. उसे बार-बार सर्विसिंग की जरूरत पड़ती है फिर भी ठीक नहीं होता. जब सरकार 15 साल बाद वाहन चलाने को अनुमति नहीं देती तो नीतीश सरकार को तो 20 साल हो गए हैं. अब यह सरकार किसी काम की नहीं है मुख्यमंत्री केवल चेहरा हैं. इन्हें इस बार बिहार की जनता बदल देगी. उन्होंने कहा कि तेजस्वी की उम्र कच्ची हो सकती है लेकिन जुबान कच्ची नहीं हो सकती है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गढ़ नालंदा में बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार चलाने में सक्षम नहीं हैं. 20 साल बिहार के लोगों ने उन्हें मौका दिया लेकिन नीतीश कुमार के पास कोई विजन और सोच नहीं हैं. उनके द्वारा बिहार में निवेश और नए उद्योग कैसे स्थापित हों इसका कोई प्रयास नहीं किया गया.

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर जब 17 महीने नीतीश कुमार हमारे साथ बिहार में सरकार चला रहे थे तब बिहार में लाखों लोगों को नौकरी दी गई.तेजस्वी ने कहा कि जो नीतीश कुमार हमारे ऊपर कहते थे कि नौकरी देगा तो क्या बाप के घर से पैसा देगा, उन्हीं नीतीश कुमार के हाथों पटना में लाखों शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बंटवाया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार चलाने में सक्षम नहीं रह गए हैं.

तेजस्वी ने एक बार फिर दोहराया कि बिहार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री का केवल चेहरा हैं. असली मुख्यमंत्री तो डीके बॉस हैं. बिहार के सुपर सीएम डीके बॉस हैं. कुछ अधिकारी और नेता ही नीतीश कुमार के चेहरा आगे कर बिहार में सरकार चला रहे हैं.

शेष पृष्ठ 11 पर

बिहार लघु उद्यमी योजना : स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए आवेदन शुरू, 2 लाख तक का अनुदान

पटना (का.स.)। बिहार में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने लघु उद्यमी योजना के तहत आवेदन मांगे हैं। इसके तहत 18 से 50 वर्ष के बीच आयु का कोई भी व्यक्ति इस योजना के तहत स्टार्टअप शुरू कर सकता है।

बुधवार को उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने बिहार लघु उद्योग योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन पोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करने के लिए पोर्टल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए उद्योग विभाग लगातार प्रयासरत है। बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत 6 हजार से कम मासिक आय वाले कोई भी व्यक्ति बिहार लघु उद्योग योजना के तहत उद्योग लगाने के लिए आवेदन कर सकता है।

इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 40 हजार से ज्यादा लाभुकों को प्रथम किस्त के रूप में प्रति लाभुक 50 हजार की दर से कुल 200 करोड़ से ज्यादा की राशि दी जा चुकी है।

इसके साथ ही द्वितीय किस्त के तहत 11418 लाभुकों को एक लाख की दर से 114.18 करोड़ की राशि दी गई है। मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन उद्यमी पोर्टल के माध्यम से 19 फरवरी से 5 मार्च तक आमंत्रित किए गए हैं। इसके तहत आवेदक को 61 परियोजनाओं में से किसी एक परियोजना का चयन करना है। आवेदकों का चयन कंप्यूटराइज्ड रेंडमाइजेशन के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना के तहत प्रत्येक चयनित लाभुक को स्वरोजगार के लिए अधिकतम 2 लाख की राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी।

कांग्रेस बिहार में करेगी खेला, ताबड़तोड़ पहुंच रहे बड़े नेता, सियासी ताकत बढ़ाने का जुगाड़ हुआ सेट..राजद अपसेट...

पटना (का.स.)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 खातिर सूबे की सियासी दलों के बीच ज्यादा से ज्यादा सीटों पर अपनी जीत सुनिश्चित करने की कवायद जोर शोर से जारी है. इसी कवायद मे बिहार में अपनी राजनितिक वजूद को पुख्ता करने की कोशिश में जुटी कांग्रेस के लिए भी बेहद अहम है। इस कवायद के तहत कॉग्रेस नेत्रित्व लगातार न केवल सक्रिय नजर आ रहा है बल्कि अबतक राहुल गांधी 18 दिनों के भीतर दो बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस ने बिहार में चुनावी रणनीति के तहत काम करना शुरू कर दिया है। इस के तहत अब दिल्ली से बिहार में अलका लम्बा सहित दो दिग्गज नेताओं को भेजा है।

दरअसल इसबार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस समझौते के मूड में नहीं दिख रही है। पार्टी गठबंधन के तहत ही चुनाव में उतरेगी लेकिन घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में पार्टी इस बार ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ने की जिद्द के बजाय जीत की संभावना वाली सीट हासिल करने की कोशिश करेगी ताकि ज्यादा से ज्यादा सीट पर जीत हासिल कर सकेगी. कांग्रेस ने हाल के दिनों में अपनी रणनीति में बदलाव किया है। दिल्ली चुनाव में इसकी झलक देखने को मिली है।लिहाजा उसने रणनीति के तहत सहयोगी दलों पर दबाव के लिए अभी से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मैदान में उतार दिया है।

जहानाबाद में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का तेजस्वी पर प्रहार, कहा : ईसी क्या होता है..नहीं है इसकी जानकारी

जहानाबाद। जहानाबाद के गांधी मैदान में एनडीए द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल समेत सभी ठऊअ में शामिल सभी दल के प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद रहे।

कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान मीडिया से बात करते समय भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तथा बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने बताया कि लालू यादव के पुत्र तथा विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अपने पिता को भारत रत्न देने का मांग की है लेकिन उनको यह पता नहीं है कि उनके पिता कितने मामलों में चार्जशीटेड हैं।

शेष पृष्ठ 11 पर

सहरसा पहुंचे बिहार के राज्यपाल : दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, बीएनएमयू के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए मधेपुरा रवाना

पटना (का.स.)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आज बीएन मंडल विश्वविद्यालय (बीएनएमयू) के छठे दीक्षांत समारोह में भाग लेने पहुंचे। वे दोपहर 12 बजे सहरसा हवाई अड्डे पर उतरे, जहां उन्हें भव्य गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद वे सुरक्षा काफिले के साथ सड़क मार्ग से मधेपुरा के लिए रवाना हो गए।

इस प्रतिष्ठित समारोह में राज्यपाल शामिल होंगे और विशेष संबोधन देंगे। इसके साथ ही छात्रों को डिग्रियां व गोल्ड मेडल प्रदान करेंगे। समारोह में वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे। राज्यपाल के आगमन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

केंद्र सरकार ने आपदा प्रभावित इन 5 राज्यों को दी 1554 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता, शाह बोले...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा है कि मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चट्टान की तरह खड़ी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक समिति ने 2024 के दौरान अचानक आई बाढ़, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान से प्रभावित पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 1554.99 करोड़ रुपये में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी सरकार आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए चट्टान की तरह खड़ी है। आज गृह मंत्रालय ने एनडीआरएफ के तहत आंध्र प्रदेश, नागालैंड, ओडिशा, तेलंगाना और त्रिपुरा को 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी है। यह एनडीआर फंड के तहत केंद्र की ओर से 27 राज्यों को जारी की गई 18,322.80 करोड़ रुपये की राशि के अतिरिक्त है।'' यह अतिरिक्त सहायता उन निधियों के अतिरिक्त है जो केंद्र सरकार पहले ही राज्यों को उनके एसडीआर कोष के तहत जारी कर चुकी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, केंद्र ने एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को 18,322.80 करोड़ रुपये, एनडीआरएफ से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपये, राज्य आपदा शमन कोष से 14 राज्यों को 2,208.55 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा शमन कोष से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

बयान के अनुसार, केंद्र सरकार ने औपचारिक ज्ञापन प्राप्त करने की प्रतीक्षा किए बिना ही इन राज्यों में कई अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम आपदा के तुरंत बाद तैनात कर दी थी।

पटना में रफ्तार का कहर, बेलगाम ट्रक ने छात्रा को कुचला, दर्दनाक मौत

पटना (का.स.)। राजधानी पटना के ठ्ल- 30 हाइवे पर रफ्तार का कहर जारी है। ताजा मामला पटना सिटी के अगमकुंआ थाना क्षेत्र के छोटी पहाड़ी के पास का है जहां तेज रफ्तार से आ रही बेलगाम ट्रक में एक छात्रा को कुचल डाला।

वही स्थानीय लोगों द्वारा गंभीर रूप से घायल छात्रा को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची यातायात थाना की पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस ने छात्रा की पहचान 9ँ क्लास की छात्रा सुष्मिता कुमारी के रूप में किया। वह बुधवार को अपने स्कूल में 9ँ का एग्जाम देने जा रही थी। इस घटना के बाद परिजनों ने कोहराम मचा हुआ है और सभी का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है।

आदर्श आचरण प्रस्तुत करने पर सजा की अवधि में होगी कमी : जिलाधिकारी

सभी बंदी सचेत रहकर आपसी समन्वय से रहें, कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करें

- अपने आचरण में बदलाव लाएं एवं समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का प्रयास करें
- अब यह केवल कारा नहीं, सुधार स्थल भी है।
- मंडल कारा बेतिया में 1000 से अधिक बंदियों के साथ किया गया बंदी दरबार का आयोजन
- बंदियों की समस्याओं का कराया गया ऑन द स्पॉट समाधान
- जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक, बेतिया, शौर्य सुमन द्वारा मंडल कारा का निरीक्षण भी किया गया

संवाद संचार संवाददाता
सोनू भारद्वाज

बेतिया। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय द्वारा आज मंडल कारा बेतिया में बंदी दरबार का आयोजन किया गया। बंदी दरबार में जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को दी जा रही सुविधाएं से जिलाधिकारी अवगत हुए साथ ही बंदियों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समस्याओं का निराकरण जिलाधिकारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने 1000 से अधिक बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी लोग इंसान हैं। सभी को स्वतंत्रता का अधिकार है। कुछ भटकाव एवं भूलचूक के कारण जो लोग कारा में आए हैं, उनके लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बंदी दरबार का आयोजन कारा में बंद बंदियों की समस्याओं को सुनने एवं उनका उचित निराकरण करने के लिए किया गया है। उन्होंने बंदियों से कहा कि राज्य सरकार द्वारा जेल का नाम बदल कर कारा एवं सुधार सेवाएं कर दी गयी है। सरकार के द्वारा कारा के अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण दिलाया गया है ताकि उनके कार्य, व्यवहार, संस्कृति में बदलाव आए। जिलाधिकारी ने बंदियों से कहा कि मैं आपको नियम कानून की बातें नहीं बता रहा हूँ बल्कि व्यावहारिक बातें बता रहा हूँ ताकि आपको आसानी से समझ में आ सके। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व मैं जेल आईजी था। कारा की व्यवस्थाओं में सुधार करने की सार्थक कार्रवाई की गई, जिसका लाभ आज बंदियों को सुगमतापूर्वक मिल रहा है। किसी भी बंदी को कोई असुविधा नहीं हो, इसका ध्यान दिया जा रहा है। अत्याधुनिक सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कारा में आदर्श आचरण प्रस्तुत करने पर सजा की अवधि में कमी होती है। इसलिए सभी बंदी सचेत रहकर आपसी समन्वय से रहें, कोई प्रतिकूल कार्य नहीं करें। अपने आचरण में बदलाव लाएं एवं समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का प्रयास करें।

उप विकास आयुक्त, सुमित कुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बंदी दरबार अभियान के माध्यम से आपकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह ने कहा कि सरकार का हमेशा यह प्रयास रहा है कि बंदियों को कारा में मूलभूत सुविधाएं मिले, इस हेतु कार्रवाई भी की जा रही है। जेल मैनुअल के अनुरूप बंदियों को सुविधाएं प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, कुमार रविन्द्र ने बंदियों से कहा कि न्याय संहिता, प्रावधानों का उल्लंघन नहीं हो। मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करें। सामान्य एवं उत्तम नागरिक बनें।

बंदी दरबार में बंदी नवनीत रंजन ने जिलाधिकारी को लौरिया अशोक स्तंभ का स्वनिर्मित पेंटिंग समर्पित किया। वहीं जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक, बेतिया, शौर्य सुमन द्वारा मंडल कारा का निरीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही अधीक्षक, जेल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बंदियों को जेल मैनुअल के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाय। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया, शौर्य सुमन, उप विकास आयुक्त, सुमित कुमार, अपर समाहर्त्ता, राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, कुमार रविन्द्र, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, श्री सुजीत कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने 24 घंटा में 35 वारंटों का निष्पादन करते हुए कांड में 4 गिरफ्तारी किया

वाहन जांच में 65.5 हजार रुपए जुमार्ना लगाया

संवाद संचार संवाददाता
समीउल्लाह कासमी

बगहा। पुलिस जिला अंतर्गत पुलिस ने विगत 24 घंटो में 35 वारंटों का निष्पादन किया है वही कांड में 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं:वही दूसरी ओर पुलिस ने अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए गए सघन वाहन जांच में 65 हजार 500 सौ रुपए जुमार्ना लगाया है.उक्त जानकारी एसपी सुशांत कुमार सरोज ने दी.एसपी ने बताया कि इस प्रकार धनहाँ पुलिस ने शराब के काण्ड में 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है.

साथ ही 46.80 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद करते हुए एक ऑटो को भी जप्त किया है.

एसपी ने बताया कि पुलिस ने इस प्रका कुल-35 वारंटो का निष्पादन किया गया है, जिसमें जमानतीय 18 अजमानतीय 17 शामिल है.वही दूसरी ओर अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से वाहन जॉच किया गया जॉच के क्रम में बगहा थाना द्वारा 10,000, चौतरवा थाना द्वारा-10,000, रामनगर थाना द्वारा-15,500, पटखौली थाना द्वारा 45,00, नाँरगिया थाना द्वारा-7,000, भैरोगंज थाना द्वारा-4,000 चिउटहाँ थाना द्वारा 1,000, सेमरा थाना द्वारा-2,000, यातायात थाना द्वारा-21,500, इस प्रकार कुल 66,500/- का जुमार्ना लगाया है

एक लाख को बढाकर छह लाख के सुरक्षित जमा राशि पर लगेगी नजरबाग पार्क पर बोली : गरिमा

नगर निगम के करीब छः करोड़ के एक दर्जन सैरातों के बंदोबस्ती के प्रारूप को बोर्ड ने दी स्वीकृति

प्रोसिडिंग नहीं प्राप्त होने का माननीय सांसद के आरोप को लेकर महापौर ने जारी की रिसीविंग की कॉपी

नगर निगम की बैठकों में आम जनता की जगह कुछ नगर पार्षद गण के परिजनों को अनुमति देने पर पश्चिम चंपारण के सांसद ने उठाया सवाल

सोनू भारद्वाज

बेतिया। भारी गहमा गहमी, तनातनी और आरोप प्रत्यारोप के बीच बुधवार को संपन्न नगर निगम बोर्ड की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित कर दिया गया। बैठक की जानकारी देते हुए महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि बीते वर्ष मात्र एक लाख की जमा राशि वाले नजर बाग पार्क की वर्ष 2025- 26 के लिए होने वाली बंदोबस्ती की सुरक्षित जमा राशि को बढ़ाकर छः लाख कर दिया गया है। वही महापौर ने यह भी बताया कि कुल करीब छः करोड़ राजस्व प्राप्ति वाले नगर निगम क्षेत्र के करीब एक दर्जन सैरातों के बंदोबस्ती संबंधी प्रस्तुत प्रारूप को बोर्ड के द्वारा स्वीकृति देते हुए अगले दिन ही इसकी निविदा जारी करने की कार्रवाई का आदेश दिया है। वही श्रीमती सिकारिया ने यह भी बताया कि बैठक में शामिल रहे पश्चिम चंपारण के सांसद और विधान पार्षद सौरभ कुमार ने पूरी नगर निगम बोर्ड और सशक्त समिति द्वारा पारित प्रस्तावों की पूरी प्रोसिडिंग नहीं प्राप्त होने की बात कही। महापौर ने बताया कि इसके बाबत उन्होंने जब कार्यालय से जानकारी मांगी तो उन्हें दोनों माननीय के यहां प्रोसिडिंग की रिसीविंग दिखाई गई। महापौर ने बताया कि संभव है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर कोई मानवीय भूल हुई हो। उन्होंने सभी गणमान्य और माननीयगण को कार्यवाही की प्रति उपलब्ध कराने पर विशेष ताकीद का निर्देश नगर आयुक्त को दिया है। इसके साथ ही महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर विकास एवम आवास विभाग से जारी निर्देश में नगर निगम क्षेत्र के बीस आम और खास लोगों को बैठक की कार्यवाही दर्शकदीर्घा में बैठकर देखने की अनुमति प्राप्त आवेदन के आधार पर देने का निर्देश महापौर को प्राप्त है। जिसको लेकर माननीय सांसद जी के द्वारा सवाल उठाने को लेकर पटना,सीतामढ़ी जैसे अनेक नगर निगम महापौर के द्वारा ही प्रवेश पत्र जारी होने के जारी प्रारूप की प्रति जारी करते हुए महापौर ने कहा कि विभाग से जारी विहित प्रपत्र और प्रावधान के तहत बिहार के अनेक नगर निगमों के महापौर द्वारा ही जारी होते प्रवेश पत्र को उनके स्तर से भी जारी किया गया है। आगे भी आवेदन प्राप्ति के आधार पर किसी भी आम और खास आवेदक के लिए ऐसा किया जायेगा। इस को मुद्दा बनाने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए महापौर ने कहा कि नगर निगम के विधाई सदन में विकास की गति तेज करने पर माननीयगण द्वारा मार्गदर्शन और निर्देशित करने के बजाय गैर जरूरी और कम महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन का बहुमूल्य समय जाया होने को महापौर श्रीमती सिकारिया ने स्वयं के लिए कष्टकारी बताते हुए कहा कि इस पद को प्राप्त करने से पूर्व एक गृहणी महिला को इस प्रकार के सवालों से घेरने को लेकर जिला के माननीयगण को सहृदयता से विचार करने की आज मैं मर्माहत मन से अपील करना चाहूंगी।

हत्या के विरोध में बरनवाल समाज ने निकाला कैंडल मार्च

गुलाम साविर

नरकटियागंज। विद्युत विभाग में कार्यरत संजीव कुमार बरनवाल के नृशंस हत्या के विरोध में बरनवाल युवा मंच के समस्त सदस्यों ने पूरे बरनवाल समाज के साथ शहीद चौक से होते हुए पुरे शहर में कैंडल मार्च निकाला। सचिव आशीष कुमार बरनवाल ने प्रशासन से हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की एवं शहर को भयमुक्त बनाए रखने की प्रशासन से अपील की। कैंडल मार्च में उपाध्यक्ष आलोक बरनवाल, उपसचिव अनुराग बरनवाल, राजन बरनवाल, कोषाध्यक्ष राजू बरनवाल, संरक्षक मनोज बरनवाल, पूर्व अध्यक्ष राकेश बरनवाल के साथ समस्त सदस्यों के साथ साथ शहर के सैकड़ों शहरवासियों ने अपना विरोध कैंडल मार्च के माध्यम से किया।

महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर बन सकतीं आत्मनिर्भर

संवाद संचार संवाददाता

समस्तीपुर। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 28 महिलाओं को अगरबत्ती बनाने का गुर सिखाया गया। इस दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ संकाय श्रवण कुमार झा ने कहा कि स्वरोजगार करने हेतु अगरबत्ती निर्माण के साथ-साथ वित्तीय लेनदेन, बाजार प्रबंधन, समय प्रबंधन, रिस्क लेने की क्षमता, बैंकिंग एवं सफल उद्यमी में होने वाले गुणों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है। मौके पर वित्तीय एफएलसी एम.के. ठाकुर, संकाय बिट्टू भारती, कार्यालय सहायक शुभम सिन्हा, रूपमती कुमारी एवं सभी प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

पी.सी.हाइस्कूल पटसा में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह का हसनपुर चीनी मिल के प्रबंधक ने किया शुभारंभ

संवाद संचार संवाददाता
प्रभात कुमार

समस्तीपुर (हसनपुर):- प्रखंड के पी. सी. हाईस्कूल पटसा में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ मगध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड के महाप्रबंधक आर के तिवारी, विद्यालय के निदेशक राम किशोर राय, प्राचार्य संजीत कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर आए हुए मुख्य अतिथि को मिथिला परंपरा के अनुसार पुष्प माला,मिथिला पेंटिंग युक्त चादर तथा मिथिला पेंटिंग युक्त पाग से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से छात्र मेधा, निशा तथा पूजा ने की। स्वागत गीत अनु, नेहा तथा मुस्कान के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावकों ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत नृत्य, गायन, झांकी, लोक नृत्य, धार्मिक गीत तथा एकांकी का आनंद लिया। छात्रा निशा, प्रिया, अर्पिता, मनीषा, मेधा के द्वारा गाए गए गीत आजू मिथिला नगरिया निहाल सखिया को अभिभावकों ने खूब सराहा। इसी तरह महाभारत की थीम पर कृष्ण लीला का मंचन जायसी, अंजलि, हर्षिता, वैष्णवी, सौम्या के द्वारा किया गया। सबसे मंत्र मुग्ध करने वाली झांकी अपन बिहार में बिहार के विभिन्न पारंपरिक गीत छठ पूजा, क्षीक्षीया डांस, लोक संगीत को दिखाकर छात्र-छात्राओं ने अभिभावकों को मंत्र मुक्त कर दिया। इसी तरह हम कथा सुनाते राम सकल गुण धाम की, मां तुझे सलाम, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, मेरा मुल्क मेरा देश,मेरे बंसी बजैया, अधगिरी नंदिनी, स्कूल चले हम, कौशल्या दशरथ के नंदन, तुम उठो सिया सिंगर करो,पुलवामा के वीर शहीदों, मेरे घर राम आए हैं तथा यह प्रयागराज है व कुंभ मेला पर आधारित नृत्य में छात्र रिया, मीनाक्षी,समीक्षा, विधि ने बड़ी ही मनोरंजक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर नवीन कुमार राय, घनश्याम झा, शिवनाथ मिश्रा, राजकुमार लाल, पंकज मिश्रा,विकास सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, राजीव कुमार सिंह, संदीप पाटिल, कृष्णमुरारी सिंह, भोला मिश्रा,रूपेश मिश्रा, रामाधार ठाकुर, शिवकुमार राम, मुरारी झा, लक्ष्मण झा, राम सागर दास, निरंजन कुमार मिश्रा सहित अन्य गण्यमान्य लोग मौजूद थे' कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक रामकिशोर राय ने की वहीं मंच संचालन कक्षा आठवीं की छात्रा श्रेया तथा मिंकी कुमारी ने किया।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प, झड़प में गले मे पहने चेन समेत रुपये छिनने की बात बताई

सुनिल कुमार पांडेय

भैरोगंज। जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प की सूचना मिली है। दोनो तरफ से स्थानीय पुलिस को आवेदन देकर मामला दर्ज कराया गया है। आवेदन के मुताबिक झड़प में दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध कई संज्ञेय धाराओं में कांड अंकित कराया गया है। जिसकी छानबीन में पुलिस लग गई है।

मामले को लेकर भैरोगंज थानाध्यक्ष महेश कुमार ने आवेदन मैं दर्ज तथ्यों के हवाले से बताया कि आवेदिका रेणु देवी पति शेषनाथ साह ग्राम इनारबरवा ने आरोपित दिनेश साह, नितेश साह दिनों पिता स्व0 राजिंदर साह दीपक साह पिता दिनेश साह ने विगत 15/02/025 के 3 बजे अपरान्ह अपने निजी जमीन को बलात कब्जे में लेने की आरोपियों कि कोशिश के प्रतिरोधस्वरूप उन्होंने उसके साथ हिंसक रूप से मार पिटाई आरम्भ की। बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया,निवस्त्र करने की कोशिश के साथ लज्जाभंग करने की कोशिश भी की गई। दिनेश साह ने गले मे पहने चौवन हजार के सोने की चेन को इस झड़प के दरम्यान झपट लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदिका के आवेदन के आधार पर थाना कांडसंख्या 18/024 दिनांक 16/02/025 दर्ज की गई है। जबकि प्रतिपक्ष के आवेदक दिनेश साह पिता स्व0 राजिंदर साह इनारबरवा ने आरोप लगाया है कि दिनांक 15/02/025 समय करीब 2.30 बजे अपने जमीन में बाड़ लगाने का काम कर रहा था। तभी आरोपित रेणु देवी पति शेषनाथ साह, सुशीला देवी पति स्व0 ध्रुव साह,शेषनाथ साह पिता स्व0 ध्रुव साह,गुड़िया देवी पति शैलेश साह आये और उसके साथ हिंसक रूप से मारपीट करने लगे। आरोपितों में से एक नए उसके गले से बाईस हजार के चेन के अलावा जेब मे रखे रुपयों को भी छीन लिया।

थानाध्यक्ष महेश कुमार ने बताया कि इस मामले में थानाकाण्ड संख्या 19/025 दिनांक 15 /02/025 दर्ज कर अनुसंधान समेत तमाम अग्रेतर कार्यवाहियां शुरू की गई है।

हमें एक बार सेवा करने का मौका दे: सुनील यादव

अरवल। विधानसभा से सभी पार्टी के लोग जनता से मिल रहे हैं और कई वादे भी कर रहे हैं लेकिन सुनील यादव एक ऐसा व्यक्ति है जो किसी भी जाति या धर्म का हो सबसे मिलते हैं और उनके सुख दुख में शामिल होते हैं और मिलकर उनको पैसा से मदद भी करते है और सब उम्मीदवार जनता से सिर्फ मिलते हैं और आश्वासन देते लेकिन सुनील यादव जनता को हर तरह से मदद करने के लिए तैयार रहते हैं सुनील यादव का हर आदमी के जवान पर एक ही नाम आता है कि अबकी बार सुनील यादव को हम लोग सेवा करने का मौका देंगे और जनता भी सब कुछ समझ रही है की कौन सही है और कौन गलत है एक सर्वे के अनुसार पता चला कि सुनील यादव अरवल विधानसभा के जनता के दिलों में बसे हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्य काल में इसरो सॉलिड मोटर्स के लिए दुनिया के सबसे बड़े 10 टन वटिकल प्रोपे लेंट मिक्सर विकसित किया,ये भारत की बड़ी उपलब्धि है : कृष्ण गोपाल शर्मा

संवाद संचार संवाददाता

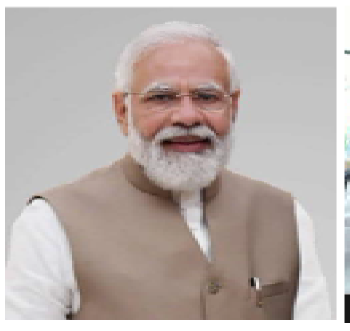

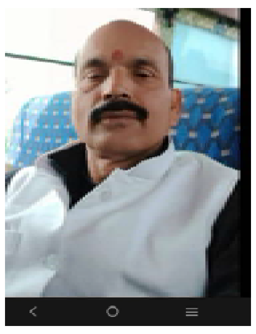

समस्तीपुर। भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकार में भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है भारत ने इसरो के सॉलिड मोटर्स के लिए दुनिया का सबसे बड़ा 10 टन वटिकल प्रोपेलेंट मिक्सर विकसित करके स्पेस टेक्नोलॉजी में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है `यह इनोवेशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों का समर्थन करते हुए प्रोपे लेंट दक्षता को बढ़ाता है` यह माइलस्टोन एडवांस एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है`

परीक्षा केंद्र पर छात्रा हुई बेहोश

समीउल्लाह कासमी

बगहा। बुधवार को नगर के बगहा बाजार स्थित प्लास टू डीएम एकेडमी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में मैट्रिक की परीक्षा दे रही छात्रा अंजली कुमारी अचानक बेहोश हो गई.परीक्षा केंद्र के केंद्राधीक्षक राकेश कुमार यादव की सूचना पर पहुंची अनुमंडलीय अस्पताल चिकित्सक व कर्मियों की टीम द्वारा केंद्र पर पहुंच इलाज किया गया. इलाज के बाद जब छात्रा ठीक हुई छात्रा अपनी बाकी पेपर की परीक्षा पूरी की. डा.एके तिवारी ने बताया कि मौसम के कारण बच्ची की तबियत थोड़ी खराब हुई थी. लेकिन इलाज बाद ठीक हो गई. उसे पुनः केन्द्र पर भेज दिया गया है.

रेखा गुप्ता के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने पर दी बधाई

रेखा गुप्ता का सीएम बनना आधी आबादी को सम्मान -प्रभात मालाकार

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। दिल्ली के सीएम रेखा गुप्ता बनने पर भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रभात मालाकार ने इन्हे बधाई देते हुए कहा कि रेखा गुप्ता की सीएम बनना आधी आबादी का सम्मान है महिला का सम्मान है,भाजपा सभी वर्गो का ख्याल रखती है इस फैसले से पूरे देश की महिलायें और सशक्त होगी।बतां दे कि रेखा गुप्ता वर्तमान मे भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। निश्चित तौर पर अब दिल्ली के विकास को एक नया आयाम मिलेगा।

कमलेशकांत बने जन सुराज के राज्य कोर समिति सदस्य

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर के हीरानगर बैरिया निवासी कमलेशकांत गिरि को जन सुराज राज्य कोर समिति का सदस्य बनाया गया है। जह सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने स्वयं कमलेशकांत गिरि को यह जिम्मेदारी सौंपी है। जन सुराज के अध्यक्ष मनोज भारती ने इस आशय का नियुक्ति पत्र जारी करते हुए बताया है कि राज्य कोर समिति जन सुराज की शीर्ष समिति है, जो संगठन के नीति निर्माण और कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण निर्णय लेती है। कमलेशकांत गिरि अपने अनुभव से जन सुराज के उद्देश्यों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे और इसके समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उधर कमलेशकांत गिरि ने राज्य कोर समिति का सदस्य बनाये जाने पर प्रशांत किशोर, अध्यक्ष मनोज भारती, वरिष्ठ अधिवक्ता वाईवी गिरि एवं जन सुराज कार्यकताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि मैं जन सुराज की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास करता रहूंगा। उधर कमलेशकांत गिरि को सदस्य बनाये जाने पर दिलीप भारती, शिक्षक मनोज गिरि, नीलकमल गिरि, ब्रजकिशोर गिरि, रजनीश भारती, आनंद कुमार, राजू भारती आदि ने बधाई दिया है।

जिले के तरियानी प्राखंड में विद्युत विभाग की सघन छापेमारी बीस का कटा बिजलीआठ पर प्राथमिक की दर्ज

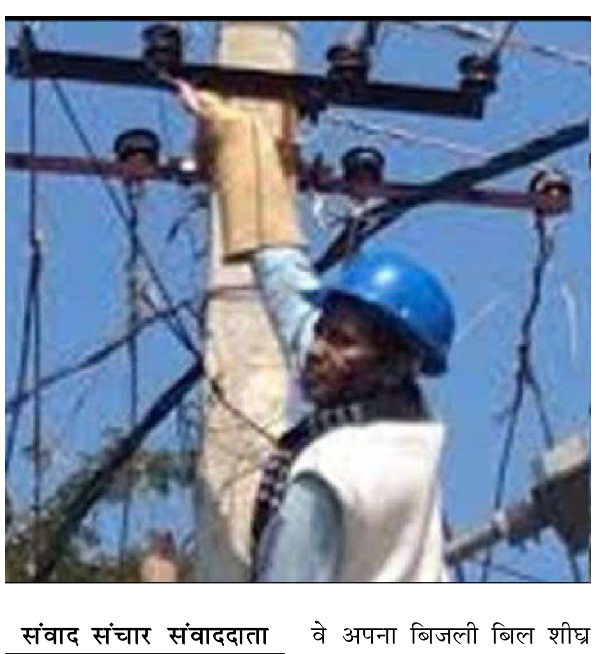

संवाद संचार संवाददाता
गाजेंद्र कुमार सिंह

शिवहर। जिले में इन दिनों बिजली उपभोक्ता के चोरी पर चोरी बिजली विभाग ने सघन छापेमारी की कार्रवाई शुरू की है। यह अभियान विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता छविंदर प्रसाद सिंह के निर्देश पर चलाया जा रहा है।

जिले के तरियानी प्रखंड के विभिन्न गांवों में की गई छापेमारी।

छापेमारी के दौरान 20 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा गया है। जो समय पर बिजली बिल नहीं जमा किया है,उन्हें चेतावनी दी गई है कि यदि वे अपना बिजली बिल शीघ्र भुगतान नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वही कनीय विद्युत अभियंता रत्नेश कुमार भास्कर ने यह भी जानकारी दी कि आठ उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली चोरी के लिए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इनमें से 06 प्राथमिकी महदेवा गांव के उपभोक्ताओं के खिलाफ हैं, जबकि 02 माधोपुर छाता गांव से संबंधित हैं। छापेमारी दल में भुपेंद्र कुमार, संजय पासवान, संजीव झा और नवल राम जैसे सदस्य शामिल हैं। क्योंकी जिले में बिजली विभाग का रेवेन्यू वसूली नहीं हो पा रहा है।

छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए 12वीं के बाद पैरामेडिकल कोर्सेस में एडमिशन लेना चाहिए : डॉ. अनमोल मिश्रा

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। टॉप पैरामेडिकल कोर्सेस को पूरा करने से करियर की आशाजनक संभावनाएं मिलती हैं। नर्स, रेडियोग्राफर, वोकेशनल चिकित्सक और फिजियोथेरेपिस्ट स्नातकों के लिए आकर्षक नौकरी प्रोफाइल में से हैं। ये कोर्सेस स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुरक्षित और अपूरणीय नौकरी भूमिकाओं के साथ काम करने के अवसर प्रदान करते हैं। उक्त जानकारी देते हुए कलमबाग चौक स्थित श्री परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के निदेशक डॉ. अनमोल मिश्रा ने कहा कि कोई भी तकनीकी विकास उनकी जगह नहीं ले सकता है। इसलिए, छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए 12वीं के बाद पैरामेडिकल कोर्सेस में एडमिशन लेना चाहिए। जिन्होंने विज्ञान या कला स्ट्रीम के साथ क्लास 12वीं पास की है। पैरामेडिकल क्षेत्र में अपना करियर बनाने के इच्छुक छात्रों को आवश्यक पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगा। 12वीं के बाद पैरामेडिकल कोर्सेस के लिए पात्रता मानदंड में उम्मीदवारों को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं क्लास (भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान/गणित) में कम से कम 45 से 50% कुल अंक प्राप्त करना आवश्यक है। पैरामेडिकल कोर्सेस के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की आयु 17 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

साथ ही डॉ. अनमोल मिश्रा ने कहा कि यदि उम्मीदवार कला को एक क्षेत्र के रूप में अपनाते हैं, तो वे अभी भी कुछ पैरामेडिकल कोर्सेस कर सकते हैं। जिसमें डीएमएलटी, डिओटीए, ड्रेसर, पोषण एवं बाल देखभाल में प्रमाणपत्र, एचआईवी एवं परिवार शिक्षा में प्रमाणपत्र समेत कई कोर्स शामिल है।

12वीं के बाद कई तरह के पैरामेडिकल कोर्सेस हैं जिन्हें उम्मीदवार

द्वारा किया जा सकता है यदि उसने भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान जैसे विज्ञान विषयों में 10+2 की पढ़ाई की है। उम्मीदवारों को प्रसिद्ध पेशेवर बनने के लिए पैरामेडिकल कोर्स की पढ़ाई में महारत हासिल करनी चाहिए। 2025 में 12वीं के बाद आप जो लोकप्रिय पैरामेडिकल कोर्सेस कर सकते हैं। जिसमें बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी, बैचलर ऑफ फिजियो / फिजिकल थेरेपी, बी.एससी. (ऑडियोलॉजी और स्पीच थेरेपी, बी.एससी. (नेत्र चिकित्सा प्रौद्योगिकी), बी.एस.सी. (रेडियोग्राफी) आदि शामिल है।

कलमबाग चौक इस्थित श्री परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल के निदेशक डॉ. अनमोल मिश्रा का कहना है कि पैरामेडिकल में करियर बनाना उन छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक सदाबहार करियर की तलाश कर रहे हैं। पैरामेडिकल सेवाएं स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अपरिहार्य हैं, जिससे इस क्षेत्र के पेशेवरों की मांग निरंतर बनी रहती है। साथ ही कॉर्पोरेट क्षेत्र जैसे कुछ उद्योगों के विपरीत, जहां मांग में उतार-चढ़ाव या आर्थिक मंदी के कारण छंटनी हो सकती है, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र अपेक्षाकृत लचीला बना हुआ है। इसके अलावा कोर्स में सहायता करना, या पुनर्वास देखभाल प्रदान करना, पैरामेडिकल कार्य की प्रकृति विभिन्न चिकित्सा विशेषताओं में सुसंगत और आवश्यक बनी हुई है। ये कौशल पूरे करियर में प्रासंगिक और मूल्यवान बने रहते हैं।

इस क्षेत्र में नौकरी के दौरान अस्पताल में काम करने पर मुफ्त चिकित्सा लाभ, कई अस्पताल और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं अपने कर्मचारियों को आकर्षक लाभ पैकेज प्रदान करती हैं, जिसमें स्वयं और उनके परिवार के लिए मुफ्त या रियायती चिकित्सा देखभाल शामिल है।

गैर-हस्तांतरणीय नौकरीः इस प्रकार की भूमिकाओं में आम तौर पर रोगी की देखभाल और विशेष ज्ञान शामिल होता है। इसलिए, उन्हें प्रौद्योगिकी या गैर-विशेषज्ञ कर्मियों द्वारा आसानी से दोहराया नहीं जा सकता है।

बिहार के खिलाडियों को बिहार क्रिकेट संघ अब तक का सबसे बड़ा मौका देगी

संवाद संचार संवाददाता
वरूण कुमार

मुजफ्फरपुर। बिहार के खिलाडियों को बिहार क्रिकेट संघ अब तक का सबसे बड़ा मौका देने जा रही है। जिससे बिहार के खिलाडियों को अपने भविष्य को बेहतर बनाने, प्रतिभा को निखारने तथा अपने आप को स्थापित करने का सबसे बड़ा मौका होगा। ि

बहार में सभी जिलों के वैसे प्रतिभावान खिलाड़ी जिन्हें अब तक बिहार क्रिकेट संघ या जिला क्रिकेट संघ में खेलने का मौका नहीं मिल पाया है वैसे खिलाडियों के लिए अब बिहार क्रिकेट संघ एक बिहार सरल लीग (इफ्छ) कराने जा रही है। ताकि गांव में

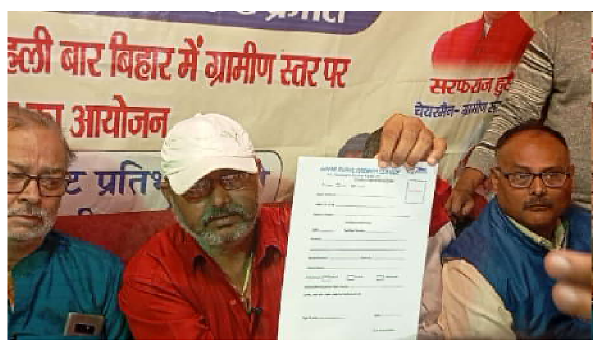

छुपे प्रतिभा को ब्लॉक, पंचायत, स्कूल-कॉलेज, से निकाल कर निखारा जाए एवं उन्हें सीधे खेल की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इसकी जानकारी वुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान बिहार सरल लीग के संयोजक ने देते हुए बताया की सभी जिलों में 16 टीमों की गठन के लिए टैलेंट हंट आयोजित किए जाएंगे। जिला क्रिकेट संघ टैलेंट हंट और अंतर-जिला लीग का आयोजन करेगी। 16 टीमों को 4 ग्रुप में विभाजित किया जाएगा, और टूनामेंट नॉकआउट आधार पर आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक जिले में 15 मैच होंगेः 8 लीग मैच, 4 क्वाटर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल।

सभी जिलों में 570 मैच खेले जाएंगे। जिला क्रिकेट संघ अपने-अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार हेतु बड़े पैमाने पर इउअ द्वारा होने वाले इस बिहार रूरल लीग (इफ्छ) टूनामेंट में अपनी भूमिका सुनिश्चित करेगी। जिसमें इउअ से निबंधित सभी जिला संघ सदस्यों की संलिप्तता सुनिश्चित है। इसके संदर्भ में नोटिफिकेशन के जरिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (इउअ) बहुत जल्द ही मैच की तिथि एवं आयोजन स्थल का निर्धारण करने वाली है।

व्यवहार न्यायालय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव द्वारा किया गया अल्पावास गृह का निरीक्षण

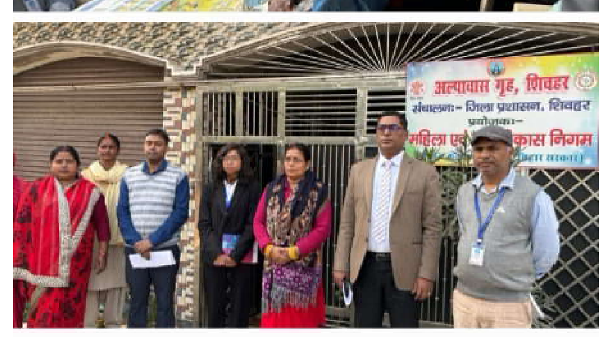

संवाद संचार संवाददाता
गाजेंद्र कुमार सिंह

शिवहर। जिले में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निदेर्शानुसार व्यवहार न्यायालय में मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष उदयवंत कुमार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव ललन कुमार रजक द्वारा अल्पावास गृह शिवहर का निरीक्षण किया गया।

वहीं निरीक्षण के दौरान ज्ञात हुआ कि वर्तमान में गृह में कुल 11 बालिकाएं एवं महिलाएं निवास कर रही हैं।इस निरीक्षण में सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई शिवहर एवं डीपीओ राजन कुमार सहित अन्य अधिकारियों की भी उपस्थिति रही।

इस दौरान गृह में रात्रि का आहार प्रबंध का जायजा लेते हुए शोभा देवी ने बताया कि सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को निर्धारित मीनू के अनुसार नाश्ता एवं भोजन प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, वर्तमान में तीन शिशु भी अपनी मां के साथ गृह में रह रहे हैं। वही साफ-सफाई और सुरक्षा की व्यवस्था संतोषजनक पाए जाने के साथ ही तीन महिला गृह रक्षक को 8-8 घंटे के अंतराल पर सुरक्षा हेतु तैनात किया गया है।

अल्पावास गृह में रह रही बालिकाओं के लिए कढ़ाई-बुनाई का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ बालिकाओं एवं महिलाओं के अभिभावक उन्हें वापस अपने घर ले जाने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। सभी के माता-पिता एवं अभिभावक से संपर्क करने का प्रयास अल्पावास गृह के द्वारा किया जा रहा है ताकि उन्हें सपोर्ट किया जा सके। सचिव ललन कुमार रजक ने संचालक को निर्देशित किया गया है कि यदि किसी भी बालिका या महिला को कानूनी सहायता की आवश्यकता होगी, तो जिला विधिक सेवा प्राधिकार शिवहर के द्वारा उन्हें शीघ्र विधि सम्मत कानूनी सहायता दी जाएगी।

जिला पदाधिकारी द्वारा डुमरी कटसरी प्रखंड अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण

संवाद संचार संवाददाता
गजेंद्र कुमार सिंह

शिवहर। जिला पदाधिकारी, शिवहर श्री विवेक रंजन मैत्रेय द्वारा दिनांक 19 फरवरी 2025 को प्रखंड कार्यालय, डुमरी कटसरी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई एवं समय पर योजनाओं के पूर्ण संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित 746 लक्ष्यों में से 741 लाभुकों का पंजीकरण पूरा कर लिया गया है। शेष लाभुकों के दस्तावेज पूर्ण कर 100% उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

हाउसिंग फॉर ऑल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया एवं अधिकारियों को सतत पर्यवेक्षण के निर्देश दिए गए। निर्माण की गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु सभी

संबंधितों से नियमित संपर्क रखते हुए नियमित अनुश्रवण करने को कहा गया। आई.एच.एच.एल.

वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 516 के विरुद्ध अब तक 154 लाभुकों को ही भुगतान किया गया है, जिसे असंतोषजनक माना गया। दो दिनों के भीतर स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। पंचायत स्तर पर यूजर चार्ज संग्रहण की समीक्षा की गई एवं इसे बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया।

व्यावसायिक भवनों का निरीक्षण प्रखंड क्षेत्र के व्यावसायिक भवनों का निरीक्षण कर दुकानों के सफल संचालन हेतु सुधारात्मक कार्य करने को कहा गया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना के 100% लाभुकों को लाभ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कबीर अंत्येष्टि योजना पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर योजना का लाभ सभी पात्र लाभुकों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया।

पंचायत सरकार भवन, श्यामपुरभवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कमी पाई गई, जिसे लेकर संबंधित अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित कार्यों का अनुपालन सुनिश्चित करें एवं एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

जिले में जिला पदाधिकारी, द्वारा विभिन्न स्थलों का निरीक्षण एवं आवश्यक निर्देश

संवाद संचार संवाददाता
गाजेंद्र कुमार सिंह

शिवहर। जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने आज जिले में विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जल संरक्षण, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं पंचायत सरकार भवन निर्माण की समीक्षा की गई।

पछीयारी पोखर का निरीक्षण संवर्धन, संरक्षण एवं शुद्धिकरण

पोखर के जल की गुणवत्ता की जांच के लिए कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी से सैंपल टेस्ट कराने का निर्देश।

जल शुद्धिकरण के लिए आवश्यक उपाय करने को कहा गया।

पोखर की स्वच्छता सुनिश्चित करना, पोखर के आसपास सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश।

नियमित रूप से कचरा निस्तारण एवं जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

खुले में शौच पर रोक एवं शौचालय निर्माण, पोखर के आसपास ओपन डिफिकेशन (खुले में शौच) को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश।

सार्वजनिक उपयोग के लिए पब्लिक टॉयलेट के निर्माण हेतु अग्रेत्तर कार्रवाई करने का निर्देश।

सौंदर्यीकरण योजना तैयार करने का निर्देश

पोखर को पर्यटन के रूप में विकसित करने एवं उसके सौंदर्यीकरण हेतु संभावित सभी पहलुओं पर निर्णय लेते हुए अग्रतर

कार्रवाई का निर्देश।

पंचायत सरकार भवन, कुशहर का निरीक्षण

भवन के संपर्क पथ की ऊंचाई का निर्धारण

सहायक अभियंता, भवन निर्माण विभाग को संपर्क पथ की ऊंचाई स्थानीय मकानों के प्लिंथ लेवल के अनुरूप रखने का निर्देश।

जल जमाव की समस्या से बचाव हेतु उपयुक्त स्तर पर सड़क निर्माण करने को कहा गया।

निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश

निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया।

गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करना

तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा गया।

जिला प्रशासन जनहित से जुड़े विकास कार्यों को तेजी से एवं पारदर्शिता के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को योजनाओं को समय पर एवं निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा करने का निर्देश दिया।

जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन निरंतर कार्य करता रहेगा।

मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी, नगर कार्यपालक पदाधिकारी, सहायक अभियंता भवन निर्माण इत्यादि उपस्थित थे।

डीएम ने सभागार मे कई विभागों की समीक्षा बैठक की

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : जिलाधिकारी समस्तीपुर रोशन कुशवाहा के द्वारा समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में आईसीडीएस, सामाजिक सुरक्षा, जिला कल्याण,और अल्पसंख्यक कल्याण सहित विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक बुधवार दिनांक 19 फरवरी 2025 को की गई।आईसीडीएस की समीक्षा के क्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि समाहरणालय में पालना घर की तर्ज पर पुलिस लाइन में भी पालना घर बनाने का निर्देश विभाग द्वारा प्राप्त है इसके लिए पुलिस लाइन में कोई बड़ा हाल या कमरा चिन्हित करने की आवश्यकता है, इस पर जिलाधिकारी समस्तीपुर के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक को

अविलंब पालना घर हेतु स्थल चिन्हित कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा की समीक्षा के क्रम में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा आकाश के द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं पेंशन के विषय में विस्तार से जिलाधिकार को अवगत कराया गया।इस पर जिलाधिकारी के द्वारा सभी लाभूको ससमय पेंशन एवं अन्य योजना का लाभ मिले यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कल्याण की समीक्षा के क्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी को सावित्रीबाई फुले छात्रावास हेतु भूमि उपलब्धता तथा अन्य निमार्णाधीन छात्रावास एवं आवासीय विद्यालय का नियमित निरीक्षण करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया।इसी प्रकार उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण को अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय हेतु 3 एकड़ भूमि चिन्हित करने हेतु अपर समाहर्ता से समन्वय स्थापित कर अविलंब प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया।बैठक में सिविल सर्जन समस्तीपुर, डीपीओ आईसीडीएस समस्तीपुर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा,जिला कल्याण अधिकारी प्रसून परिमल, उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण रजनीश कुमार राय सहित विभिन्न सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खाना बनाने के दौरान लगी आग बुजुर्ग महिला झुलसी ईलाज के दौरान हुई मौत

संवाद संचार संवाददाता

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर दक्षिण वार्ड नं 13 समर्था गांव में संध्या खाना बनाने के क्रम में आग लग गई। हल्ला मचाए जाने पर जुटे आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाने की भरपुर कोशिश की तब तक घर के भीतर रखे समान जलकर राख हो गए। जल रहे समान को बचाने के प्रयास में गृहस्वामिनी स्व. राम विलास महतो की पत्नी राधा देवी झुलस कर जख्मी हो गई। ग्रामीणों की मदद से जख्मी को आनन-फानन में उपचार हेतु अनुमंडलीय अस्पताल दलसिंह सराय में भर्ती कराया गया। जहां आन ड्यूटी चिकित्सक ने प्राथमिक

उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि आग से झुलसी महिला अपने घर में खाना बना रही थी। इस क्रम में आग अलाव में पकड़ने के साथ कपड़े में भी पकड़ ली। जिससे आग की लपटें और तेज हो गई। ग्रामीणों ने आग बुझाने के प्रयास के बीच अग्निशमन टीम को इसकी सूचना दी। अग्नि चालक सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में आग पर काबू पा लिया गया। वह वृद्ध महिला के इलाज के दौरान मौत हो गई!

कुंभ श्रद्धांलुओं के लिए 14 कुंभ स्पेशल ट्रेन समस्तीपुर रेल मंडल ने चलाई : एसडीसीएम

संवाद संचार संवाददाता

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : 10 दिन में समस्तीपुर रेल मंडल ने 14 कुंभ स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं जिससे कुंभ जाने वाले अधिकांश यात्रीगण सुगमता से यात्रा कर पाए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनन्या स्मृति ने बताया की समस्तीपुर रेल मंडल निरन्तर प्रमुख स्टेशनों पर जैसे कि जयनगर,रक्सौल, दरभंगा,समस्तीपुर,सहरसा,मधुबनी इत्यादि में वरीय अधिकारीगण के नेतृत्व में कुल 720 वॉलिंटियर,वाणिज्य एवं टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ फोर्स, भीड़ पर नजर बनाएं हुए हैं। रेल मंडल के द्वारा वार रूम 10.फरवरी से चल रहा है जिसके माध्यम से प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज, एस्कलेटर, लिफ्ट इत्यादि का 24*7 लाइव निरीक्षण वरीय पर्यवेक्षकों की टीम के द्वारा निरन्तर किया जा रहा है,इसके अतिरिक्त एसडीआरएफ की टीम, स्थानीय पुलिस बल की तैनाती भी इन स्टेशनों पर सुनिश्चित की गई है जिससे प्रामाणिक यात्रियों को व्यवस्थित रूप से होल्डिंग एरिया/पंडाल की तरफ अग्रसरित किया जाता है।रेल मंडल द्वारा निरन्तर और समन्वित प्रयास से यात्रियों की भीड़ नियंत्रित है। उन्होंने बताया की 19 फरवरी को कोई कुंभ स्पेशल ट्रेनें परिचालित करने की आवश्यकता प्रतीत नहीं हो रही है। आवश्यकता अनुसार एवं भीड़ की स्थिति देखते हुए रेल प्रशासन हर तरह से तैयार है। विदित हो कि बिना टिकट/बिना उचित प्राधिकार के रेल परिसर/गाड़ियों में प्रवेश की रोकथाम हेतु मंडल में इस प्रकार के अभियान लगातार चलाये जाते हैं। रेलवे अपने यात्रियों से भी आग्रह करती है कि वे अपनी यात्रा हेतु उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा जिस श्रेणी/गाड़ी का टिकट लें उसी में यात्रा करें।

समस्तीपुर पुलिस लाइन में भी बनाया जाएगा पालना घर

बच्चों के साथ ड्यूटी करने वाली महिला पुलिसकर्मी बेफिक्र होकर करेंगी काम

संवाद संचार संवाददाता

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में आईसीडीएस, सामाजिक सुरक्षा, जिला कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण सहित विभिन्न विभागों की समीक्षात्मक बैठक बुधवार को की गई। आईसीडीएस की समीक्षा के क्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि समाहरणालय में पालना घर की तर्ज पर पुलिस लाइन में भी पालना घर बनाने का निर्देश विभाग द्वारा प्राप्त है इसके लिए पुलिस लाइन में कोई बड़ा हाल या कमरा चिन्हित करने की आवश्यकता है। इस पर जिलाधिकारी द्वारा पुलिस उपाधीक्षक को अविलंब पालना

घर हेतु स्थल चिन्हित कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा की समीक्षा के क्रम में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा आकाश द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं पेंशन के विषय में विस्तार सेजिलाधिकारी को अवगत कराया गया। इस पर जिलाधिकारी द्वारा सभी लाभूको ससमय पेंशन एवं अन्य योजना का लाभमिले यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कल्याण की समीक्षा के क्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी को सावित्रीबाई फुले छात्रावास हेतु भूमि उपलब्धता तथा अन्य निमार्णाधीन छात्रावास एवं आवासीय विद्यालय का नियमित निरीक्षण करते हुए निरीक्षण प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण को अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय हेतु 3 एकड़ भूमि चिन्हित करने हेतु अपर समाहर्ता से समन्वय स्थापित कर अविलंब प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन समस्तीपुर, डीपीओ आईसीडीएस समस्तीपुर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला कल्याण अधिकारी प्रसून परिमल, उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण रजनीश कुमार राय सहित विभिन्न सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बालिकाओं के बच्चेदानी के कैंसर से बचाओ के लिए टीकाकरण किया गया

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : बुधवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कल्याणपुर, में 91 बालिकाओं को बच्चे दानी के मुंह के कैंसर से बचाव हेतु ह्यूमन पापीलोमा वायरस वैक्सीन से प्रतिरक्षण किया गया, जिस का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी कल्याणपुर देवेंद्र कुमार एवं जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ विशाल कुमार डब्ल्यूएचओ एसएमओ, डॉ सिमना यूनिसेफ के एसएमसी सयैद नकी शेर यूएनडीपी के विसीसीएम खालिद इरफान के ने सामुहिक उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर के किया गया।

डॉ.विशाल ने बताया की इस टीकाकरण के अंतर्गत 9 साल से 14 साल तक के बालिकाओं को प्रतिरक्षित किया जाना है। पहले चक्र में राज्य से कुल 600 वैक्सीन वायल उपलब्ध करवाया गया। इस वैक्सीन से शरीर मे रोग प्रतिरोधक क्षमता विकशित होती है जिससे संक्रमण और कैंसर का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है,प्रतिरक्षित बच्चें को जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी के द्वारा टीकाकरण के पश्चात सर्टिफिकेट उपलब्ध करवाया गया। टीकाकरण प्रीति कुमारी एवं नताशा के द्वारा किया गया। मौके पर डॉ. रूबी रानी,यूनिसेफ प्रतिनिधि शंकर सुमन चंदन कुमार सुरेंद्र प्रसाद प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अनिल कुमार, वार्डन सह शिक्षिका रेखा कुमारी उपस्थित थे।

दस्तावेज बरामद कांड में उमेश राय को भेजा गया जेल

घर से बरामद हुए गांव के खतियान, लगान रसीद और खेसरा पंजी भी बरामद

संवाद संचार संवाददाता

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के मंगलाचक वार्ड पांच मोहल्ला में उमेश राय के घर से मिले सरकारी कागजात मामले में राजस्व कर्मचारी कृष्णानंद कुमार के बयान पर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मोहिउद्दीन नगर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान जानकारी मिली थी कि उमेश राय राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से जुड़े हुए गलत कार्य में संलिप्त हैं। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारी को

सूचना दी गई और उमेश राय के घर पर छापेमारी की गई। उनके घर से ऐसे सरकारी दस्तावेज पाए गए जो किसी निजी व्यक्ति के यहां नहीं होना चाहिए था। प्राथमिकी में बताया गया है कि छापेमारी के दौरान उमेश के घर से राजस्व गांव से संबंधित खतियान, खेसरा पंजी, पंजी -2, के अलावा लगान रसीद और खतियान का प्रारूप भी भारी मात्रा में बरामद की गई। अधिकारियों का मानना है कि उमेश गलत काम में संलिप्त था।मोहिउद्दीन नगर थाना अध्यक्ष गौरव प्रसाद ने बताया कि इस मामले में राजस्व कर्मचारी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी उमेश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

उसके पास कई गोपनीय दस्तावेज मिले जो किसी भी कीमत पर व्यक्ति विशेष के पास नहीं होना चाहिए था। वहीं इसके साथ ही इस पूरे मामले की जांच की जा रही है कि आखिर व्यक्ति विशेष के पास इतने महत्वपूर्ण गोपनीय कागजात कैसे मिल गए। इस मामले में कार्यालय के कर्मी की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा ने श्री मति रेखा गुप्ता को दिल्ली भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीः कृष्ण गोपाल शर्मा

संवाद संचार संवाददाता

समस्तीपुर। भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा ने श्री मति रेखा गुप्ता को दिल्ली भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिल्ली के मतदाताओं ने अटूट विश्वाश किया है` और भाजपा को अपार बहुत देने का काम किया है प्रधानमंत्री ने कहा था हमारी सरकार में पहली प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति में गुजर बसर कर रहे लोगों तक विकास को पहुंचाना मेरा सपना है वो सपना पूरा होते दिख रहा है और जनता जनार्दन ने भ्रष्ट केजरीवाल सरकार को उखाड़ फेकने का काम किया है`विरोधी के पास कोई विकल्प नही है`मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वाश, विकसित राष्ट्र के साथ विकास कर रही है

समस्तीपुर रेल मंडल में मेगा टिकट जांच अभियान जारी

संवाद संचार संवाददाता

झून्नू बाबा

समस्तीपुर : संपूर्ण समस्तीपुर रेल मंडल में बुधवार की सुबह 06:00 बजे से रात्रि 22:00 बजे तक विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 2521 बिना टिकट यात्रियों को पकड़ा गया, जिससे रेलवे को 17.82 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। दरभंगा स्टेशन पर विशेष किलाबंदी अभियान भी चलाया गया, जिसके तहत स्टेशन के सभी प्रवेश द्वारों पर टिकट जांच कर्मियों एवं आरपीएफ जवानों को तैनात किया गया।

इस कड़े जांच अभियान के दौरान 701 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया, जिनसे 5.91 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसके अलावा, आरक्षित कोचों में बिना आरक्षण यात्रा कर रहे यात्रियों को सामान्य श्रेणी के कोचों में स्थानांतरित किया गया। इस अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए आरपीएफ जवानों के साथ साथ दरभंगा दरभंगा सहित पूरे समस्तीपुर मंडल में 198 टीटीई को तैनात किया गया, जिन्होंने टिकट जांच एवं यात्रियों को उचित मार्गदर्शन देने का कार्य किया।

रेलवे लगातार इस तरह के जांच अभियानों को जारी रखेगा ताकि बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाई जा सके और उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके।

रेलवे यात्रियों से आग्रह करता है कि वे अपनी यात्रा के लिए सही टिकट लेकर ही स्टेशन एवं गाड़ियों में प्रवेश करें।

टीएलएम मेले में शिक्षकों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

दिलीप कुमार ठाकुर

खानपुर/समस्तीपुर। प्रखंड में श्रीपुरगाहर पश्चमी संकुल उमवि हाँसोपुर में संकुल स्तरीय विद्यालय का टीएलएम मेला का आयोजन किया गया। जिसमे संकुल समन्वयक कैलाश कुमार महतो ने विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत की गई टीएलएम की काफी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षकों में प्रतिभा की कमी नही है।शिक्षिका

सीमा कुमारी, कुमारी पूना,राजीव रंजन संजय कुमार, कुमारी नीतू,मेंहदी हसन,चंद्रकला यादव आदि ने अपनी अपनी टीएलएम की प्रस्तुति बच्चों के सामने की। निर्णायक मंडल में मृत्युंजय कुमार ठाकुर,हेमंत कुमार हिमांशु छोटन पासवान आदि उपस्थित रहे।

वही मौके पर कुमार सानू, प्रतिभा कुमारी, रचना कुमारी, महेश माझी के अलावे विद्यालय के छात्र /छात्राएं उपस्थित रहे है।

'मेरा प्रखंड, मेरा गौरव' प्रतियोगिता में मनोरंजन को राज्य में तृतीय पुरस्कार

संवाद संचार संवाददाता

झून्नू बाबा

समस्तीपुर। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा चलाए गए 'मेरा प्रखंड, मेरा गौरव' प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर चकहबीब निवासी वरिष्ठ पत्रकार मनोरंजन प्रसाद मिश्र ने समरस समाज के लिए इतिहास रचा है। इनके प्रयास से विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर उत्तर पंचायत के ऐतिहासिक दैंता पोखर को पर्यटन विभाग के मानचित्र स्थापित करवा दिया है। पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले मनोरंजन प्रसाद मिश्र को पुरस्कृत करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। ये कहते हैं कि ऐतिहासिक दैंता पोखर का पूर्व से ही इतिहासिक और धार्मिक महत्व रहा है। इन्हें पुरस्कृत होने पर कविवर चांद मुसाफिर, साहित्यिक संस्था 'विकल्प' के अध्यक्ष सह कवि राजाराम महतो, कथाकार सौरभ वाचस्पति 'रेणु', शायर व गजलकार अक्स समस्तीपुरी, अनिल अग्निहोत्री, स्वयं प्रभा, दिवाकर दिव्यंक, पत्रकार राम कुमार, चंदन कुमार राय, धर्मेन्द्र कुमार, अशोक कुमार महतो, विनय भूषण, रंजीत कुमार, राजेश कुमार, नवनीत झा, समसूल आलम, पूर्व मुखिया राम नारायण राय, रणवीर कुमार विनोद समेत दर्जनों लोगों ने बधाई दी है। इस बात का जिक्र करते हुए स्थानीय

लोग बताते हैं कि उक्त पोखर प्रकृति की अनुपम व मनोहर छटा बिखरने वाली ऐतिहासिक है, 52 एकड़ के विस्तृत भू-भाग में फैला हुआ है। यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बिन्दु रहा है। इसे 'कल्याणदेई' के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि मां कल्याणी के नाम से विकसित इस पोखर के भिंड पर आकर पर्यटक रात्रि विश्राम कर सुबह मां का आशीर्वाद लेकर यहां से चलते तो उनके सभी मनोरथ सिद्ध होते थे। पूर्व में दैता पोखर समस्तीपुर जिला का एक बहुत बड़ा पर्यटक स्थल रहा है। मां कल्याणी की कृपा पर्यटकों पर यहां सदा बनी रही है। इसलिए इस पोखर से पुराने जमाने की कई किबदंतिया जुड़ी है। लोगों का मानना है कि प्राचीन काल में इस पोखर की खुदाई दैत्यों द्वारा रातों-रात कर दिया गया था। वैसे दूसरी जनश्रुतियों के अनुसार इस तालाब की खुदाई महथा स्टेट द्वारा उसे वक्त फसलों की सिंचाई के लिए की गई थी। बाद में यह पोखर देवी मां कल्याणी के नाम से विकसित हुई थी। इस पोखर के जल भाग को भारत के मानचित्र के अनुरुप विकसित करने का प्रस्ताव कल्याणपुर उतर की ग्राम पंचायत की आम सभा, पंचायत समिति आदि से वर्षो पूर्व से पारित है। अब, बिहार के पर्यटन मानचित्र में कल्याणपुर के दैंता पोखर के नाम का भी शुमार होगा और सरकार को राजस्व में भी वृद्धि होगी। सैकड़ो लोगों को रोजी रोजगार के अवसर मिलेंगे। बताते चलें कि उक्त प्रशस्ति पत्र 31 जनवरी को ही पटना के मौर्या होटल में समारोह आयोजित कर दिया गया। परंतु मनोरंजन प्रसाद मिश्र की माताजी का निधन हो जाने के कारण इसे 18 फरवरी को वे पर्यटन निदेशालय पटना से प्राप्त कर सके हैं।

ट्रम्प का एक और कड़ा फैसला : बाइडेन युग के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश

वॉशिंगटन

सत्ता संभालते ही एक के बाद एक सख्त फैसले कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को लेकर एक और बड़ा आदेश जारी किया है।

ट्रम्प ने अपने ताजा आदेश में बाइडेन प्रशासन के सभी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश देकर खलबली मचा दी है। ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पिछले चार वर्षों में न्याय विभाग का जितना राजनीतिकरण हुआ है उतना कभी नहीं हुआ। इसलिए सभी बचे हुए बाइडेन युग के अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया है। हमें तुरंत सफाई करनी चाहिए और विश्वास बहाली के लिए काम करना चाहिए। अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी चाहिए- जिसकी शुरुआत हो रही है।

ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिकी न्याय विभाग निशाने पर रहा है। कई अटॉर्नी पहले ही पद छोड़ चुके हैं। कई अटॉर्नी ने सोमवार को भी पद छोड़ने का एलान किया। ट्रम्प ने राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान आरोप लगाए थे कि बाइडेन प्रशासन उनके खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाकर काम कर रहा है। बाइडन प्रशासन में ट्रम्प के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए और जिन अटॉर्नी ने ट्रम्प के खिलाफ सुनवाई में हिस्सा लिया और ट्रम्प के खिलाफ जांच की, उन को ट्रम्प पहले ही न्याय विभाग से हटा चुके हैं।

अमेरिका के न्याय विभाग में राष्ट्रपति बदलने के बाद अटॉर्नी पद छोड़ने की एक परंपरा है जिसमें सामान्य तौर पर नया प्रशासन अटॉर्नी से इस्तीफा मांगता है, लेकिन इस बार ट्रम्प ने इसे बदलते हुए अटॉर्नी को बर्खास्त करने का आदेश दे दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप ने कहा- भारत वैसे ही मालामाल है उसे सहायता की जरुरत नहीं है और कर दी फंड में कटौती

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को मालामाल बताते हुए करोड़ा डॉलर की सहायता की

जरुरत को नकार दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया दो दिवसीय अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए कहा, हम भारत को 108 अरब क्यों दे रहे हैं उनके पास पहले से ही बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है। हम वहां मुश्किल से प्रवेश कर पाते हैं क्योंकि उनके टैरिफ काफी अधिक है। मुझे भारत और उनके प्रधानमंत्री को लेकर बहुत सम्मान है, लेकिन वहा के चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 1.8 अरब क्यों देना सूची में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण के लिए समूह को 48.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान शामिल था, जिसमें मोल्दोवा में समावेशी और भागीदारीपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया के लिए 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर और भारत में चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर शामिल थे। पोस्ट में वित पोषण के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई। आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने मस्क को नये सरकारी कार्यदक्षता विभाग का प्रमुख चुना था। शासन में सुधार और फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए विभाग ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस कटौती की घोषणा की। विभाग ने कहा, अमेरिकी करदाताओं के पैसे निम्नलिखित मदों पर खर्च किए जाने वाले थे, जिनमें से सभी को रद्द कर दिया गया है। बता दें कि 16 फरवरी को एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) ने इस फंड को रद्द करने की घोषणा की। डीओजीई ने इस निर्णय के बाद एक पोस्ट जारी करते हुए अमेरिकी करदाताओं द्वारा विभिन्न देशों को विभिन्न उद्देश्यों के लिए आवंटित फंड की सूची साझा की। इसमें 21 मिलियन डॉलर का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह राशि भारत में वोटर टर्नआउट के लिए निर्धारित थी।

प्रेग्नेंट ने वर्क फ्रॉम होम मांगा तो नौकरी से निकाल दिया, फिर देना पड़ा 1 करोड़ का मुआवजा

लंदन। ब्रिटेन में एक प्रेग्नेंट महिला ने वर्क फ्रॉम होम मांगा तो कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया।

इसके बाद कंपनी को एक करोड़ का मुआवजा देना पड़ा। बर्मिंघम स्थित रोमन प्रॉपर्टी ग्रुप लिमिटेड में काम करने वाली पाउला मिलुस्का ने प्रेग्नेंसी से संबंधित दिक्कतों की वजह से घर से काम करने देने की इजाजत मांगी थी। हालांकि कंपनी ने ना सिर्फ पाउला को इसकी इजाजत नहीं दी, बल्कि उसे नौकरी से ही निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक कंपनी के बॉस ने कंपनी के संघर्षों का हवाला देते हुए एक टेक्स्ट मैसेज भेजकर पाउला को काम से निकाल दिया। हालांकि एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल को यह बात रास नहीं आई। उन्होंने पाउला को काम से निकाले जाने को भेदभावपूर्ण माना और कंपनी को पाउला को 94,000 पाउंड यानी लगभग 1 करोड़ का मुआवजा देना पड़ा इससे पहले पाउला ने मार्च 2022 में कंपनी ज्वाइन की थी। उन्होंने उसी साल अक्टूबर में बॉस को अपनी स्थिति के बारे में बताया था।

समुद्र के साढ़े छै हजार फिट नीचे खुदाई कर खजाना ढूंढ रहा चीन

बीजिंग। चीन ऐसे कई काम कर रहा है जो पूरी दुनिया को चौंकाने वाली हो सकती है। हाल में खबर आ रही है कि चीन समुद्र में 6,560 फीट नीचे खुदाई कर रहा है। यहां उसे एक अनोखे खजाने की तलाश है। दरअसल, चीन साउथ चाइना सी में 6,560 फीट नीचे 'डीप-सी स्पेस स्टेशन' बना रहा है। वैसे तो उसने इसका मकसद समुद्र की गहराई में छिपे 'खजाने' की खोज करना है। लेकिन इसकी कीमत जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। इस जगह मीथेन से भरपूर हाइड्रोथर्मल वेंट शामिल है। इन वेंट में मीथेन हाइड्रेट्स यानी ज्वलनशील बर्फ के विशाल भंडार है, यह ऊर्जा का बड़ा स्रोत हो सकते है। दूसरा, यहां से रहकर भूकंप जैसी गतिविधियों पर रिसर्च की जा सकती है। इतना ही नहीं, अगर जमीन के अंदर कोई देश हलचल करने की कोशिश करेगा, जैसे कोई परमाणु परीक्षण करने की कोशिश करेगा, तो उसका पता पहले चल जाएगा। सुनामी के बारे में भी घंटों पहले सूचना मिल सकेगी। चीन का 'डीप-सी स्पेस स्टेशन' समुद्र तल से 2000 मीटर नीचे होगा। इसमें एक साथ 6 वैज्ञानिक एक महीने तक रहकर काम कर पाएंगे। 2030 तक यह स्पेस स्टेशन काम करने लगेगा।

धरती की ओर तेजी से आ रहा उल्कापिंड वैज्ञानिक टेलीस्कोप से रख रहे नजर

वायआर4 एक इमारत के आकार का, स्पीड 61 हजार किमी प्रति घंटा

वॉशिंगटन

एक उल्कापिंड धरती की ओर तेजी से आ रहा है यह धरती पर तबाही मचा सकता है जिसको लेकर कई देशों के वैज्ञानिक इस पर नजर रखे हुए हैं। यह एक बड़ा खतरा बन रहा है। वैज्ञानिक शक्तिशाली टेलीस्कोप से इसे देख रहे हैं। 2024 वायआर4 नाम का एस्टेरॉयड एक इमारत के आकार का है, जिसकी स्पीड 61 हजार किमी प्रति घंटे है। नासा के एस्टेरॉयड टेरेस्ट्रियल-इम्पैक्ट लास्ट अलर्ट सिस्टम (एटलस) की ओर से इसे 2024 में खोजा गया था। यह उल्कापिंड दिसंबर 2032 में धरती से टकराने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में गणना के आधार पर 43 में से 1 बार इसकी टक्कर धरती से संभव है, जिसे देखते हुए नासा ने तैयारी की है। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) की पोस्ट के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय खगोलविदों की एक टीम को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मिली है, ताकि इसका अध्ययन किया जा सके।

खगोलविदों का अनुमान है कि इस एस्टेरॉयड का व्यास करीब 55 मीटर है, जो पीसा की झुकी हुई मीनार की ऊंचाई के बराबर है। पृथ्वी पर मौजूद डायनासोर को चिक्सुलुब एस्टेरॉयड ने खत्म कर दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2024 वायआर4 उतना विनाशकारी नहीं होगा, लेकिन यह टुंगुस्का एस्टेरॉयड जितना नुकसान पहुंचा सकता है, जिसने 1908 में साइबेरिया के जंगलों में करीब 8 करोड़ पेड़ों को गिरा दिया था। 2024 वायआर4 का वर्तमान आकार ग्राउंड आधारित टेलीस्कोप का एक अनुमान है। ईएसए के मुताबिक धरती के वातावरण की वजह से ये टेलीस्कोप एस्टेरॉयड की सतह से परावर्तित होने वाले सूर्य के प्रकाश को ही देख पाते हैं, जिसके कारण इसके वास्तविक आकार की सीमित तस्वीर मिलती है। यह अनुमान से काफी बड़ा हो सकता है। ईएसए ने पोस्ट में लिखा कि सामान्य तौर पर एस्टेरॉयड जितना चमकीला होगा, उसका आकार उतना ही बड़ा होगा।

टीम का कहना है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम 2024 वायआर4 के लिए अपने आकार अनुमान में सुधार करें, क्योंकि 40 मीटर और 90 मीटर व्यास वाले एस्टेरॉयड का खतरा अलग होता है। ईएसए के मुताबिक जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए एस्टेरॉयड के आकार और सतह की संरचना के बारे में हमारी जानकारी में सुधार होगा। जेडब्ल्यूएसटी के इन्फ्रारेड उपकरण एस्टेरॉयड से निकलने वाली गर्मी का अध्ययन करेंगे, जिससे इसके वास्तविक आकार और सतह की संरचना का पता चल सकेगा। जेडब्ल्यूएसटी दुनिया का सबसे महंगा टेलीस्कोप है, जो अंतरिक्ष में मौजूद है। धरती पर मौजूद टेलीस्कोप की तुलना में यह बहुत साफ तरह से एस्टेरॉयड को देख सकता है। ईएसए के मुताबिक जेडब्ल्यूएसटी पहली बार मार्च में 2024 वायआर4 का अवलोकन करेगा। तब इस एस्टेरॉयड की चमक चरम पर होगी।

बांग्लादेश की हेकड़ी निकली, बोला- हसीना को मत भेजो लेकिन उनके बोलने पर प्रतिबंध लगा दो

ढाका

पिछले कई महीनों से बांग्लादेश दूसरों के बहकावे में आकर भारत को अकड़ दिखाने की कोशिश करता रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस सौंपने के मुद्दे पर पड़ोसी देश बांग्लादेश की सारी हेकड़ी गुम हो गई है। हालात ऐसे हैं कि वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने भारत से दरख्वास्त की है कि अगर शेख हसीना को ढाका प्रत्यर्पित नहीं कर सकते तो कम से कम उन पर कुछ प्रतिबंध ही लगा दें।

एक इंटरव्यू में हुसैन ने कहा कि ऐसा करने से हसीना को भड़काऊ और झूठे बयान देने से रोका जा सकेगा और इससे बांग्लादेश में स्थिति काबू में हो सकेगी तौहीद ने कहा कि हसीना के सार्वजनिक बयानों से बांग्लादेश के लोगों में रोष है और वे तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग हसीना के लंबे कार्यकाल के दौरान किए गए कामों से अभी भी नाराज हैं। तौहीद ने कहा, 15 साल तक, वह सत्ता में रहीं और लोगों में उनके कार्यों को लेकर बहुत, बहुत ज्यादा गुस्सा है। इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार कम से कम उन पर कुछ प्रतिबंध ही लगा दे ताकि वह भारत में रहते हुए भड़काऊ बयान न दे सकें। तौहीद ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के ऐतिहासिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा, हम सिर्फ पिछले 15 वर्षों को ही क्यों देखें यहां तक कि बीएनपी के समय (2001-2006) के दौरान भी दोनों देशों के बीच व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई थी। उन्होंने आगे बताया कि 1996-1997 का गंगा जल समझौता राष्ट्रों के बीच मजबूत सहयोग का एक और उदाहरण है। बांग्लादेशी सलाहकार के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी संबंधों पर किसी भी देश के नेतृत्वकर्ता से प्रभावित नहीं होना चाहिए। अप्रैल में आगामी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस के बीच बैठक की संभावना के बारे में तौहीद ने सकारात्मक उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। बता दें कि इससे पहले तौहीद हुसैन ने मस्कट में एक बहुपक्षीय सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक में दक्षेस को पुनर्जीवित करने के लिए भारत से समर्थन मांगा था।

तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन कैसे बदलेगी इंसानों की जिंदगी

जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ रही है, इंसानों में भी काफी तरह के बदलाव हो रहे है। तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन, ये तीन मुख्य कारण है, इसकारण दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन चीजों की वजह से इंसान भी काफी ज्यादा बदल जाएंगे। एक शोध के बाद ये कल्पना की है कि मानव जाति किस तरह विकसित हो सकती है। शोधकर्ता का मानना है कि आने वाले एक हजार वर्षों महिलाओं को अपने साथी चुनने की अधिक स्वतंत्रता होगी। इसतरह महिलाओं द्वारा सफल, बुद्धिमान, अच्छे दिखने वाले या अन्य आकर्षक गुणों वाले पुरुषों के चयन की अधिक संभावना होगी। इससे औसत व्यक्ति अधिक आकर्षक, सफल या बुद्धिमान हो सकता है। एक अन्य शोधकर्ता का मानना है कि भविष्य में इंसान अधिक समान दिखाने वाले है। जैसे-जैसे मानवता अधिक मिश्रित होगी और सांस्कृतिक या नस्लीय बाधाएं टूटेंगी, इंसान की त्वचा का रंग गहरा और समानताएं बढ़ती जाएंगी।

पाक के बलूचिस्तान में हथियारबंद हमलावरों ने बस से उतार कर 7 यात्रियों की हत्या की

क्वेटा

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक बस पर हमलावरों ने गोलीबारी की और बस से उतार कर कम-से-कम 7 यात्रियों की हत्या कर दी। मारे गए सभी यात्री पंजाब के विभिन्न हिस्सों के रहने वाले थे। हमला मंगलवार देर रात हुआ। बरखान सहायक आयुक्त (एसी) खादिम हुसैन ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की। हथियारबंद हमलावरों ने मंगलवार देर रात बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक बस पर गोलीबारी की और बाद में बस से उतार कर 7 यात्रियों की हत्या कर दी। हमला रारकन इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने एक यात्री बस को रोका और हवा में गोलियां चलाईं। इसके बाद बंदूकधारी बस में चढ़े, यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की और 7 लोगों को जबरन पास के एक पहाड़ पर ले गए। कुछ ही देर बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी। सुरक्षाबल के जवानों के घटनास्थल पर पहुंचने पर अपहृत यात्रियों के शव पहाड़ी इलाके से

मिले। मृतक पंजाब के विभिन्न शहरों के रहने वाले थे। बस सेवा कार्यालय के अनुसार, बस क्वेटा से फैसलाबाद जा रही थी और उसमें कम से कम 45 यात्री सवार थे। हमलावरों की संख्या करीब 10-12 थी और सभी अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादी निर्दोष और निहत्थे नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शांति के दुश्मनों का यह कायरतापूर्ण हमला असहनीय है।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के कई जिले कर सकते हैं स्वतंत्रता की घोषणा

सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने सदन में शहबाज सरकार को दी चेतावनी

इस्लामाबाद

पाकिस्तान में धर्मगुरु और सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने 1971 की याद दिला दी है, जब पूर्वी पाकिस्तान टूटकर बांग्लादेश बना था। मौलाना ने दावा किया है कि बलूचिस्तान के पांच से सात जिले टूटकर स्वतंत्रता की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध का जिक्र करते हुए चेतावनी दी है कि ऐसी ही स्थिति एक बार फिर बन सकती है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में खुलासा किया गया कि अगर बलूचिस्तान के जिले स्वतंत्रता की घोषणा करते हैं तो संयुक्त राष्ट्र स्वतंत्रता को मान्यता दे सकता है।

सेना पर निशाना साधते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि कुछ ताकतवर लोग बंद कमरों में फैसले करते हैं, जिसे सरकार को मानना पड़ता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र कुर्रम में फिर से हिंसा भड़क गई है। नवंबर में शुरू हुई लड़ाई में

अब तक 150 लोगों की मौत हो चुकी है। यह पाकिस्तान का पहाड़ी इलाका है, जो अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। भारी हथियारों से लैस लड़ाकों की झड़पों से यह दुनिया से कट चुका है। कई बार सीजफायर की कोशिश की गई, लेकिन हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने पिछले महीने कहा था कि पाकिस्तान सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पूरी तरह से अपना नियंत्रण खो दिया है, जिससे बीते दो दशकों में बड़े पैमाने पर पलायन हुआ है।

एआई की दुनिया में तहलका मचाने मस्क ले आए ग्रोक 3 का थर्ड वर्जन

वाशिंगटन। अब एआई की दुनिया में एलन मस्क तहलका मचाने को तैयार है। धरती का सबसे स्मार्ट एआई ग्रोक 3 का थर्ड वर्जन सुबह 9.30 बजे लांच किया है। इसकी जानकारी खुद मस्क ने दी। मस्क ने बताया कि ये एआई पृथ्वी का सबसे स्मार्ट एआई होने वाला है। मस्क ने इस दुनिया का सबसे शक्तिशाली चैटबॉट बताया है।

बताया जा रहा है कि ये चीन में खलबली मचा देगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वे आज धरती का सबसे फास्ट ग्रोक 3 एआई लांच कर रहे है। हालांकि मार्केट में पहले ही एआई चैटबॉट मौजूद है। इस एआई के बारे में ज्यादा जानकारी अभी नहीं दी गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि इसमें टेक्स्ट-टू-विडियो जैसी नई और एडवांस सुविधाएं हो सकती है। इससे यह ओपनएआई के जीपीटी-4, गूगल डीपमाइंड के जेमिनी को टक्कर दे सकता है। ग्रोक को पहले एक्स के प्रीमियम यूजर्स के लिए लांच किया गया था और अगर ग्रोक-3 भी इसी तरह आता है, तब एक्स के सब्सक्रिप्शन बढ़ सकते हैं। ग्रोक-3 का लाइव डेमो सबसे बड़ा टेस्ट होगा। अगर यह शानदार प्रदर्शन करता है, तब यह एआई जगत में बड़ा बदलाव ला सकता है। लेकिन अगर यह उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, तब मस्क की दावों पर और सवाल खड़े हो सकते हैं। इस घोषणा के बाद टेक कंपनियों के शेयरों में हलचल देखी जा रही है। निवेशक और टेक जानकार यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ग्रोक-3 वास्तव में एआई की दुनिया में क्रांति ला सकता है या सिर्फ एक और अपग्रेडेड वर्जन होगा।

संपादकीय

अमेरिका-भारत संबंध : साझेदारी हुई मजबूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर संपूर्ण विश्व की दृष्टि थी। दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्त्रइली प्रधानमंत्री, जापानी प्रधानमंत्री और जॉर्डन के राजा के बाद प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया था। मोदी ऐसे चौथे वैश्विक नेता है जिनकी ट्रंप और उनके प्रशासन के साथ विस्तृत बातचीत हुई, समझौते हुए तथा इससे भविष्य के संबंधों का संकेत मिला। टैरिफ यानी सीमा शुल्क को लेकर ट्रंप का रवैया पहले जैसा ही कठोर है।

उन्होंने घोषणा किया हुआ है कि रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश उनकी सामग्रियों पर जितना शुल्क लगाता है उतना ही लगाएंगे। उन्होंने अमेरिका के पुराने मित्र और साझेदारों जापान तथा यूरोपीय संघ को भी नहीं बक्शा है। वह केवल भारत को अलग से रियायत देंगे यह मानकर नहीं चलना चाहिए। भारत का नाम लेते हुए उन्होंने कहा था कि वहां शुल्क इतना ज्यादा है कि व्यापार करना कठिन है। संयुक्त पत्रकार वार्ता में भी उन्होंने कहा कि हम 45 अरब डॉलर के भारत से व्यापार घाटे को कम करने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के अनुचित और बहुत कड़े टैरिफ को घटाने की घोषणा की है, जो भारतीय बाजार में अमेरिकी पहुंच को कम करते हैं। और मैं कहना चाहूंगा कि यह बहुत बड़ी समस्या है। ट्रंप पहले कार्यक्रम में भी इस पर कठोर रहे हैं लेकिन भारत के विरु द्ध शुल्क वाली दंडात्मक कार्रवाई नहीं की।

भारत को द्विपक्षीय व्यापार में सर्वाधिक लाभ अमेरिका के साथ है और वे शुल्क बढ़ाते हैं तो भारतीय सामग्रियों के लिए अमेरिकी बाजार में स्थान बनाना कठिन होगा। हमारा निर्यात घट सकता है और यह अर्थव्यवस्था की दृष्टि से चिंताजनक होगा। किंतु अब केवल अमेरिका नहीं संपूर्ण विश्व को उसके साथ संबंधों के पुनर्सयोजन की आवश्यकता उत्पन्न हो गई है। सत्ता संभालने के साथ ही ट्रंप लगातार आक्रामक होकर अपनी दृष्टि से अमेरिकी हित के संदर्भ में कदम उठा रहे हैं और उनसे अन्य देशों को परेशानी हुई है। हम यह मानकर नहीं चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से भारत और विश्व की दृष्टि से सकारात्मक उपलब्धियां नहीं हुई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में जिस तरीके से मोदी का स्वागत किया वैसा पूर्व के तीन नेताओं का नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा भी कि मुझे आपकी कमी यहां महसूस हो रही थी। जहां तक प्रतिक्रियात्मक शुक्ल का प्रश्न है तो ऐसा लगता नहीं कि अमेरिकी प्रशासन ने अभी तक उसका सही आकलन और रूपरेखा निर्धारित किया है। माना जा सकता है कि हमारे पास अपने हितों को सुरक्षित रखने का रास्ता खत्म नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस वार्ता मुक्त व्यापार समझौते पर जल्दी पहुंचने की बात की और इसी वर्ष पूरा होने का संकेत दिया। वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार 129.2 अरब डॉलर है, 2030 तक इसे 500 अरब डॉलर तक ले जाने का संकल्प मोदी ने व्यक्त किया। ट्रंप ने भारत का नंबर एक तेल और गैस आपूर्तिकर्ता देश बनने पर मोदी के साथ बातचीत की चर्चा की। इस तरह भारत ने रास्ता निकाला है।

संभवतः उन्हें बताया है कि आप शुल्क लगाकर अपना नुकसान पहुंचाएंगे क्योंकि हम बड़े खरीदार हैं। जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि साझा उत्पादन, तकनीक आदि के मामले में हम रक्षा साझेदार हैं और सबसे बड़ी बात कि गैस और तेल हम आपसे खरीदेंगे। इसमें समस्या भी नहीं है। कहीं से हमको लेना है तो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और लाभ वाले ऐसे देश से, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक समस्याओं से निपटने में सहयोग कर सकता है उससे खरीदने मे समस्या नहीं है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा हाइड्रोकार्बन खरीद में विविधता बढ़ेगा, कुछ देशों पर निर्भरता में कमी आएगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नये उभर रहे क्षेत्र में सहयोग द्विपक्षीय एवं वैश्विक व्यवस्था की दृष्टि से हमारे लिए लाभकारी है। एक महत्त्वपूर्ण बात भारत मध्य पूर्व यूरोपीय आर्थिक गलियारा पर अमेरिका की हरी झंडी है। यह हमारे लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इससे ईरान स्थित चाबाहार बंदरगाह सुरक्षित हो सकता है। अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन चाबहार उन्होंने विदेश मंत्री मार्क रु बियो पर छोड़ दिया है। यह मार्ग चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का प्रत्युत्तर है। इससे हमारे दूरगामी व्यापारिक एवं सामरिक हित सधने वाले हैं। बोस्टन ओर लॉस एंजेलिस में दो नये दूतावास खोलने की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। इससे पता चलता है कि अमेरिका में भारत की राजनयिक, आर्थिक और दोनों देशों के नागरिकों के बीच अंतर्सवाद का काफी विस्तार हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख अधिकारियों और नेताओं से भी मुलाकात की जिनमें अमेरिकी खुफिया सेवाओं की निदेशक तुलसी गबार्ड, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज एवं डिपार्टमेंट आफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के प्रमुख एलन मस्क शामिल हैं। इन सबका असर सुरक्षा एवं अन्य मामलों में आने वाले समय में धीरे-धीरे दिखाई देगा। रूस-यूक्रेन के बीच तनाव घटाने पर ट्रंप सक्रिय हैं और इसमें हमारा भी हित है क्योंकि रूस पर लगे प्रतिबंधों से समस्याएं बढ़ी हुई हैं। हिन्द-प्रशांत में हिन्द महासागर पहल की घोषणा महत्त्वपूर्ण है। ट्रंप स्वतंत्र एवं मुक्त हिन्द प्रशासन क्षेत्र की बात करते हुए कहते रहे हैं कि भारत क्षेत्र की महाशक्तिहै और भारत की साझेदारी को हमेशा महत्त्व दिया है। भारत की सुरक्षा की दृष्टि से इस यात्रा की दो महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां है। संयुक्त वक्तव्य में सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का स्पष्ट नाम लिया गया है तथा 2008 के मुंबई हमले के अपराधियों को सजा देने की भी मांग है।

प्रधानमंत्री की यात्रा की पूरी तैयारी कर कर जाते हैं और इसमें उनकी भाषा और शब्दचयन भी शामिल है। उन्होंने संयुक्त पत्रकार वार्ता में ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी 'मागा' की चर्चा करते हुए कहा कि मैं इस नाते उनका प्रशंसक हूं। उसी तरह भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए मैं भी 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' पर काम कर रहा हूं। इस यात्रा के बाद आर्थिक ,सामरिक एवं रणनीतिक संबंध व साझेदारी पर बनी व्यापक सहमति से पता चलता है कि भविष्य की दृष्टि से दोनों नेताओं ने संबंधों को सही दिशा और आकार देने की पहल की है और इसके अच्छे परिणाम आएंगे।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक मजबूत और रचनात्मक विपक्ष आवश्यक है

विपक्ष एक आवश्यक प्रहरी है जो एक समृद्ध लोकतंत्र में सरकार की शक्ति पर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करता है। यह विभिन्न दृष्टिकोणों को व्यक्त करने, समाज के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करने तथा सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाने के लिए आवश्यक है। सहिष्णुता, वास्तविक राजनीतिक विरोध, तथा विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की नागरिकों की क्षमता में विश्वास, ये सभी लोकतंत्र के लिए पूवार्पेक्षाएँ हैं। एक कमजोर और बिखरा हुआ विपक्ष चुपचाप खड़ा रह सकता है और बहुमत वाली पार्टी की तानाशाही और मनमर्जी को तानाशाही स्थापित करने की इजाजत दे सकता है। यद्यपि सरकार के सुचारू संचालन के लिए एक स्वस्थ विपक्ष आवश्यक है, ताकि कभी-कभार होने वाली ज्यादतियों का प्रतिकार किया जा सके और अवरोधों को रोका जा सके, किन्तु विपक्ष की अनुपस्थिति समग्र रूप से लोगों की स्वतंत्रता और जीवन को खतरे में डाल देगी तथा कानून के शासन को भी खतरा पहुँचाएगी।

प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चचाओं पर बयानबाजी के प्रभुत्व के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है।

पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चचाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दशार्ती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं।

सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक मजबूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए, अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे बड़ी सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। 'विधेयक पर बात-चीत करते हुए उसे समाप्त कर देनाह्व या 'विधेयक पर बात न करनाह्व का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बबार्दी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। मजबूत विपक्ष के अभाव में वर्तमान सरकार निरंकुश और गैर-जवाबदेह हो जाती है और वह ऐसे कानून बना सकती है जो कुछ लोगों या किसी विशिष्ट जनजाति या समूह को लाभ पहुँचाते हैं। जैसा कि कहा गया है, 'सत्ता भ्रष्ट करती हैह्व और खेद की बात है कि ऐसा होता भी है। अतीत के कथित 'परोपकारीह्व राजा वास्तव में अधिकार के पदों पर नहीं थे। 1960 के दशक में पहली बार नाइजीरियाई सैन्य अधिग्रहण से पहले, देश में मजबूत विपक्ष था। हालांकि, फूट डालो और राज करो की रणनीति, तथा देशद्रोह के आरोप में नेता को जेल में डालकर इसे कुचलने में सफल रहे।

परिणामस्वरूप, लोगों ने उन सभी लोगों को मार डाला जिन्हें वे भ्रष्ट मानते थे, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है और सरकार गैर-जवाबदेह और भ्रष्ट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप तख्तापलट हुआ। मुख्यतः एक विशिष्ट जनजाति से सम्बंधित राजनेताओं की हत्या के बाद गृहयुद्ध छिड़ गया। भले ही नेता को यह विश्वास हो कि वह लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्य कर रहा है, लेकिन यदि मामले में उनकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी तो लोग उत्पीड़ित महसूस करेंगे। किसी वर्तमान या भूतपूर्व नेता द्वारा जनता के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करने तथा अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने की क्षमता अद्भुत है। सभी तानाशाह प्रेस में किसी भी प्रकार की असहमति को दबाने से शुरूआत करते हैं, जो एक अन्य महत्त्वपूर्ण तत्व है। इसके बाद उन्हें गैर-सरकारी संगठनों पर हमला करने का अवसर मिलता है।

राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर जोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीका है। संसदीय चचाओं में पुराने जमाने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा-आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चचाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मजबूत किया जाना चाहिए।

तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है। चचाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए। शिष्टाचार बनाए रखने और न्यायसंगत भागीदारी की गारंटी देने में अध्यक्ष और संसदीय समितियों की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है। रचनात्मक आलोचना विपक्षी दल की भूमिका होनी चाहिए। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है; अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की जरूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी।

प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है। भारत में विपक्ष को मजबूत करने के लिए सिर्फ. राजनीतिक दलों को ही नहीं, बल्कि समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना होगा। महत्त्वपूर्ण नीतियों में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना, मीडिया तक समान पहुँच प्रदान करना और राज्य निधि का आवंटन शामिल है। लोकतंत्र को गतिशील, उत्तरदायी और जवाबदेह बनाने के लिए एक मजबूत और सफल विपक्ष का होना आवश्यक है।

माधव सदाशिव राव गोलवलकर-शक्तिशाली भारत के कल्पक

प्रवीण गुगनानी

श्री गुरुजी, माधव सदाशिव राव गोलवलकर, शक्तिशाली भारत की अवधारणा के अद्भुत, उद्भट व अनुपम संवाहक थे। वे भारत की सौम्यता, अनेकता में एकता, समरसता के मर्मज्ञ थे। श्री गुरुजी के संदर्भ में 'थेह्व शब्द कहना सर्वथा अनुचित होगा, वे आज भी हमारे मध्य; पराक्रमी भारत, ओजस्वी भारत, अजेय भारत, निर्भय भारत, संपन्न-समृद्ध-स्वस्थ भारत व राष्ट्रवाद भाव के झर-झर बहते निर्झर झरने बने हुए हैं। वे शक्तिशाली भारत के अग्रदूत, संवाहक, प्रणेता के रूप में आज भी हमारे मध्य हैं, एक वैचारिक मूर्ति के रूप में। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी के संदर्भ में, शक्तिशाली भारत की अवधारणा के संवाहक, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पुस्तक 'श्रीगुरूजी एक स्वयंसेवक' में लिखते हैं झ 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना सन 1925 में डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने की थी, लेकिन इसे वैचारिक आधार द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्रीगुरुजी' ने प्रदान किया था। द्वितीय विश्वयुद्ध, भारत छोड़ो आंदोलन, आजाद हिंद फौज और नेताजी का देश की आजादी में योगदान, भारत विभाजन, देश की आजादी, कश्मीर विलय, गांधी हत्या, देश का पहला आम चुनाव, चीन से भारत की हार, पाकिस्तान के साथ 1965 व 1971 की लड़ाई; भारत का इतिहास बदलने और बनाने वाली इन घटनाओं के महत्त्वपूर्ण काल में न केवल श्रीगुरुजी संघ के प्रमुख थे, बल्कि अपनी सक्रियता और विचारधारा से उन्होंने इन सबको प्रभावित भी किया था।ह्व शक्तिशाली भारत की श्री गुरुजी की अवधारणा को अटलबिहारी वाजपेयी व नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी हुई कोई आधा दर्जन केंद्रीय सरकारों ने मात्र ही स्वीकार नहीं किया; अपितु, इस अवधारणा को उन्होंने अपना गीता-रामायण माना हुआ है।

शक्तिशाली राष्ट्र की गुरुजी की अवधारणा को स्वतंत्रता संघर्ष के मध्य ही कांग्रेस ने, व स्वतंत्रता के पश्चात बनी हुई नेहरूजी व शास्त्रीजी की सरकारों ने भी स्वीकार किया है। यद्दपि नेहरू ने तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने व श्री गुरुजी को जेल में बंदी बनाने जैसा पाप भी किया था किंतु इसके बाद उन्होंने गोलवलकर गुरुजी का अभिनंदन करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को वर्ष 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेने हेतु आमंत्रित भी किया था।

वस्तुतः श्री गुरुजी के नेतृत्व काल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बढ़ती लोकप्रियता, स्वीकार्यता, मान्यता को देखकर नेहरूजी के हृदय में कुटिलता व डाह के भाव आने लगे थे। नेहरू जिस प्रकार की छुद्र, अंग्रेज-मुस्लिम परस्त राजनीति किया करते थे; श्रीगुरुजी उसके विरुद्ध थे। नेहरू जी ने संघ व श्रीगुरुजी को अपनी सत्ता के प्रति आसन्न असुरक्षा के भाव से ग्रसित होकर ही गांधीजी की हत्या के बाद श्रीगुरुजी को गिरफ़्तार कर संघ को प्रतिबंधित किया था। गांधी जी की हत्या व हत्या के आरोप में संघ पर प्रतिबंध लगाना, आज भी एक उनसुलझा रहस्य ही है। इस रहस्य का एक सूत्र गांधीजी की हत्या के ठीक एक दिन पूर्व के नेहरू के एक भाषण में भी है, जिसमें नेहरू ने संघ को कुचलने की बात कही थी। नेहरू जी का संघ को कुचलने वाला भाषण देना, चौबीस घंटे के भीतर गांधी जी की हत्या होना और संघ पर प्रतिबंध लगाकर श्रीगुरूजी को गिरफ़्तार कर लेना; एक अनसुलझी गुत्थी ही है। गांधी जी की हत्या व इस संदर्भ में संघ पर प्रतिबंध, यह पहेली, कानूनी दृष्टि से असुलझी लग सकती है किंतु भीतरखाने के सच जानने वाले तत्कालीन राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता इस संदर्भ में दबी जबान बहुत कुछ कहा-सुना करते थे।

विकसित भारत की नेहरू की परिकल्पना पर श्रीगुरूजी का 'शक्तिशाली भारतह्व की योजना; कल्पक, अत्यंत भारी, परिणामकारी व युगांतरकारी है। श्री गुरुजी की यह योजना, नेहरू की अंग्रेज व मुस्लिम परस्त नीतियों पर बहुत भारी पड़ती हुई दिखने लगी थी। सार्वजनिक चौक-चौराहों, सड़क-संसद, मठ-मंदिर, व्यावसायिक परिसरों आदि सर्वत्र स्थानों पर श्री गुरुजी की 'शक्तिशाली भारतह्व की योजना की चर्चा में भारतीय न केवल रुचि लेने लगे थे, अपितु, श्रीगुरूजी के प्रति भारतीयों में श्रद्धा का वातावरण बनता जा रहा था। यह सब तब था जबकि, श्रीगुरूजी का प्रत्यक्ष राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं था। नेहरू जी को भय था कि, देश के आगामी प्रथम लोकसभा चुनाव में उनकी सर्वोच्चता को केवल तीन लोग चुनौती दे सकते थे; वे तीन व्यक्ति थे झ पहले श्री गुरुजी, गांधीजी व बाबासाहेब अंबेडकर जी। इन तीनों के प्रति नेहरूजी ने तरह-तरह की ज्ञात-अज्ञात दुरभिसंधियाँ की थीं।

श्रीगुरूजी के कृतित्व को नेहरू जी व भारत की समूची जनता ने, भारत-कश्मीर विलय में उनकी भूमिका से देख लिया था। प्रसिद्ध लेखक, संदीप बोमजाई, -'डिसइक्यिलीब्रियम : वेन गोलवलकर रेसक्यूड हरि सिंहह्व में लिखते हैं, 'सरदार पटेल की पहल पर श्रीगुरूजी ने 18 अक्तूबर, 1947 को महाराजा हरि सिंह से भेंट की और विलय को संभव बनाया।ह्व महाराजा हरिसिंह ने गोलवलकर से कहा, 'मेरा राज्य पूरी तरह से पाकिस्तान पर निर्भर है। कश्मीर से बाहर जाने वाले सभी रास्ते रावलपिंडी और सियालकोट से गुजरते हैं। मेरा हवाई अड्डा लाहौर है। मैं भारत से किस तरह संबंध रख सकता हूँ।ह्व श्री गुरुजी ने उनसे कहा, 'आप हिंदू राजा हैं। पाकिस्तान के साथ विलय के बाद आपकी हिंदू प्रजा पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ेगा। सही है कि आपका भारत के साथ इंफ़्रा विकसित नहीं है किंतु इसे बनाया जा सकता है। आपके कश्मीर के हित में अच्छा यही होगा कि आप भारत के साथ अपने राज्य का विलय कर लें।ह्व आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर में जो इंफ़्रास्ट्रक्चर निर्मित कर रहे हैं, वह श्री गुरुजी के इन विचारों का क्रियान्वयन ही है। अरुण भटनागर की पुस्तक, 'इंडिया: शेडिंग द पास्ट, एम्ब्रेसिंग द फ्यूचर, 1906-2017ह्व में भी श्रीगुरुजी की कश्मीर विलय में भूमिका, का उल्लेख है।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में श्रीगुरुजी की 'शक्तिशाली भारतह्व की अवधाणा से लोग ऐसे प्रभावित होने लगे थे कि उनके प्रति श्रद्धा का ज्वार उमड़ने लगा था। 1965 के 'भारत चीन युद्धह्व में भी, प्रधानमंत्री शास्त्रीजी ने, श्रीगुरुजी से नीतिगत व सामरिक विषयों पर परामर्श करके निर्णय लिए थे। जनप्रिय प्रधानमंत्री अटलजी तो श्रीगुरूजी के समकक्ष कभी कुर्सी पर नहीं बैठते थे व नीचे ही स्थान ग्रहण करते थे।

गोवा के भारत विलय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका उनकी 'शक्तिशाली भारत की अवधारणाह्व का ही परिणाम था। गोवा मुक्ति आंदोलन में उस समय कांग्रेस सरकार की भूमिका राष्ट्रहित की पीठ में ही छुरा घोंपने वाली थी। गुरुजी ने तब कहा था, 'गोवा में पुलिस कार्रवाई करने और गोवा को मुक्त कराने का इससे ज्यादा अच्छा अवसर कोई नहीं आएगा। भारत सरकार ने गोवा मुक्ति आन्दोलन का साथ न देने की घोषणा करके मुक्ति आन्दोलन की पीठ में छुरा मारा है। भारत सरकार को चाहिए कि भारतीय नागरिकों पर हुए इस अमानुषिक गोलीबारी का प्रत्युत्तर दे और मातृभूमि का जो भाग अभी तक विदेशियों की दासता में सड़ रहा है, उसे अविलम्ब मुक्त करने के उपाय करे।'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व वामपंथियों में मूलतः वैचारिक मतभेद है व कम्युनिस्ट स्वभावतः ही संघ को पानी पी पी कर कोसते रहे हैं। श्रीगुरूजी अपनी 'शक्तिशाली भारत' की अवधारणा के प्रति इतने समर्पित थे कि वे कम्युनिस्ट्स के प्रति भी राष्ट्रहित में समन्वय की दृष्टि रखते थे। श्रीगुरूजी कार्ल मार्क्स के प्रति कहा करते थे कि, 'भारतीय कम्युनिस्ट्स ने कार्ल मार्क्स के साथ अन्याय किया है। मार्क्स केवल भौतिकतावादी नहीं थे, वे नीतिशास्त्र में भी विश्वास रखते थे। श्रीगुरुजी मानते थे कि, कार्ल मार्क्स को 'क्रूड मटेरियलिस्टिकह्व मानना भारतीय कम्यूनिस्टों की बड़ी भारी गलती है ।

श्रीगुरूजी 'शक्तिशाली भारतह्व के अपने विचार के क्रियान्वयन हेतु सभी वैचारिक पद्धतियों के सत्व-सार को खोजते व उससे समन्वय बनाते दिखते थे।

आखिर भारत का 'असली' दुश्मन कौन?

कमलेश पांडे

जब ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा दलील देते हैं कि भारत को चीन को अपना दुश्मन नहीं मानना चाहिए, तो सवाल पैदा होता है कि आखिर इंडिया गठबंधन के मुख्य घटक समाजवादी पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष और तत्कालीन रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने चीन को भारत का दुश्मन नम्बर वन क्यों करार दिया था?

दरअसल, 1962 के भारत-चीन युद्ध से लेकर 2020 के गलवान घाटी हिंसक झड़प तक, क्रमशः उसके पहले या इसके बाद भारत को लेकर चीन के जो अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार दिखते आए हैं, उससे तो यही प्रतीत होता है कि चीन भारत का मजबूत दुश्मन है। नेहरू-मोदी की मित्रता की भावना को उसने कुचला है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों से पता चलता है कि भले ही ईसाईयत और इस्लाम से सम्भाव्य मुकाबले के लिए हिंदुत्व (भारत) को बुद्धत्व (चीन) की जरूरत पड़ेगी, लेकिन इसके लिए दोनों देशों को समझदारी भरी दूरदर्शिता दिखानी पड़ेगी, अन्यथा वैश्विक परिस्थितियों की धर्मांध चक्की में दोनों देश पिसे जाएंगे और युगों-युगों तक पछताएंगे।

इसलिए स्वाभाविक सवाल है कि भारत का असली दुश्मन कौन है? तो जवाब होगा कि भारत के कई दुश्मन हैं और इसके कारण भी अलग-अलग हैं। जहां तक राजनीतिक नजरिए और भौगोलिक सीमाओं का सवाल है तो चीन हमारा दुश्मन नम्बर वन है। वहीं, पाकिस्तान दुश्मन नम्बर 2, बंगलादेश दुश्मन नम्बर 3, नेपाल दुश्मन नम्बर 4, श्रीलंका दुश्मन नम्बर 5, मालदीव दुश्मन नम्बर 6, म्यामांर दुश्मन नम्बर 7, अफगानिस्तान दुश्मन नम्बर 8 और भूटान दुश्मन नम्बर 9 हैं। इन सबकी दांवपेंच भरी नीतियों से भारत किसी न किसी रूप में परेशान रहता है, क्योंकि अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, रूस और पश्चिमी देशों के शह पर ये भारत विरोधी नीतियों पर बहुधा अमल करते आए हैं।

वहीं, सांस्कृतिक नजरिए से हिन्दू विरोधी होने के कारण कट्टर इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध आदि के आंतरिक गठजोड़ भी भारत के लिए आस्तीन के सांप जैसे हैं। क्योंकि पाकिस्तान, तुर्किये, ईरान आदि की शह पर कभी मुस्लिम देशों के संघ द्वारा, तो कभी ईसाई देशों के संघ द्वारा और इनके धर्मांध कारोबारियों द्वारा भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचे जाते हैं। साथ ही जैसे भारतीय मूल वाले सिख धर्म से जुड़े विदेशी लोगों को कनाडा-यूएसए द्वारा, दलित बौद्धों को चीन द्वारा भड़काया जाता है, अलगाववाद को बढ़वाया जाता है, वह भी भारत के भविष्य से दुश्मनी जैसा ही है। क्योंकि इनको शह देने वाले मुल्क भारत के हिंदुओं की जातीय और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काकर न केवल धर्मांतरण करवाते हैं, बल्कि गृह युद्ध के बीज भी यत्र-तत्र-सर्वत्र बुनते रहते हैं। दलित-ओबीसी साहित्य, साम्प्रदायिक इतिहास को शह आदि इनके सांस्कृतिक औजार बन चुके हैं।

वहीं, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में गुटनिरपेक्षता, सत्य व अहिंसा से अभिप्रेरित वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया जैसी उदात्त सोच से ग्लोबल साउथ मतलब तीसरी दुनिया के देशों के हितों की वकालत के चलते भी पश्चिमी राष्ट्र कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी, इटली आदि भारत से कभी प्रत्यक्ष और कभी परोक्ष शत्रुता रखते आए हैं।

हालांकि, कड़वा सच यह है कि भारत के असली शत्रु हमारे मूढ़ राजनेता हैं, जो 'महाभारत' काल से अभिप्रेरित सार्थक नीतियों को प्रश्रय देने तथा राष्ट्रवाद-हिंदूवाद को संरक्षित करने के बजाय पश्चिमी लोकतंत्र प्रेरित उस क्षुद्र धर्मनिरपेक्षता की वकालत करते आए हैं जो एक अंतर्राष्ट्रीय नैतिक महामारी समझी जाती है। चूंकि इसके सिद्धांत और व्यवहार में काफी अंतर दुनिया के देशों में पाया जाता है, इसलिए एशियाई संदर्भ में यह धर्मनिरपेक्षता भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति

को कुचलने का एक बौद्धिक हथियार समझी जाती है।

इसके अलावा दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा की जातीय अवधारणा, आदिवासी और आर्य के अंतर्राष्ट्रीय विभेद, अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक के धार्मिक विभेद, भाषाई क्षेत्रवाद और एक समान कानून बनाने के बजाय आभिजात्य वर्गों के हितों के मुताबिक कानून निर्माण और इनको लेकर बहुमत-अल्पमत की आत्मघाती राजनीति ऐसे संवैधानिक सवाल हैं जिसका विवेकसम्मत समाधान हमारे राजनेताओं को देना चाहिए लेकिन वह पीछे 75 साल में वह इस मामले में विफल रहे हैं।

इस नजरिए से संविधान संरक्षण को लेकर अविवेकी न्यायिक हठ और कुतर्क भी एक बड़ी वजह है जिससे धर्मनिरपेक्षता जैसी टुच्ची सोच लाभान्वित है। वहीं जातीयता आदि विधि व्यवस्था के सवाल पर प्रशासनिक पूर्वाग्रह भी एक राजनैतिक त्रासदी ही है। इसलिए भारत के इस असली शत्रु को यदि हमलोग पहचान लिए, वैदिक संस्कृति के मुताबिक यहां के जनमानस को ढाल लिए, राजनीतिक अश्वमेध यज्ञ की पुनः शुरूआत कर लिए, तो भारत के जितने भी प्रत्यक्ष या परोक्ष शत्रु हैं, सबके दांत खट्टे किए जा सकते हैं।

निःसन्देह, बदलते विश्व की यही डिमांड भी है, जिसको लेकर भारत के लोगों के बीच सांस्कृतिक व राजनीतिक जागरूकता फैलाने की जरूरत है। इससे अखण्ड भारत यानी महाभारत के सपनों को पुनः हासिल करना आसान हो जाएगा। हमारा देश विश्व गुरु और सोने की चिड़िया बन जाएगा।

अब बात पुनः सैम पित्रोदा के बयानों की। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भले ही एक इंटरव्यू में कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इसलिए भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। ऐसा करके उन्होंने भाजपा और सपा दोनों पर निशाना साध दिया। सपा तो मित्रतापूर्ण सम्बन्धों के चलते चुप रही लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने उनके बयान आलोचना की है। लिहाजा, पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। इस बीच पार्टी ने उनके बयान से खुद को अलग कर लिया है। इस संबंध में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं।"

सवाल है कि चीन के बारे में पित्रोदा का नजरिया ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा भी चीन को लेकर अक्सर ढुलमुल ही रही है। तभी तो ब्रेक के बाद मोदी-चिनफिंग मिले और बंगलादेश जैसा भारत विरोधी कुकाण्ड हो गया। इसलिए चीन के सवाल पर भाजपा-कांग्रेस में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। चाहे इनकी राजनीतिक दलीलें पित्रोदा को लेकर कुछ भी हो। हां, उनके चीन सम्बन्धी बयानों से कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी की ईर्ष्या जरूर बढ़ेगी।

चूंकि कांग्रेस इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर रही है और यूपी में सपा के साथ उसके रिश्ते भी उतार-चढ़ाव भरे सियासी दांवपेंच वाले होते हैं, तो क्या यह समझा जाए कि पित्रोदा का यह बयान भी समाजवादी पार्टी की मौलिक विदेश नीति पर करारा तमाचा है। क्योंकि यूपी के कद्दावर मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव के पुत्र और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, यूपी के राजनीतिक पैंतरों से अक्सर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी परेशान रहा करते हैं। यूपी के दो लड़के के नाम से मशहूर यह सियासी जोड़ी जब एकजूट रहती है तो कभी सफल तो कभी विफल होती है।

चूंकि सैम पित्रोदा राहुल गांधी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों में शुमार किये जाते हैं, इसलिए उनके ताजा बयानों को एक तीर से कई शिकार करने की सियासी कवायद समझा जा रहा है। राजनीति में यही होता भी आया है। अमेरिका से लेकर चीन तक और भारत से जुड़े विभिन्न सुलगते सवालों पर सैम पित्रोदा अपनी अटपटी बयानबाजियों के लिए मशहूर रहे हैं। इसलिए कभी कांग्रेस उन्हें अपनी पार्टी से हटाती है तो कभी ससम्मान लाकर ओवरसीज कांग्रेस सम्बन्धी पुरानी जिम्मेदारियों को थोप देती है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब उन्होंने इस तरह का विवादित बयान दिया हो। दरअसल उनके विवादित बयानों के फेहरिस्त लंबी है। उनके सात अटपटे बयान निम्नलिखित हैं, जिनमें से कुछ पर उन्होंने माफी भी मांगी है।

पहला, मई 2024 में सैम पित्रोदा पिछले साल द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में कहा भारतीय नागरिकों की तुलना चीनी, अफ्रीकी, अंग्रेजों और अरबों से की थी। उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा कि हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को जोड़ कर रख सकते हैं, जहां पूर्वोत्तर राज्यों में लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम भारत में लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग व्हाइट जैसे दिखते हैं और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे दिखते हैं।

दूसरा, अप्रैल 2024 में उन्होंने इनडायरेक्ट रुप में अमेरिका में लगाए जाने वाले विरासत टैक्स की वकालत करते हुए कहा था कि अमेरिका में इनहेरिटेंस टैक्स लगता है। इसके तहत अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है, तो वह केवल 45 प्रतिशत प्रॉपर्टी ही अपने बच्चों को ट्रांसफर कर सकता है। बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार ले लेती है। हालांकि, भारत में ऐसा नहीं। ऐसे में अगर कोई शख्स 10 अरब का मालिक है और उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उसके बच्चों को उसकी पूरी राशि विरासत में मिलती है और जनता को कुछ भी नहीं मिलता है। ये ऐसे मुद्दा है जिस पर हमें बहस और चर्चा करने की जरूरत है।

तीसरा, जनवरी 2024 में सुधींद्र कुलकर्णी के एक लेख का हवाला देते हुए सैम पित्रोदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि संविधान के निर्माण में जवाहरलाल नेहरू ने बीआर आंबेडकर से ज्यादा महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके इस बयान पर भी बहस छिड़ गई और बाद में इसे वापस ले लिया गया।

चौथा, जून 2023 में राम मंदिर मुद्दे पर पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया था। तब उन्होंने तर्क दिया कि बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों को छोड़कर धार्मिक मामलों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा, "मुझे किसी भी धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभार मंदिर जाना ठीक है, लेकिन आप उसे मुख्य मंच नहीं बना सकते।"

पांचवां, मई 2019 में भी पित्रोदा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर एक सवाल पर कहा कि जो हुआ तो हुआ। पिछले पांच साल में क्या हुआ, इस पर बात करें। इस टिप्पणी को लेकर भी उन्हें कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बाद में उन्होंने माफी मांग ली थी।

छठा, इसी तरह अप्रैल 2019 में सैम पित्रोदा ने मिडिल क्लास को स्वार्थी बताया था। तब उन्होंने कहा था कि अगर न्यूनतम आय योजना (ठअ) लागू की जाती है तो टैक्स थोड़ा बढ़ सकता है। ऐसे में मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं होना चाहिए और उसका दिल बड़ा होना चाहिए। बाद में पीएम मोदी ने भी पित्रोदा की टिप्पणी के लिए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया था और आरोप लगाया कि कांग्रेस ज्यादा टैक्स लगाकर मध्यम वर्ग को दंडित करना चाहती है।

सातवां, फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद सैम पित्रोदा ने बालाकोट पर भारतीय वायु सेना द्वारा किए गए जवाबी हवाई हमलों पर सवाल उठाकर भी एक नए विवाद को जन्म दिया था। तब उनकी टिप्पणियों ने आतंकवादी घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया और ऐसे संकटों के लिए उचित कूटनीतिक दृष्टिकोण पर बिल्कुल एक नई बहस छेड़ दी।

इससे साफ है कि राहुल गांधी के गुरू सैम पित्रोदा अपनी अंतर्राष्ट्रीय अहमियत बनाए रखने के लिए यह सब कुछ वो बोलते रहते हैं, ताकि भारत विरोधी पश्चिमी-पूर्वी देशों में उन्हें तवज्जो मिलती रहे। चूंकि वो कांग्रेस का दूसरा शशि थरूर बनना चाहते हैं, इसलिए थरूर भी भाजपा से सॉफ्टकार्नर रखते हैं। ऐसे लोग ही भारत के असली दुश्मन हैं। चूंकि इन जैसों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, इसलिए इनका भविष्य भी उज्ज्वल है, समुज्ज्वल है।

रोजगारपरक शिक्षा से रुकेगा युवाओं का पलायन

विजय गर्ग

भारत को युवाओं का देश कहा जाता है, क्योंकि यहां की आधी आबादी 18 से 35 वर्ष की युवा पीढ़ी वाली है, जो कर्मशील है। लेकिन विडंबना यह है कि इस पीढ़ी को रोजगार की सही गारंटी देने की बजाय, उन्हें केवल बेरोजगारी से जूझने की गारंटी दी जाती है। देश में शॉर्टकट संस्कृति और अनुकंपाओं का बोलबाला है। एक ओर विकास दर के बढ़ने के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और कहा जाता है कि हम सबसे तेज आर्थिक विकास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोगों के पास पर्याप्त रोजगार नहीं है। उनकी उम्मीदें टूट रही हैं।

शिक्षा की डिग्रियां अब कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया से असंबद्ध होती जा रही हैं। आज का युवा खुद को देश की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है। हम एक समानतावादी समाज बनाने का संकल्प लेकर चले थे, लेकिन असमानताएं बढ़ती चली गईं। देश की 90 प्रतिशत संपत्ति मुट्ठीभर लोगों के हाथों में सिमट गई है। यह स्थिति पहले भी सच थी और आज भी वही सच है।

शायद जब हम आजादी के शतकीय महोत्सव पर खुद को एक विकसित राष्ट्र कहेंगे, तब भी यही सच रहेगा। एक ऐसा राष्ट्र, जहां 80 करोड़ से अधिक लोग रियायती अनाज पर निर्भर हैं। ऐसे में सपनों और उम्मीदों से भरा नौजवान अपने देश में अपने भविष्य को खो चुका महसूस करता है। उसे विदेश जाने के सपने ललचाने लगते हैं और वह किसी भी तरीके से, वैध या अवैध, विदेश जाने को तैयार हो जाता है। अमेरिका उनका सबसे आकर्षक गंतव्य बन जाता है। वहां की आय भारतीय मुद्रा में लाखों रुपये बन जाती है, जिससे वह कम से कम वेतन पाकर भी समृद्ध जीवन जीने की उम्मीद करता है। ऐसे में, गांवों में खाली पड़े घर और बुजुर्गों के लिए बनी हवेलियां

बस अकेलेपन और असमर्थता का प्रतीक बन जाती हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अवैध प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों को अमेरिका से निकालने का अभियान शुरू किया, जिसके तहत बिना वैध कागजात वाले भारतीय नागरिकों को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ा। ट्रम्प का नारा 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है।

इमिग्रेशन एजेंटों द्वारा दिखाए गए झूठे सपने अब टूट रहे हैं, क्योंकि इन एजेंटों ने फर्जी अकादमियों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा दिया था। यह पीढ़ी अपने सपनों से निर्वासित होकर एक भटकाव की स्थिति में है। इन युवाओं के भविष्य का निर्धारण केवल भारत में होना चाहिए, जहां उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। पंजाब में अवैध इमिग्रेशन एजेंटों की संख्या भयावह है। यहां पंजीकृत एजेंटों की संख्या महज 212 है, जबकि अधिकांश एजेंट अवैध रूप से काम कर रहे हैं। इसके बावजूद, ट्रैवल एजेंट नए तरीके से युवाओं को विदेश भेजने का झांसा देते हैं, जो उन्हें अवैध रास्तों से, जैसे जंगलों में भटकने, पैदल चलने और लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद सही मंजिल तक नहीं पहुंचने देते। अब अमेरिकी सरकार ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है, जिसके तहत जो लोग बिना कागजात के अमेरिका में प्रवेश करेंगे, उन्हें निकाल बाहर किया जाएगा। यह समस्या केवल युवाओं के लिए नहीं, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी गंभीर है, जो अपने बच्चों को विदेश भेजने के लिए मजबूर होते हैं।

क्या भारत को अपनी युवा पीढ़ी के लिए रियायतें मांगने की आवश्यकता हो गई है? यह एक गंभीर सवाल है। मोदी और ट्रम्प की मैत्री को देखते उम्मीद की जा सकती है कि इन युवाओं को थोड़ी राहत मिल सकेगी। हालांकि, अमेरिका का अपना स्वार्थ भी है। वह भारत के तकनीकी एक्सपर्ट्स, जैसे आईटी पेशेवरों को एच-1बी वीजा के तहत स्वीकार करता है, क्योंकि वह जानता है कि ये लोग उसे डिजिटल, रोबोटिक और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में मदद कर सकते हैं। लेकिन, वह उन मजदूरों या श्रमिकों को नहीं चाहता जो उसके देश के शारीरिक कामकाजी वर्ग के वेतन में सेंध लगाते हैं। यही कारण है कि अमेरिका अवैध प्रवासी भारतीयों के खिलाफ सख्त अभियान चला रहा है। इसे गलत नहीं कहा जा सकता, क्योंकि हर देश का अधिकार है कि वह केवल वैध नागरिकों को अपने देश में रखे। अवैध नागरिक किसी भी देश के कानून और अनुशासन के लिए खतरा बन सकते हैं। विदेशों में रोजगार पाने की चाहत की बजाय, क्या यह समय नहीं है कि हम मेहनती युवाओं के लिए अपने देश में अवसर प्रदान करें?

हमारी आर्थिक नीति को आयात आधारित से निर्यात आधारित बनाना बहुत जरूरी है। इसके लिए लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना आवश्यक है। ऐसे उद्योगों में काम करने के अवसर इन्हीं नौजवानों को मिल सकते हैं। लेकिन इसके लिए केवल निवेश की जरूरत नहीं है, बल्कि शिक्षा प्रणाली में भी व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।

सामाजिक ताना-बाना बिखेर रहे नंगापन और रील्स के परिवेश

डॉ. सत्यवान सौरभ

पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है।

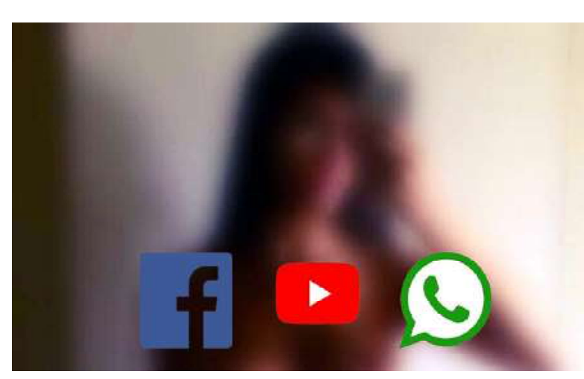

पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है-हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नहीं अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो-तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुगुर्णों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्त्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो में अश्लील, आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो। स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वह भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है कि अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में वासना' को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियाँ पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली-गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

तनावमुक्त रहना है तो रोज करें वृक्षासन

वृक्षासन यानी पेड़ के समान। यह आसन करने से मनुष्य की आकृति पेड़ के समान हो जाती है। यही कारण है कि इसे वृक्षासन कहते हैं।

इस आसन से न सिर्फ शारीरिक रूप से हमें लाभ पहुंचाता है वरन इसके करने से हमें मानसिक सुकून भी मिलता है। जहां एक ओर वृक्षासन से हमारे शरीर के विभिन्न अंग विशेषों को लाभ पहुंचता है, वहीं दूसरी मानसिक तनाव को भी यह आसन दूर रखता है। कहने का मतलब यह कि मानसिक सुकून चाहिए तो वृक्षासन कीजिए। इसके बारे में विस्तार से जानिए।

इस आसन के लाभ

वृक्षासन के असंख्य लाभ है बशर्ते इसे नियमानुसार किया जाए। साथ ही इसकी सावधानियां भी बरती जाएं। योग विशेषज्ञों की मानें तो वृक्षासन सुबह उठकर किया जाए तो इसका हमें फायदा पहुंचता है। इसके नियमित करने से बेडौल शरीर सुडौल बनता है। जिन्हें घुटने के दर्द की शिकायत है, वृक्षासन करने से उन्हें घुटनों के दर्द से मुक्ति मिलती है। यह आसन उन लोगों के लिए खासकर लाभकर है जिन्हें चलने का काम ज्यादा करना पड़ता है। मसलन यदि आप सेल्स पर्सन हैं या किसी कूरिअर कंपनी में काम करते हैं तो इस आसन को अवश्य करें। इसकी एक वजह यह है कि वृक्षासन हमारे पैरों को मजबूती प्रदान करता है।

इतने में ही वृक्षासन की खूबी खत्म नहीं होती। नियमित वृक्षासन करने से हमारी एकाग्र क्षमता बढ़ती है। एकाग्र क्षमता जो कि हमारे याद्दश्त की बेहतर होने की निशानी है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा दौर में बेहतर करिअर, बेहतर सम्बंध आदि के लिए बेहतर याद्दश्त कितनी जरूरी है। यह आसन सिर्फ पुरुष करें, ऐसा जरूरी नहीं है। इस आसन में घर की महिलाएं और बच्चों को भी भाग लेना चाहिए।

वृक्षासन पैरों को मजबूत तो बनाता ही है। साथ ही यह स्नायुमण्डल का विकास कर पैरों को स्थिरता प्रदान करता है। यह कमर और कूल्हों के आसपास जमी अतिरिक्त चर्बी को हटाता है। मतलब यह है कि अगर आपका वजन ज्यादा है यानी आप मोटे हैं तो यह आसन आपको विशेष रूप से लाभ पहुंचा सकता है। चर्बी घटाने के बाद यह आसन शरीर को कमजोर नहीं करता वरन मजबूती देता है। अगर आप अपनी बढ़ती तोंद से परेशान हैं तो इस आसन को अवश्य करें।

कैसे करें यह आसन

सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े रहें। फिर हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए सीधा कर हथेलियों को मिला दें।

अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए उसके तलवे को बाईं जांघ पर टिका दें। बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए हथेलियां, सिर और कंधे एक ही सीध में हों। जब तक संभव हो ऐसे रहें। कुछ देर बाद अन्य पैर से भी यह दोहराएं।

बरतें सावधानी

हमेशा यह ध्यान रखें कि आसन करने से पहले किसी विशेषज्ञ की राय अवश्य लें। यदि आप स्वयं वृक्षासन कर रहें हैं तो आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसकी एक वजह यह है कि अगर आप वृक्षासन सही से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि आसन को सकारात्मक असर की बजाय नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। इसे नियम, समय और सही तरीके का हमेशा ख्याल रखें। यूं तो वृक्षासन सबके लिए हितकर है। लेकिन यह जानना आवश्यक है कि वृक्षासन से किन लोगों को दूरी बनाए रखनी चाहिए। अगर आपको नींद से सम्बंधित कोई शिकायत है या अनिद्रा का रोग है तो इस आसन को न करें। सिरदर्द भी इसे न करने की एक ठोस वजह है। नियमित सिरदर्द की शिकायत वालों को यह आसन तनावमुक्त करने की बजाय तनाव से भर देगा। ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी वृक्षासन नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक दवाएं खो रहीं अपना असर

बीमारी से जल्द ठीक होने के लिए लोग एंटीबायोटिक्स दवाओं को इस्तेमाल धड़ल्ले से करते हैं। लेकिन अब एंटीबायोटिक दवाओं के असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज के समय में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक नई समस्या के रूप में उभर रहा है। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वह स्थिति है जिसमें कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर लेता है।

मोटापा कमजोर कर सकता है बच्चों की हड्डियां

एक नए अध्ययन से पता चला है कि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा एक्सट्रा फैट मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही फैट बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए।

बढ़ रहा है बांझपन

आजकल बदलती जीवनशैली ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं बहुत सी समस्याओं को भी जन्म दिया है। ऐसी ही समस्याओं की सूची में से एक है इन्फर्टिलिटी। हालांकि इन्फर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है। खान-पान ,नौकरियों और रहन सहन में आये बदलाव ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं कहीं ना कहीं हमारी समस्याएं भी बढ़ाई है ।

शारीरिक समस्याओं का सामना

मीडिया, काल सेंटर जैसी नौकरियों में समय की कोई बाध्यता ना होने के कारण व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय से ना सोने और जगने से अनिद्रा, डिप्रेशन जैसी समस्याएं होना बहुत ही आम है। इन्हीं समस्याओं की सूची में से एक है 'इन्फर्टिलिटी'। हालांकि इन्फर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है।

शहरी वातावरण में बढ़ते प्रदूषण और टाक्सिन ने 45 से 48 प्रतिशत इन्फर्टिलिटी के मामले बढ़ा दिए हैं। जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतें भी अप्रत्यक्ष रूप से इन्फर्टिलिटी की जिम्मेदार हैं। पेस्टिसाइड और प्लास्टिक का खानपान के दौरान हमारी फूड चेन में आना हार्मोन के स्तर को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कैरालिना, चैपल हिल के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि वो महिलाएं जो नाइट शिफ्ट में काम करती हैं उनमें समय से पहले प्रसव की सम्भावना रहती है । बढ़ती इन्फर्टिलिटी के कुछ प्रमुख कारण है

अधिक उम्र में विवाह

आज तरक्की और सफलता की चाह में पुरुष और महिला कम उम्र में विवाह नहीं करना चाहते । विवाह के अधिक उम्र में होने पर बच्चे के बारे में सोचने में भी उन्हें समय लग जाता है। महिलाएं भी आज ज्यादा आत्मनिर्भर होने लगी हैं और वो कम उम्र में बच्चा नहीं चाहती ।अधिक उम्र में विवाह होने से स्त्रियों में ओवम की क्वालिटी प्रभावित होती है और इन्हीं कारणों से उनमें इन्फर्टिलिटी की सम्भावना भी बढ़ जाती है। दूसरे कारण जो आजकल अधिकांश स्त्रियों में पाये जा रहे हैं वो हैं फाइब्रायड का बनना, एन्डोमैट्रियम से सम्बन्धी समस्याएं। उम्र के बढ़ने के कारण हाइपरटेंशन जैसी दूसरी समस्याएं भी आ जाती हैं और इनके कारण महिलाओं में फर्टिलिटी प्रभावित होती है ।

काम का दबाव

काम के दबाव के कारण व्यायाम का समय निकालना हर किसी के लिए बहुत मुश्किल होता है । काल सेन्टर और मीडिया की नौकरी में समय की बाध्यता ना होने के कारण काम का दबाव और प्रतियोगिता भी दिनों दिन बढ़ती जा रही है । इन कारणों से पूरी नींद ना सो पाना भी बहुत से लोगों में आम है। हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल का कहना है कि आज हमारे जीवन में रिप्रोडक्शन से ज्यादा जरूरी हो गयी है हमारी तरक्की और इसी कारण से हमारा ध्यान घर से ज्यादा अफिस के कामों में लगा रहता है। अधिक समय तक काम करने के बाद आफिस से थककर घर आने के बाद अधिकतर कपल्स में सेक्स की इच्छा में भी कमी हो जाती है।

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड का इस्तेमाल

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड के इस्तेमाल से सीमेन की गुणवत्ता खराब हो जाती है। धूम्रपान से स्पर्म की गिनती और गतिशीलता कम होती है और यह होने वाले बच्चे में आनुवांशिक तौर पर बदलाव भी कर सकता है । इसी प्रकार से अल्कोहल भी टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करता है। किसी प्रकार की दवाओं या ड्रग्स के गलत तरीके से इस्तेमाल के कारण भी इन्फर्टिलिटी हो सकती है। स्टेरायड जैसे हार्मोन हमारे शरीर के हार्मोन के स्तर में बदलाव लाते हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। बीमारी होने पर भी चिकित्सक की सलाहनुसार ही दवाएं लेनी चाहिए। हम कह सकते है कि विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है और बहुत सी बीमारियों के उपचार भी ढूंढ निकाले हैं लेकिन इनफर्टिलिटी जैसी समस्या से निदान पाना कई स्थितियों में बहुत मुश्किल हो जाता है और कभी कभी नामुमकिन। इनफर्टिलिटी के बहुत से कारक हो सकते हैं, लेकिन ऐसी समस्या पर समय पर ध्यान देकर आप मातृत्व और पैतृत्व का सुख उठा सकते हैं अधिक उम्र में विवाह होने पर चिकित्सक का परामर्श लें। अगर आप विवाह के तुरंत बाद बच्चा नहीं चाहते, तो भी चिकित्सक से सम्पर्क करें।

- शराब, सिग्रेट, कोकीन जैसे मादक पदार्थों से दूर रहें।
- अस्वस्थ सेक्सुअल आदतों से बचें।
- स्वस्थ आहार लें और आफिस के बाद सैर पर जाएं या प्रतिदिन व्यायाम के लिए कुछ समय जरूर निकालें।

स्वास्थ्य समस्याएं

हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं जिन्हें कि बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था । आज यह युवाओं में भी बहुत आम हो गयी हैं और इनका प्रभाव व्यक्ति की सेक्सुअल लाइफ पर भी पड़ता है । हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश कन्सल जीवनशैली में बदलाव को इन्फर्टिलिटी का कारक मानती हैं । डायबिटीज, पी सी ओ डी (पालीसिस्टमिक ओवरियन डिजीज) के कारण महिलाओं में बहुत सी बीमारियां आम हो गयी हैं । 60 से 70 प्रतिशत महिलाओं में ओवुलेशन की क्रिया ही नहीं होती ।

वजन का बढ़ना और व्यायाम की कमी के कारण भी सही मात्रा में हार्मोन नहीं बन पाते। बचपन से ही लोगों में कंप्यूटर और लैपटाप पर बैठना आम है और यह कारण भी कहीं ना कहीं इन्फर्टिलिटी के जिम्मेदार होते हैं।

क्या है सर्दियों में जोड़ों के दर्द का तोड़

जोड़ों का दर्द यानी ज्वाइंट पेन की समस्या आजकल आम होती जा रही है। इस समस्या से परेशान लोगों की मुश्किलें सर्दी के मौसम में और भी बढ़ जाती हैं। पढ़े ऐसे लोगों के लिए क्या-क्या सावधानियां जरूरी हैं।

अमूमन देखा गया है कि सर्दियों में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग पहले से ही इस समस्या से गुजर रहे होते हैं या कहें कि आर्थराइटिस या गठिया के मरीजों में अक्सर ठंड के मौसम में यह समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में हमारी रक्त नलियां संकुचित हो जाती हैं, इसलिए जोड़ों का दर्द बढ़ा हुआ जान पड़ता है।

हालांकि इससे कोई नई समस्या पैदा नहीं होती। जिन लोगों में ऐसी कोई समस्या पहले से ही होती है, लेकिन वे इसकी जांच नहीं कराते और इसे दरकिनार करते रहते हैं, उन्हें ठंड के मौसम में ज्यादा परेशानी होने लगती है। इसके अलावा इस मौसम में अधिक उम्र के लोगों, खासकर जिन्होंने पहले घुटने का रिप्लेसमेंट करवाया हो, को जानकारी के अभाव में इस दर्द से दो-चार होना पड़ता है।

ऐसे पहचानें

अगर रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही हो, 10 से 15 मिनट चलने के बाद दर्द शुरू हो जाता हो, घुटनों के आसपास सूजन आ रही है तो समझ लें कि जोड़ों की समस्या है। तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

क्या हैं कारण

आज की तनाव भरी जीवनशैली, सूरज की किरणें न मिल पाना, खाने-पीने में कैल्शियम की प्रचुर मात्रा न होना, नियमित रूप से व्यायाम न करना और शरीर को आवश्यक विटामिन डी-3 उपलब्ध न करा पाना आदि सामान्यतः जोड़ों में दर्द की समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं। हालांकि कई बार युरिन की परेशानी भी इसका कारण हो सकती है। महिलाओं में हारमोनल डिस्टर्बेंस, मासिक धर्म, मेनोपॉज और तनाव इसका बड़ा कारण माने जाते हैं।

जांच है आसान

एक्सरे, एमआरआई और रक्त की जांच से इसके वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सकता है।

क्या करें

- जोड़ों को खुली हवा से बचा कर रखें। गर्म या ऊनी कपड़े पहने रहें।
- नियमित रूप से व्यायाम करना न भूलें। व्यायाम से शरीर में रक्त का संचार व्यवस्थित होता है, जिससे शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद मिलती है।
- खाने में कैल्शियम, प्रोटीन्स और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में शामिल करें।

समस्या को पहचानें

ज्वाइंट पेन का मतलब आर्थराइटिस नहीं होता। 35 साल की उम्र के बाद जोड़ों की समस्या होना सामान्य है। नी-पेन मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से भी हो सकता है।

क्या करें

- दर्द बढ़ता जा रहा हो तो फौरन ऑर्थोपेडिक्स की सलाह लें। हालांकि फिजियोथेरेपिस्ट भी एक्सरे और एमआरआई देख कर दर्द का कारण समझ लेते हैं।
- यदि गठिया की समस्या नजर आती है तो हड्डी विशेषज्ञ उसका सही इलाज करते हैं। फिजियोथेरेपिस्ट से सही तरह से व्यायाम करने की जानकारी लेना जरूरी हो जाता है।
- फिजियोथेरेपिस्ट व्यायाम के जरिए आपकी मांसपेशियों की स्टिफनेस को दूर करते हैं और कमजोर हो रही मांसपेशियों को व्यायाम के जरिए मजबूत बनाए रखते हैं

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गई। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इन्हें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिनहें आप सर्दीयों के मौसम में भी पहन सकती है। दिन की नरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते है पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकते है। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैराइटीज है जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती है।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागे से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये आपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू है जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देते है।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए है। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वुलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। चांग योंग यो(67) नाम की महिला ने कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास! सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदान में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

रेसिपी

पालक मेथी ना मुठीया

सामग्री

2 कप बारीक कटी हुई पालक, 1 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 4 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून सूजी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 2 चुटकी बेकिंग सोडा, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 1/4 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 1/4 टी-स्पून हींग

विधि

पालक, मेथी और थोड़े नमक को एक प्लेट में डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगभग 5 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। सारा पानी नीचोड़कर पालक और मेथी को एक बाउल में रख दें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, गेहूं का आटा, बेसन, सूजी, जीरा, बेकिंग सोडा, शक्कर, नमक और 1 टी-स्पून तेल डालकर, बहुत ही नरम आटा गूंथ लें। अपने हाथों में 1/4 टी-स्पून तेल लगाकर आटे को 4 बराबर भाग में बांट लें। प्रत्येक भाग का लगभग 150 मिमी के लंबे और 25 मिमी व्यास के गोल आकार में रोल कर लें। रोल्स को तेल से चुपड़ी छन्नी में रखकर, स्टीमर में 20-25 मिनट के लिए स्टीम कर लें। निकालकर हल्का ठंडा कर लें और 12 मिमी के स्लाईस में काटकर एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक गहरे पॅन में बचे हुए 1 टी-स्पून तेल को गरम करें और सरसों और तिल डालें। जब बीज चटकने लगें, हींग डालकर 15 सेकन्ड के लिए भुन लें। स्लाईस्ड मुठीया डालकर हल्के हाथों मिला लें और धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए या हल्का सुनहरा होने तक भुन लें। हरी चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

पोहा ढोकला

सामग्री

1/2 कप जाड़ा पोहा, 1/2 कप सूजी,1 कप दही, 1 टी-स्पून हरी मिर्च की पेस्ट, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, एक चुटकी हिंग, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, परोसने के लिए, ग्रीन चटनी

विधि

दही और 1 कप पानी को गहरे बर्तन में डालकर अच्छे से मिलाइए। अब उसमे सूजी, जाड़ा पोहा, हरी मिर्च की पेस्ट और नमक डालकर अच्छे से मिलाइए और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दिजिए। ढोकला बनाने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट और 2 टी-स्पून पानी ऊपर से डालिए। जब बुलबुले आना शुरू हो, तब मिश्रण को धीरे से मिलाइए। अब 175 mm व्यास की चुपड़ी हुई थाली में मिश्रण डालकर उसे एकसमान फैलाइए। अब स्टिमर में 10 से 12 मिनट या ढोकला पकने तक स्टिम करें और एक तरफ रख दीजिए। एक छोटा पॅन में तेल गरम करें और उसमे सरसों डाले। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे हिंग डालिए। मध्यम आंच पर कुछ सेकंड भुनिए और इस तड़के को ढोकले के ऊपर फैलाइए। थोड़ा ठंडा होने के लिए एक तरफ रखिए और चौकोर आकार में समान काटकर ऊपरसे धनिया डालकर सजाइए।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में :लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में :लगातार दूसरे दिन कोई उतार-चढ़ाव नहीं हुआ है। सोना :300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। :की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये से लेकर 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना :79,710 रुपये से लेकर 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में :भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना :87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी :सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना :86,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

स्पोर्टी और प्रीमियम लुक के साथ इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन7 भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता बीवायडी ने भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सेलियोन 7 लॉन्च कर दी है। यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी दो वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी। प्रीमियम वेरिएंट की कीमत 48.9 लाख रुपए और टॉप-स्पेक परफॉर्मेंस वेरिएंट की कीमत 54.9 लाख रुपए एक्स-शोरूम रखी है। कंपनी ने कहा कि सेलियोन 7 की पहली 70 यूनिट्स की डिलीवरी 7 मार्च 2025 से शुरू होगी। सेलियोन 7 का डिजाइन इसे एक स्पोर्टी और प्रीमियम लुक देती है। इसमें प्रीमियम वेरिएंट के लिए 19-इंच और परफॉर्मेंस वेरिएंट के लिए 20-इंच अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। यह एसयूवी अटलांटिस ग्रे, ऑरोरा व्हाइट, कॉसमॉस ब्लैक और शार्क ग्रे जैसे चार रंगों में बाजार में आएगी। केबिन में 15.6-इंच का रोटेटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक ग्लास रूफ और वायरलेस चार्जिंग जैसी आधुनिक सुविधा से लैस है। सेफ्टी के लिहाज से सेलियोन 7 में 11 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन, फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग, इमरजेंसी ब्रेकिंग और इंटेलिजेंट क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस एसयूवी में 82.56 केडब्ल्यूएसच एलएफपी बैटरी पैक है, जो 482 किमी की डब्ल्यूएलटीपी-प्रमाणित रेंज प्रदान करता है। परफॉर्मेंस वेरिएंट में 530एचपी की पावर और 690एनएम का टॉर्क मिलता है, जिससे यह 4.5 सेकंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती है।

बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी लोकप्रिय बाइक 390 ड्यूक की कीमत में 18,000 रुपये तक की कटौती कर दी है। इससे पहले केटीएम 390 ड्यूक की एक्स-शोरूम कीमत 3.13 लाख रुपये थी, लेकिन अब इसे 2.95 लाख रुपये में खरीदा जा सकता है। अगर आप 2025 में इस बाइक को खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह आपके लिए एक बेहतरीन मौका हो सकता है। इस बाइक में 399सीसी का एलसी4सी इंजन दिया गया है, जो 46 पीएस की पावर और 39एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच, राइड-बाय-वायर तकनीक और 6-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है। केटीएम 390 ड्यूक में मोटरसाइकिल ट्रैक्शन कंट्रोल, स्ट्रीट और रेन राइडिंग मोड्स, लॉन्च कंट्रोल, क्विक शिफ्टर प्लस, सुपरमोटो एबीएस, कॉर्नरिंग एबीएस और ट्रैक स्क्रीन जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इस बाइक का सीधा मुकाबला ट्रंफ स्पीड, हार्ले डेविडसन 440एक्स, हीरो मावरिक 440, कावासाकी निंजा 400 और बजाज डोमिनार 400 से है।

कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को कर दिया 6 एयरबैग से लैस

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा को 6 एयरबैग से लैस कर दिया है। इसके अलावा सभी सीटों के लिए 3 पॉइंट ईएलआर सीटबेल्ट, फ्रंट सीटबेल्ट के लिए शोल्डर हाइट एडजस्टमेंट और एडजस्टेबल रियर हेडरेस्ट जैसे मानक सुरक्षा फीचर्स भी दिए गए हैं। 2025 ब्रेजा में अब सभी वेरिएंट्स में फ्रंट ड्राइवर और पैसेंजर एयरबैग, 2 साइड एयरबैग और 2 कर्टेन एयरबैग जैसे प्रमुख सुरक्षा फीचर्स शामिल होंगे। हालांकि, सुरक्षा फीचर्स में इस वृद्धि के साथ-साथ ब्रेजा की कीमत में भी इजाफा हुआ है। अब इस एसयूवी की कीमत 8.69 लाख रुपये से शुरू होकर 13.98 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हो गई है। पहले इसकी शुरुआती कीमत 8.34 लाख रुपये थी। ब्रेजा में अब स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर कप होल्डर के साथ फोल्डिंग रियर सेंटर आर्मरेस्ट भी शामिल किया गया है, जो इस अपडेटेड मॉडल को और आकर्षक बनाता है। जहां तक इंजन की बात है, ब्रेजा में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध रहेगा। सीएनजी वेरिएंट में यह इंजन 87 बीएचपी और 121.5 एनएम टॉर्क देगा। मारुति ने इस कदम के साथ अन्य कंपनियों के दबाव को ध्यान में रखते हुए अपने ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान की है इसमें 1.5-लीटर के15सी नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 102 बीएचपी और 139 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में किए बदलाव असेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बदलाव करते हुए असेट मैनेजमेंट कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को समय सीमा में ही निवेश करें। साथ ही रेगुलेटर ने निवेशकों को ज्यादा पारदर्शिता देने के लिए म्यूचुअल फंड स्कीम्स के स्ट्रेस टेस्टिंग की जानकारी देने को भी कहा है। ये बदलाव 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इसका मकसद म्यूचुअल फंड्स के लिए कामकाज में लचीलापन लाना और निवेशकों के बीच जवाबदेही और भरोसा तय करना है।

सेबी ने 14 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि एनएफओ में मिली राशि का इस्तेमाल तय समयसीमा में किया जाएगा। इस बारे में बोर्ड समय-समय पर निर्देश जारी कर सकता है। यह बदलाव सेबी बोर्ड द्वारा दिसंबर में एक प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। इसमें फंड मैनेजरों को एनएफओ के दौरान इकट्ठा की गई रकम को स्कीम के तय असेट एलोकेशन के मुताबिक 30 दिनों में निवेश करने को कहा था।

रेगुलेटर ने कहा था कि अगर तय समय सीमा में पैसा निवेश नहीं किया जाता है, तो निवेशकों को बिना एग्जिट लोड चुकाए स्कीम से बाहर निकलने का विकल्प होगा। ये बदलाव एएमसीएस को एनएफओ के दौरान ज्यादा पैसा इकट्ठा करने से रोकता है। इसकी वजह ये है कि निवेशक बाद में मौजूदा नेट असेट वैल्यू (एनएवी) पर ओपन-एंडेड स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। असेट मैनेजमेंट कंपनियों के कर्मचारियों के लिए काम करने में आसानी के लिए भी सेबी ने कदम उठाए हैं। सेबी का कहना है कि एएमसी ऐसे कर्मचारियों के वेतन का एक फीसदी म्यूचुअल फंड स्कीम की यूनिट में निवेश करेगा। यह कर्मचारियों के पोस्ट या भूमिका के आधार पर होगा।

फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन किया लॉन्च

नई दिल्ली। फिनटेक मेजर फोनपे ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लिए डिवाइस टोकनाइजेशन सॉल्यूशन लॉन्च करने का ऐलान किया है। इस लॉन्च के साथ यूजर्स फोनपे ऐप पर अपने कार्ड को टोकनाइज कर सकेंगे। फोनपे यूजर्स बिल पेमेंट, रिचार्ज, ट्रैवल टिकट बुकिंग, बीमा खरीदना, पिनकोड पर पेमेंट कार्ड के जरिए कर सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन मर्चेंट जहां फोनपे पेमेंट गेटवे सर्विस इंटीग्रेट है, वहां भी कार्ड टोकनाइज किया जा सकेगा। फोनपे के सह-संस्थापक और सीटीओ ने कहा कि यह लॉन्च डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित और सहज बनाने की दिशा में अच्छा कदम साबित होगा। कार्ड पेमेंट नेटवर्क के साथ इंटीग्रेट कर और सभी फोनपे पीजी व्यापारियों को डिवाइस टोकनाइज्ड कार्ड तक पहुंच सक्षम कर इस पेशकश का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि फोनपे में हमने हमेशा ऐसे इनोवेटिव सॉल्यूशन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है, जो ग्राहकों के विश्वास और सुविधा को बढ़ाते हैं। बिजनेस और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लेन-देन को सुरक्षित, तेज और बाधा रहित बनाते हैं। कंपनी के मुताबिक उपभोक्ताओं के लिए कार्ड को टोकनाइज करने से कई लाभ हैं। फोनपे ग्राहकों को अब मर्चेंट प्लेटफॉर्म पर अपने कार्ड की डिटेल्स सेव या हर ट्रांजैक्शन के लिए सीवीवी एंटर करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे सक्सेस रेट ज्यादा होगा और चेकआउट के समय कम ड्रॉप-ऑफ होंगे। डिवाइस से सुरक्षित रूप से जुड़े टोकनाइज किए गए कार्ड के साथ चोरी या लीक हुए कार्ड डिटेल से धोखाधड़ी का जोखिम भी काफी कम हो जाता है, जिससे उपभोक्ताओं को सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मिलता है और ऑनलाइन पेमेंट में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ता है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब सोलर पैनल और बैटरी बनाने लगाएगी प्लांट

नई दिल्ली

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अब रिन्यूएबल एनर्जी यानी सौर और पवन ऊर्जा से जुड़े उपकरण बनाएगी। इससे कंपनी का विस्तार होगा। इस नए काम को संभालने के लिए इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को सीईओ बनाया गया है। इवान साहा रिन्यूएबल मैन्युफैक्चरिंग के सीईओ होंगे। वहीं मुश्ताक हुसैन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के सीईओ होंगे।

कंपनी का काम संभालने इवान साहा और मुश्ताक हुसैन को बनाया सीईओ

सूत्रों ने बताया कि आरइंफ्रा रिन्यूएबल एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में रणनीतिक रूप से प्रवेश कर रही है। कंपनी अपनी रणनीति के साथ इस क्षेत्र में कदम रख रही है। कंपनी ऐसा प्लांट लगाएगी जहां सोलर पैनल और दूसरे जरूरी उपकरण बनाए जाएंगे। इससे भारत में सोलर पैनल का प्रोडक्शन बढ़ेगा। सोलर मैन्युफैक्चरिंग का काम इवान साहा देखेंगे। उन्हें सेमीकंडक्टर और सोलर टेक्नोलॉजी में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। वह विक्रम सोलर और रिन्यू पावर जैसी बड़ी कंपनियों में काम कर चुके हैं।

आरइंफ्रा बैटरी का निर्माण भी करेगा। ये बैटरी बिजली स्टोर करने के काम आएगी। इनका इस्तेमाल बिजली ग्रिड और इलेक्ट्रिक गाड़ियों में होगा। मुश्ताक हुसैन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग का काम देखेंगे। उन्हें ऑटोमोबाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पावर टूल्स के क्षेत्र में 25 साल से ज्यादा का अनुभव है। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और टेस्ला जैसी बड़ी कंपनियों में अहम पदों पर रह चुके हैं।

कंपनी के इस फैसले के साथ ही इसके शेयर में कुछ तेजी आई है। मंगलवार को रिलायंस कंपनी के शेयर 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ 248.80 रुपए पर बंद हुए। कई दिनों बाद कंपनी के शेयर में तेजी देखी गई। सोमवार को यह 244.65 रुपए पर बंद हुआ और मंगलवार को 248.30 रुपए पर खुला था।

कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो

टोरंटो में कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो में लोग लेगो टेक्निक मैकलरेन पी वन सुपरकार को देखते हुए। ये कार लेगो तकनीक से लैस है।

भारत में लॉन्च हुई अप्रिला टुयनो पॉवरफुल बाइक, प्राइज 3.95 लाख रुपए

नई दिल्ली

इटालियन बाइक निर्माता अप्रिला ने भारत के बाजार में अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक टुयनो 457 लॉन्च की है। इस बाइक को बॉलीवुड अभिनेता और कंपनी के ब्रांड एंबेसडर जॉन अब्राहम ने पेश की है। इसकी एक्स-शोरूम प्राइज 3.95 लाख रुपए रखी गई है। ग्राहक बाइक को 10हजार रुपये की टोकन मनी के साथ ऑनलाइन या डीलरशिप के जरिए बुक कर सकते हैं। कंपनी के मुताबिक इसकी डिलीवरी मार्च 2025 से शुरू होगी। अप्रिला टुयनो 457 में 457सीसी का पैरलल ट्विन डीओएचसी 4वी लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 47.6 बीएचपी की पावर और 43.5 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें यूएसडी टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क और रियर में मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है, जो बेहतरीन हैंडलिंग और कंफर्ट सुनिश्चित करता है। बाइक में एडवांस फीचर्स दिए हैं, जिनमें फुल एलईडी लाइट्स, टू-चैनल एबीएस के साथ ड्यूल मैपिंग, 17-इंच अलॉय व्हील्स, राइड-बाय-वायर सिस्टम, ट्रैक्शन कंट्रोल और क्विक शिफ्टर शामिल हैं। इसके अलावा, इसमें ईको, स्पोर्ट्स और रेन जैसे तीन राइडिंग मोड्स भी दिए गए हैं। डिजिटल डिस्प्ले के लिए 5-इंच टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मौजूद है। भारतीय बाजार में इस बाइक का मुकाबला केटीएम ड्यूक 390, ट्रॉयमपीएच स्पीड 400, हार्ले डेविसन एक्स440 और हीरो मावरिक 440 जैसी दमदार बाइक्स से होगा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से :मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी :मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी :मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

सोमवार को प्रेसिडेंट डे की छुट्टी के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में खरीदारी का रुख बना रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.24 प्रतिशत उछल कर 6,129.58 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 20,032.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स :फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,592.74 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 8,766.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,206.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,844.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में :मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 173.61 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,096.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 22,911.62 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 23,630.19 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 6,842.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,006.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,929.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने :बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.92 प्रतिशत उछल कर 2,677.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,260.95 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,342.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार खेलेंगे दस भारतीय खिलाड़ी

मुम्बई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इस बार भारतीय टीम में पिछली बार के केवल 5 ही खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में इस बार करीब एक दस खिलाड़ियों को भारतीय टीम की ओर से डेब्यू का अवसर मिल सकता है।

इस बार कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा सारे ही नए खिलाड़ी हैं। यशस्वी जायसवाल और जसप्रीत बुमराह के संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर होने के कारण वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा को अवसर मिला है साल 2017 में आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी को खेला गया था। अब 8 साल बाद इस आईसीसी टूर्नामेंट की वापसी होने जा रही है। पिछली बार पाकिस्तान ने भारत को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था। तब से अब तक आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन नहीं किया है। अब एक बार फिर से इस मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इतने लंबे अंतराल में कई भारतीय खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ टीम में जगह नहीं बना पाए। भारतीय दल में शामिल 15 में से 5 खिलाड़ियों ने ही चैंपियंस ट्रॉफी खेला है.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम में 10 खिलाड़ी पहली बार खेलेंगे। इसमें शुभमन गिल (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। उप कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा का खेलना तो पक्का माना जा रहा है। वहीं ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना थोड़ा मुश्किल है।

टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूज़ ब्रीफ

वॉलीबॉल नेशंस लीग फाइनल 2025 की मेजबानी करेगा निंगबो

जिनेवा। पूर्वी चीन का निंगबो इस गर्मी में 2025 वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) पुरुष फाइनल की मेजबानी करेगा।- इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन (एफआईवीबी) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। निंगबो बेइलुन स्पोर्ट्स एंड आर्ट्स सेंटर 30 जुलाई से 3 अगस्त तक कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जबकि महिलाओं का फाइनल 23 से 27 जुलाई तक पोलैंड के लॉड्ज में होगा। एफआईवीबी के अनुसार, हांगकांग और मकाओ ने 2024 में महिला वीएनएल के प्रत्येक दौर की मेजबानी की, 268 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया और चीन सेंट्रल टेलीविजन पर 168 घंटे का लाइव प्रसारण किया। एफआईवीबी ने यह भी कहा कि वीएनएल 2024 में चीन में दूसरा सबसे बड़ा खेल प्रसारण था, जिसकी अधिकतम दर्शक संख्या 23.6 मिलियन तक पहुंच गई थी। एफआईवीबी ने घोषणा की कि 2024 में वीएनएल ने वैश्विक स्तर पर उपस्थिति में 13 प्रतिशत की वृद्धि देखी।

मैक्सवेल विफल हुए तो ऑस्ट्रेलिया होगी बाहर : वॉन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि अगर ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल इस बार असफल रहे तो ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएगी। वॉन के अनुसार मिशेल स्टार्क, नियमित कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही कमजोर है। ऐसे में नये गेंदबाजों के लिए पाकिस्तान और दुबई में बल्लेबाजों को रोकना कठिन होगा। कमिंस और हेजलवुड चोटों के कारण बाहर हो गए, जबकि स्टार्क ने निजी कारणों से टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया। वॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। मिचेल स्टार्क टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कमिंस और जोश हेजलवुड भी नहीं हैं। उनका मुख्य तेज गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान और दुबई में नहीं होगा। ऐसा लगता है कि यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत बड़ा झटका है। वॉन ने स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाना सही फैसला है। साथ ही कहा कि सभी कप्तानों में से स्मिथ रणनीतिक तौर पर देखा जाये तो किसी भी अन्य कप्तान की तरह ही अच्छे हैं। हालांकि, तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के गायब होने के कारण स्मिथ को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उनके अनुसार मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श के टीम में नहीं होने से भी मैक्सवेल पर दबाव रहेगा। स्टोइनिस ने कुछ हफ्ते पहले ही एकदिवसीय से संन्यास की घोषणा की जबकि मार्श घायल हो गए थे। वॉन के अनुसार, मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऐसे खिलाड़ी होंगे जिन पर सबकी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि ग्लेन मैक्सवेल और स्पिनर एडम जम्पा ऑस्ट्रेलिया के मुख्य खिलाड़ी होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत कुछ मैक्सवेल के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

ब्राजीलियन क्लब बोटाफोगो जाने के लिए तैयार पुर्तगाली कोच माटोस

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियन क्लब बोटाफोगो ने पुर्तगाली प्रबंधक वास्को माटोस को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त करने का समझौता कर लिया है। 44 वर्षीय माटोस ने दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति जताई है, जो दिसंबर 2026 तक चलेगा। स्थानीय समाचार आउटलेट ओ ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, रियो डी जनेरियो स्थित क्लब ने पुर्तगाल की शीर्ष लीग टीम सांता क्लारा के साथ माटोस के अनुबंध में रिलीज क्लॉज को सक्रिय करने के लिए 1 मिलियन यूरो का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा से पहले कुछ प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जानी बाकी हैं। बोटाफोगो इस साल की शुरुआत से बिना स्थायी मैनेजर के था, जब पूर्व कोच अर्तुर जॉर्ज ने जनवरी में कतर क्लब अल-रेयान का दामन थाम लिया था। तब से टीम की जिम्मेदारी क्लाउडियो कैकापा को अंतरिम कोच के रूप में सौंपी गई थी। कैकापा अब फिर से अपनी पिछली सहायक कोच की भूमिका में लौट सकते हैं।

हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करने उतरेगी मुम्बई सिटी एफसी

हैदराबाद

मुम्बई सिटी एफसी बुधवार शाम यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो आइलैंडर्स का लक्ष्य हैदराबाद एफसी पर लीग डबल पूरा करना होगा, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को रिवर्स फिक्स्चर 1-0 से जीता था। वहीं, मेजबान टीम अपने घर में लगातार तीसरी जीत हासिल करना चाहेगी, क्योंकि उसने अपने पिछले दो घरेलू मुकाबलों में जमशेदपुर एफसी को 3-2 से और मोहम्मडन एससी को 3-1 से हराया था।

मुम्बई सिटी 20 मैचों में आठ जीत, सात ड्रा और पांच हार से 31 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है। उसने पिछले पांच मैचों में दो जीते, दो ड्रा खेले और एक हार हारा है। हैदराबाद एफसी 20 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और 12 हार से 16 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में 12वें स्थान पर है। उसने अपने पिछले चार मैचों में दो जीते हैं।

हैदराबाद ने आईएसएल 2024-25 में हैडर से नौ गोल खाए हैं, जो संयुक्त सबसे अधिक है। उसने सबसे कम क्लीन शीट (2) रखी हैं, और सभी 13 टीमों में सबसे अधिक गोल (41) खाए हैं।

रामलुंचुंगा ने इस सत्र के दौरान फाइनल थर्ड में 17 बार कब्जा जीता है, जो सभी भारतीय खिलाड़ियों में सबसे अधिक है। उन्होंने एक गोल किया, तीन असिस्ट किए हैं, और विपक्षी बॉक्स के अंदर 25 टच दर्ज किए हैं।

मुम्बई ने अपने कुल पास का 27.5प्रतिशत (कुल 9,104 पास में से 2,502) डिफेंसिव थर्ड में बनाया है, जो 94.6प्रतिशत सटीकता के साथ लीग में सबसे ज्यादा है।

हैदराबाद के अंतरिम मुख्य कोच शमील चेम्बकथ ने आगामी मैच के लिए अपनी टीम की संभावनाओं पर बात की।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच पर ध्यान लगा रहे हैं। हमने कड़ी ट्रेनिंग की है और घरेलू मैदान पर सकारात्मक प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेट्की ने कहा कि मुम्बई सिटी में माकूल नतीजे पाने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों में क्षमता है और इसने हमें पूरे सत्र में महत्वपूर्ण अंक जीतने में मदद की है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम तालिका में यथासंभव उच्च स्थान पर पहुंचने की कोशिश करें।

आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हैं। मुम्बई सिटी एफसी ने चार बार जीत हासिल की है जबकि हैदराबाद एफसी ने दो मैच जीते हैं। पांच मुकाबले ड्रा रहे हैं।

डीविलियर्स के नाम हैं कई रिकार्ड

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डीविलियर्स अपने आक्रामक क्रिकेट के कारण जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी तेज पारियों से कई बड़े रिकार्ड कायम किये हैं जिन्हें तोड़ना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा। इसए बल्लेबाज ने एक से बढ़कर एक ऐसे शॉट लगाये जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। डीविलियर्स के नाम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड उन्होंने एक दशक पहले बनाया था जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। उन्होंने 16 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया था। डीविलियर्स ने साल 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 16 बॉल पर ये रिकार्ड बनाया था। उन्होंने तब श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड को तोड़ा था। जयसूर्या ने साल 1996 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। डीविलियर्स एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने सबसे कम गेंदों पर शतक लगाया है जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। यह विश्व कीर्तिमान उन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडज के खिलाफ बनाया था।

शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में करेंगे डेब्यू, एसेक्स के लिए खेलेंगे सात मैच

नई दिल्ली

भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर काउंटी क्रिकेट में अपना पहला अनुभव हासिल करने के लिए तैयार हैं। 33 वर्षीय ठाकुर को 2025-26 काउंटी चैम्पियनशिप सीज़न के शुरुआती भाग में एसेक्स के लिए सात मैचों के अनुबंध पर साइन किया गया है।

शार्दुल ठाकुर ने अपने इस नए सफर को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं इस गर्मी में एसेक्स में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। यह मेरे लिए नई चुनौतियाँ और अवसर लेकर आएगा। काउंटी क्रिकेट हमेशा से मेरे लिए एक सपना रहा है और मैं इंगलैंड का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हूं।

मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन

2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ठाकुर भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। वह आखिरी बार 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के लिए खेले थे। हालांकि, इस समय वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में उपयोगी पारियां खेलने की क्षमता ने मुंबई को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

एसेक्स ने क्यों चुना ठाकुर

एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने ठाकुर को साइन करने को लेकर क्लब की ओर से जारी बयान में कहा, हम एक ऐसे तेज गेंदबाज की तलाश में थे, जो निचले क्रम में बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। शार्दुल इस भूमिका के लिए पूरी तरह फिट बैठते हैं और हम उन्हें अपनी टीम में शामिल कर बहुत खुश हैं।

एसेक्स का हमेशा से बल्लेबाजी में गहराई और निचले क्रम में आक्रामक ऑलराउंडर रखने का दृष्टिकोण रहा है। ठाकुर का यह संक्षिप्त कार्यकाल उन्हें नए अवसर प्रदान करेगा, जबकि एसेक्स को भी उनकी हरफनमौला क्षमताओं का फायदा मिलेगा।

अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोरों पर

सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में प्रकाश सोनकर व सुरेश एरन की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय फुटबाल स्पर्धा की तैयारियां जोर-शोर से जारी है। नेहरू स्टेडियम के मैदान को विशेष रूप से संवारा जा रहा है। मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग तथा नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से हो रही इस स्पर्धा में देश की जानी मानी टीमें भाग लेगी। पहला चरण 23 फरवरी से खेला जाएगा, और फिर उसके बाद देश की दिग्गज टीमें अपनी चुनौती पेश करेंगी। स्पर्धा की तैयारियों का जायजा व मैदान का अवलोकन महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेन्द्र हार्डिया, रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, पवन सिंघानिया व एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने किया। इस दौरान भारत मथुरावाला, रविन्द्र राठी, मनीष मित्तल, अरविन्द तिवारी, के.के. गोयल, पिल्लू कौशल, जितेन्द्र गर्ग, महेश दलोदरा, मोहन कप्तान, रमेश खण्डेलवाल, बी.के. गोयल, संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अजय रावका, मुकेश जैन व अतुल अग्रवाल मौजूद थे। मैदान को संवारने का कार्य जमना सिलावट, नारायण खरखडीकर व शेख हमीद कर रहे हैं।

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने जीता श्याम लाल मेमोरियल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल हॉकी टूर्नामेंट के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में एलुमना ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस को 2-1 से मात दी।

श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में विजेता टीम के लिए दोनों गोल अक्षिता ने दागे, जबकि पराजित टीम के लिए एकमात्र गोल सोमवती ने किया। शानदार खेल के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना की अक्षिता को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि मनिता को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि रोहतास नगर के विधायक एवं भाजपा नेता जितेंद्र महाजन ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रबि नारायण कर, दिल्ली यूनिवर्सिटी की फिजिकल एजुकेशन विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता त्यागी, डीयूएससी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. सुशील कुमार, एम्यूनोथेरेपिस्ट डॉ. जमाल अनोनो खान और जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. नरेंद्र ने खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार वितरित किए।

श्याम लाल कॉलेज की स्पोर्ट्स कमेटी के संयोजक वी.एस. जग्गी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारी बेटियां पूरे जोश और उत्साह के साथ हॉकी टूर्नामेंट में उतरीं। कॉलेज को इस आयोजन के लिए बधाई। गौरतलब है कि मेजबान श्याम लाल कॉलेज ने इस टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग का खिताब जीता।

बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में अर्शदीप को शामिल करे भारत : पोंटिंग

दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच गुरुवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को इसमें हर्षित राणा की जगह पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल करना चाहिये।

पोंटिंग के अनुसार इस टूर्नामेंट में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में अर्शदीप अहम भूमिका निभा सकते हैं। राणा ने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पक्की की थी।

पोंटिंग ने कहा कि मैं पहले मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को रखना चाहूंगा। इसलिए मैं राणा की जगह अर्शदीप को टीम में रखना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि अर्शदीप कितना अच्छा गेंदबाज है और अगर कौशल की बात करें तो शायद उसके पास भी बुमराह जैसा कौशल है। वह नई गेंद से डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सक्षम है।

पोंटिंग ने कहा कि हर्षित भी एक अच्छा गेंदबाज है। मुझे लगता है कि वह काफी प्रतिभाशाली हैं और हम सभी जानते हैं कि नई गेंद से वह क्या कमाल कर सकता है पर मुझे नहीं लगता कि डेथ ओवरों में वह अर्शदीप जैसी भूमिका निभा सकता है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अंतिम एकादश में बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होना अंतर पैदा करता है। इससे आक्रमण को विविधता मिलती है। टीम में नई गेंद संभालने और मूव करने में सक्षम गेंदबाज की हमेशा ही जरूरत होती है।

पाक के पूर्व गेंदबाज गुल ने कहा, करीबी दोस्त की मौत से टूटकर लिया था संन्यास

कराची। पाकिस्तान में एक ओर जहां आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शुरु हो रहा है। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें उमर ने अपने अचानक संन्यास का कारण सबसे करीबी दोस्त की मौत से लगे सदमे को बताया है। जब एक टीवी शो में उमर से जब एंकर ने उनसे पूछा कि क्या उनके जीवन में कभी ऐसा पल आया जिससे वह टूट गये तो उन्होंने कहा, हां, ऐसा हुआ है, उमर ने पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट, 130 एकदिवसीय और 60 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 16 अक्टूबर 2020 में अचानक ही खेल से संन्यास ले लिया था। अब गुल ने पहली बार इसका कारण बताया है और कहा है कि करीबी दोस्त की अचानक हुई मौत से वह दुखी हो गये थे। गुल ने बताया कि सबसे अच्छे दोस्त की अचानक मौत ने उनके तोड़कर रख दिया। उन्होंने कहा कि इस बात को आज तक अपनी पत्नी को भी नहीं बताया है। गुल ने कहा, ईमानदारी से कह रहा हु, आज तक मैंने कभी अपनी पत्नी को भी नहीं बताया, कि मेरे संन्यास लेने की वजह क्या है। इसका कारण मेरे करीबी दोस्त करीम की सड़क हादसे में हुई मौत है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में कौन-कौन होगा चीफ गेस्ट? सामने आई लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए गेस्ट लिस्ट आ गई है. बीजेपी ने अलग-अलग राज्यों में अपनी सरकारों के कुल 20 उपमुख्यमंत्रियों को इस समारोह के लिए आमंत्रित किया है. इसमें उत्तर प्रदेश से लेकर नागालैंड तक के उपमुख्यमंत्री शामिल हैं.

उत्तर प्रदेश से केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, महाराष्ट्र से एकनाथ शिंदे और अजित पवार, मध्य प्रदेश से राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, राजस्थान से दिव्या कुमारी और प्रेमचंद बैरवा, ओडिशा से प्रवती परिदा और कनकवर्धन सिंह, छत्तीसगढ़ से अरुण साव और विजय शर्मा, अरुणाचल प्रदेश से चौना मेन, आंध्र प्रदेश से पवन कल्याण, बिहार से विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी, प्रेस्टोन त्यनसोंग और नर्तियांग के विधायक संगियावभालंग धर, नागालैंड से टीआर जेलियांग और यानथुंगो पैटन रामलीला मैदान पर होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के हिस्सा होंगे.

दिल्ली में 20 फरवरी यानी कल नए मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट के मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह है. दोपहर 12 बजे से यह समारोह शुरू होगा. रामलीला मैदान पर यह आयोजन किया जाएगा. इसके लिए जोरदार तैयारियां चल रही हैं. बीजेपी इस समारोह को भव्य बनाने की तैयारी में है.

इस कार्यक्रम में तीन तरह के स्टेज बनाए जाएंगे. मुख्य मंच पर पीएम मोदी, उप राज्यपाल वीके सक्सेना के साथ ही मनोनीत मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट में सहयोगी सदस्य होंगे. वहीं, दूसरे मंच पर धर्मगुरु और विशिष्ट अतिथि मौजूद होंगे. तीसरे मंच पर संगीत कार्यक्रम से जुड़े कलाकार रहेंगे. इस समारोह में कैलाश खेर के प्रस्तुति देने की चर्चा है.

शपथ ग्रहण समारोह में अब 24 घंटे भी नहीं बचे हैं लेकिन अब तक बीजेपी ने अपना मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया है. आज (19 फरवरी) शाम 6 बजे दिल्ली के नव निर्वाचित विधायकों की बैठक होनी है. इसी विधायक दल की बैठक के बाद दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का ऐलान होगा.

पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसते हुए राज्य में 52 पुलिस अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने कदाचार के दोषी पाए गए 52 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करके सख्त कार्रवाई की है। यह कार्रवाई अनियमितताओं के आरोप में मुक्तसर के जिला आयुक्त को निलंबित किए जाने के दो दिन बाद की गई है।

पंजाब के शासन में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है - जो भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य की लड़ाई को फिर से परिभाषित कर सकता है। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा नई दिल्ली में पंजाब के विधायकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के कुछ ही दिनों बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की। एक नाटकीय फेरबदल में, पंजाब के शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी, राज्य सतर्कता ब्यूरो के मुख्य निदेशक वरिंदर कुमार को कथित तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी 'निष्क्रियता' के कारण उनके पद से हटा दिया गया है; जबकि श्री मुक्तसर साहिब के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) राजेश त्रिपाठी को भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है।

सर्जिकल सटीकता के साथ की गई इस कार्रवाई को आप विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं का सीधा नतीजा माना जा रहा है, जिन्होंने कथित तौर पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में अक्षमताओं और सतर्कता ब्यूरो के भीतर एक 'समानांतर प्रणाली' की मौजूदगी को चिन्हित किया था।

सरकार ने अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जी नागेश्वर राव को राज्य सतर्कता ब्यूरो का नया प्रमुख नियुक्त किया है, जिससे कुमार के नेतृत्व में कथित तौर पर रुकी हुई जांच में नई ऊर्जा भरने की उम्मीद है। इन साहसिक कदमों के साथ, भगवंत मान सरकार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है - भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और कोई भी अधिकारी जांच से परे नहीं है।

हाल ही में की गई कार्रवाई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक से उपजी है - विधानसभा चुनावों में आप की करारी हार के बाद - जहां आप के पंजाब विधायकों, मुख्यमंत्री भगवंत मान, सभी कैबिनेट मंत्रियों ने केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक से मुलाकात की। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, पंजाब के विधायकों ने कथित तौर पर अपने गृह क्षेत्र में शासन के मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। कई लोगों ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की कमी की ओर इशारा किया, चेतावनी दी कि निष्क्रियता भविष्य के चुनावों से पहले पार्टी की साख को नुकसान पहुंचा सकती है। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण खुलासे में से एक पंजाब सतर्कता ब्यूरो द्वारा हाई-प्रोफाइल भ्रष्टाचार के मामलों में निर्णायक कार्रवाई करने में कथित विफलता थी।

सूत्रों ने संकेत दिया कि कई विधायकों ने ब्यूरो में कुछ जूनियर अधिकारियों पर अपने अधिकार का दुरुपयोग करने, जांच में देरी करने और भ्रष्टाचार के मामलों को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाने के बजाय नौकरशाही बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया, खासकर उच्च अधिकारियों के खिलाफ। कुछ ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों द्वारा एक समानांतर प्रणाली चलाई जा रही थी, स्वतंत्र रूप से नोटिस जारी करना और बिना किसी जवाबदेही के निर्णय लेना।

लक्ष्यः बिहार में अधिक से अधिक लोगों को मिले रोजगारः रवि जयपुरिया

वरुण बेवरेज के चैयरमैन रवि जयपुरिया और सुपुत्र कार्यकारी उपाध्यक्ष वरुण जयपुरिया का पटना हवाई अड्डे पर भाजपा नेता सह बेगूसराय पेप्सी के डिस्ट्रीब्यूटर शुभम कुमार ने किया स्वागत

बेगूसराय ब्यूरो। जिले में पहला अंतरराष्ट्रीय कंपनी पेप्सी की फैक्ट्री लगाकर रोजगार एवं आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने वाले वरुण बेवरेज के चैयरमैन रवि जयपुरिया एवं उनके सुपुत्र वरुण बेवरेज के कार्यकारी उपाध्यक्ष वरुण जयपुरिया का बिहार आगमन के उपरांत पटना हवाई अड्डे पर भाजपा नेता सह बेगूसराय पेप्सी के डिस्ट्रीब्यूटर शुभम कुमार के द्वारा स्वागत किया गया। साथ ही बिहार की प्रगति में वरुण बेवरेज के योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई। वरुण बेवरेज के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने कहा कि मेरे उत्पाद को बिहारवासियों का विशेष स्नेह मिल रहा है। इस कारण मेरा भी फर्ज है कि बिहार की प्रगति और उन्नति में मैं भी अपना सहयोग अर्पित करूं।

उन्होंने कहा कि बिहार की औद्योगिक राजधानी बेगूसराय में हमने क्षमता आधारित उत्पादन इकाई लगाया। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बिहार का एक महत्वपूर्ण जिला जो कई सीमावर्ती राज्यों से जुड़ा हुआ है बक्सर में रोजगार एवं उन्नति के सृजन के उद्देश्य से 2025 के अप्रैल में एक नए प्लांट के उद्घाटन की तैयारी हो चुकी है।जिसे जल्दी ही बिहारवासियों की सेवा के लिए अर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि बिहार में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने बिहार से अपने जुड़ाव की कई कहानियां साझा की और बिहारवासियों को विशेष धन्यवाद अर्पित किया। इस अवसर पर पहली बार बिहार पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय बेवरेज के सीईओ यूजिंन विलियमसन ने पेप्सिको के प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए बिहारवासियों का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। मौके पर प्रदीप गोयल, सौरभ शर्मा, विश्वास अग्रवाल, ऐश सेट्ठी, प्रवीण कुचल, फनीस सिंह, तनय सान्याल, दानिश आलम, अमर कुमार, प्रवीण कुमार, अम्रांशु मिश्रा सहित अन्य पेप्सी के अधिकारी मौजूद थे।

जहानाबाद के शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव का आकस्मिक निधन

मगध क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव का आकस्मिक निधन मंगलवार देर शाम पटना में हो गया। उनके निधन से न केवल जहानाबाद, बल्कि पूरे बिहार में शोक की लहर दौड़ गई। शिक्षा और समाज सुधार के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के कारण उन्हें ्जहानाबाद के मालवीय्ब के नाम से जाना जाता था। डॉ. यादव का जन्म जहानाबाद जिले में हुआ था और उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा के प्रचार-प्रसार को समर्पित कर दिया। उन्होंने शिक्षा को समाज सुधार का सबसे प्रभावी माध्यम माना और इसी उद्देश्य से कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। इनमें प्रमुख रूप से रामलखन सिंह यादव कॉलेज, माँ कमला चंद्रिका जी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, सिद्धार्थ टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, साई एजुकेशन टीचर ट्रेनिंग कॉलेज और माँ कमला चंद्रिका जी विद्यापीठ शामिल हैं। उनके मार्गदर्शन में हजारों छात्र-छात्राओं ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और सरकारी व निजी क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पदों पर अपनी जगह बनाई। उनके प्रयासों का ही परिणाम था कि करीब दस हजार छात्र-छात्राएं आज सरकारी सेवाओं में कार्यरत हैं।

डॉ. यादव केवल शिक्षा के क्षेत्र तक सीमित नहीं थे, बल्कि वे एक सक्रिय राजनेता भी रहे। वे कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे और उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के करीबी के रूप में जाना जाता था। उन्होंने जहानाबाद लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ा था, जिसमें वे कम अंतर से पराजित हुए। राजनीति में रहते हुए भी उनका मुख्य फोकस हमेशा समाज सेवा और शिक्षा के विकास पर रहा।शिक्षा और समाज सेवा के अलावा डॉ. यादव धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी विशेष रुचि रखते थे। उनकी धार्मिक आस्था और समाज के प्रति उनकी समर्पित सोच का उदाहरण है पाँच करोड़ की लागत से बन रहा ्टेंपल सिटी मीरा बिगहा्ब का भव्य मंदिर। यह मंदिर जगन्नाथ पुरी मंदिर की तर्ज पर बनाया जा रहा है और उनकी समाजसेवा की महान भावना का प्रतीक है। डॉ. चंद्रिका प्रसाद यादव का जीवन शिक्षा, समाज सेवा और जनकल्याण के लिए एक प्रेरणा स्रोत था। उनकी विचारधारा, उनके संघर्ष और उनके द्वारा किए गए कार्यों की गूंज आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी। जहानाबाद के मालवीय के रूप में उन्होंने जो योगदान दिया, वह शिक्षा और समाज सुधार के क्षेत्र में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालतः 3400 वादों के पक्षकारों को भेजा गया नोटिस

बेगूसराय ब्यूरो। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के एडीआर भवन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव रोहित कुमार गौरव की अध्यक्षता में डीपीआरओ एवं मीडियाकर्मियों के साथ 8 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव रोहित कुमार गौरव ने कहा कि मीडिया कर्मियों का आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में पक्षकारों को समाचार के माध्यम से जागरूक करने में अहम भूमिका निभाते हैं। सुलहनीय वादों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार करना अतिआवश्यक है। जिससे आमजनों की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रभारी सचिव रोहित कुमार गौरव ने कहा समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जिले के प्रत्येक पंचायत एवं प्रखंडवार लोगों को सुलहनीय वादों के निपटारे के लिए प्रचार प्रसार करें।

जिससे उनके सुलहनीय वादों का निपटारा हो सके। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव रोहित कुमार गौरव ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में कार्यरत अधिकार मित्र अपने-अपने क्षेत्र में 8 मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में प्रचार प्रसार करेंगे। जिससे अधिक से अधिक संख्या में पक्षकार उपस्थित हो सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से लगातार पक्षकारों को नोटिस एवं तामिला करने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। विभिन्न न्यायालयों में ऐसे वादों को चिन्हित किया जा रहा है। जो समझौता योग्य है।वादों से संबंधित पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत में नोटिस के माध्यम से बुलाकर मामले का निष्पादन किया जाएगा। साथ ही बालसा एवं नालसा के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने की बात कही गई। ताकि लोग अधिक संख्या में जागरूक होकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से विधिक सहायता प्राप्त कर सकें। प्रभारी सचिव रोहित कुमार गौरव के द्वारा जिले के संबंधित पंचायत के सरपंचों को भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने यहां चल रहे समझौता योग्य वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में लाएं और निष्पादन कराने में अग्रणी भूमिका निभाएं। साथ ही मुखिया को भी इस बाद में सहयोग करने की बात कही गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से विभिन्न न्यायालयों में चल रहे लंबित 3400 मुकदमों में नोटिस करने का कार्य किया गया।

आक्रोशित व्यवसायियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

बखरी संवाददाता, बेगूसराय। खाद व्यवसायी के बंद पड़े घर में चोरी की घटना का अब तक उद्भेदन नहीं होने से आक्रोशित व्यवसायियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। व्यवसायिक सुरक्षा मंच के आह्वान पर अम्बेडकर चौक पर जुटे व्यवसायी बाजार के दोनों तरफ के दुकानों पर जाकर दुकानदारों की बांह पर काली पट्टियां लगायी। व्यवसायियों का जत्था कपूर्री चौक, पुरानी दुर्गा मंदिर, स्वामी विवेकानंद चौक, महादेव स्थान चौक से होते हुए वापस पीड़ित व्यवसायी के आवास तक पहुंच कर एकजुटता प्रकट की। इससे पूर्व मंगलवार की देर शाम केशरवानी पंचायत भवन में व्यवसायियों ने बैठक कर संघर्ष की रणनीति तय की। व्यवसायिक सुरक्षा मंच के तत्वावधान में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यवसायिक सुरक्षा मंच संघर्ष समिति के संयोजक दिलीप केसरी ने कहा कि पुलिस को दी गयी 72 घंटे की समय सीमा समाप्त हो गयी है। बावजूद पुलिस के हाथ खाली है। अब व्यवसायियों को सड़क पर उतर कर संघर्ष करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। पूर्व पार्षद सिधेश आर्य ने कहा कि घटना के लगभग एक सप्ताह बाद भी अब तक कांड का उद्भेदन नहीं हो पाया है। सम्पूर्ण शहर स्मैकर्स के चंगुल में फंसा हुआ है।

व्यापारी भयाक्रांत है। मुख्य बाजार से थाना स्थानांतरित होने से चोर उचक्कों का मनोबल बढ़ा है। व्यवसायियों की सुरक्षा के लिए सरकार को मुख्य बाजार में टाउन ओपी की स्थापना अविलंब करनी चाहिए। व्यापार संघ के अध्यक्ष केदार केसरी ने कहा कि व्यापारियों का भरोसा पुलिस प्रशासन पर बना रहे, इसके लिए घटना का उद्भेदन, चोरों की गिरफ्तारी तथा माल की बरामदगी सुनिश्चित होनी चाहिये। भाजपा नगर अध्यक्ष कामिनी कंचन ने कहा कि यह आंदोलन सरकार के खिलाफ नहीं, अपितु व्यवसायी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तथा चोरों को पकड़ने में अब तक पुलिस की सुस्ती के खिलाफ व्यवसायियों का आक्रोश है। पूर्व पार्षद नीरज नवीन ने कहा कि चोरी के बाद लुटे व्यवसायी सड़क पर आ गये हैं। मगर पुलिस की सुस्ती आश्चर्यजनक है। बैठक में प्रस्ताव पारित कर व्यवसायियों ने चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया। प्रस्ताव के आलोक में गुरूवार 20 फरवरी को प्रतिरोध मार्च निकालने का निर्णय लिया गया।

नावकोठी में पांच विद्यालयों को पोषण वाटिका के लिए किया गया चिन्हित

नावकोठी संवाददाता, बेगूसराय। प्रखंड के पांच विद्यालयों को पोषण वाटिका के लिए चिन्हित किया गया है। मध्याह्न भोजन की साधनसेवी रुचिता कुमारी ने बताया कि प्राइमरी स्कूल वृंदावन, डुमरिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गम्हरिया, अकहा ररिऔना तथा नीरपुर विद्यालय का चयन किया गया है।

बुधवार को विष्णुपुर पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय नीरपुर का निरीक्षण किया। पोषण वाटिका बनाने की स्थल का मुआयना करने के बाद उन्होंने बताया कि स्कूल को सुंदर और आकर्षक बनाने, पर्यावरण हित को देखते हुए विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे को लगाने, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से विटामिनयुक्त साग सब्जी लगाए जायेंगे। इसके लिए विद्यालय के आसपास रहने वाले विद्यार्थियों के समूह तथा विद्यालय में कार्यरत एक सक्रिय रसोईया को पोषण वाटिका के देखरेख के लिए अधिकृत किया जायेगा। मनरेगा के तहत मासिक भत्ता देने का प्रावधान है। मौके पर शकील बेग, पंकज कुमार, प्रवीण कुमार, ललन कुमार, देवेंद्र पासवान, आभा कुमारी, रूबी कुमारी आदि मौजूद थे।

डीएम ने किया धबौली में सड़क, मनरेगा पार्क और बहदरपुर के खेल मैदान का निरीक्षण

बेगूसराय ब्यूरो। डीएम तुषार सिंगला ने सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायतों में विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस क्रम में विधायक मटिहानी राजकुमार सिंह, उपविकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, डीसीएलआर सदर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा सदर, जिला समन्वयक, एलएसबीए सहित अन्य जिला, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। डीएम ने जिला निबंधन सह परामर्श केन्द्र (डीआरसीसी) द्वारा संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। साथ ही परिसर में जीविका भवन निर्माण के लिए स्थल का निरीक्षण कर संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया।

पृष्ठ 1 का शेष

रोहतास को सीएम नीतीश ने दिया सैंकड़ों...

इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी एवं जाम की समस्या से निजात मिलेगी। डिहरी-अकोढ़ीगोला-तेतराढ़-राजपुर पथ एवं आयरकोठा-अकोढ़ीगोला अमरातलाब पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जायेगा। साथ ही आयरकोठा-अकोढ़ीगोला-अमरातलाब पथ पर अकोढ़ीगोला बाईपास का निर्माण किया जायेगा। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी एवं जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

रोहतास जिले में करगहर, डिहरी, दावथ, दिनारा, नासरीगंज, नोखा, नौहट्टा, सूर्यपुरा, शिवसागर एवं चेनारी कुल 10 प्रखंडों में नये प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन तथा काराकाट एवं तिलौथू कुल 02 प्रखंडों में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय-सह आवासीय परिसर का निर्माण कराया जायेगा। रोहतास जिले के कोचस में आरा-मोहनियाँ पथ पर बाईपास का निर्माण कराया जायेगा। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी।

जहानाबाद में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन...

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि तेजस्वी यादव द्वारा बार-बार चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाते हैं। अगर तेजस्वी यादव को चुनाव आयोग क्या होता है, इस बात की जानकारी होती तो कभी भी वे चुनाव आयोग के खिलाफ में नहीं बोलते। सबसे बड़ी बात है कि उन्हें चुनाव आयोग क्या होता है, इस बात की जानकारी ही नहीं है।

एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जदयू के प्रदेश अध्यक्ष रामविलास पासवान, लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष, हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समेत काफी संख्या में सभी दल के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीएम नीतीश के गढ़ में गरजे लालू के...

ऐसी सरकार में स्थिति है कि हर दिन अपराध की घटनाओं से बिहार कराह रहा है. लूटपाट, अपहरण, हत्या, बैंक रॉबरी, गैंगरेप और रेप जैसी घटनाएं लगातार हो रही हैं. इतना ही नहीं जन प्रतिनिधि मीडिया वाले को पीट रहे हैं तो दूसरी ओर सांसद भी हमले का शिकार हो रहे हैं.

70 वीं बीपीएससी परीक्षा रद्द करने और रीएग्जाम लेने की मांग को तेजस्वी यादव ने अपना समर्थन दिया. उन्होंने कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगों के समर्थन में हमने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखी थी. नेता प्रतिपक्ष के नाते लिखी गई चिट्ठी नीतीश कुमार जवाब देना भी उचित नहीं समझते. उन्होंने कहा कि बिहार में मैट्रिक से लेकर के बीपीएससी तक सभी परीक्षाओं के पेपर लीक होते हैं.ऐसे में इन समस्याओं के समाधान का एक मात्र उपाय बिहार में सरकार को बदलना है.

राहुल आनंद के स्वामित्व, प्रकाशकत्व, मुद्रकत्व एवं संपादकत्व में **संवाद संचार** (हिन्दी दैनिक), प्रातः कमल आफसेट प्रिंटर्स, हाउस नं. MN–040–0232, प्रातः कमल लेन, छोटी कल्याणी, साहू रोड मुजफ्फरपुर, बिहार– 842001 में मुद्रित होकर **संवाद संचार** (हिन्दी दैनिक) कार्यालय, हाउस नं. MN-040- 0232, प्रातः कमल लेन, छोटी कल्याणी, साहू रोड मुजफ्फरपुर, बिहार–842001 से प्रकाशित।
फोन नं.–2242633
मो.– 9113470066
E.Mail : samvad sanchar @gmail.com
समस्तीपुर कार्यालय : मनोरमा भवन, मनोरमा लेन, अमीरगंज (धर्मपुर) आजाद चौक, ताजपुर रोड, समस्तीपुर।
मो.– 8287264633
पटना कार्यालय : इंडियन पंच हाउस, आई.आई.बी.एम. कैम्पस, मयुजियम के सामने, बुद्ध मार्ग, पटना।
फोन नं.–2242633
मो.– 8287264633
E.Mail : sanjayjhulan 186@gmail.com
दिल्ली / नई दिल्ली कार्यालयः पालम गाँव (केला गोदाम के पास), नई दिल्ली।
मो.– 9113470066
E.Mail : samvadsanchar @gmail.com

ज्ञानेश कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त का संभाला पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद सीईसी ने युवा मतदाताओं से खास अपील की।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी मतदान है, इसलिए जो 18 साल की आयु पार कर चुका है, उसे मतदान करना चाहिए। भारत का चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ था और हमेशा रहेगा।

बता दें कि 17 फरवरी को चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नया मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नियुक्त किया गया। कानून मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर जानकारी दी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी की चयन समिति ने इस संबंध में दिल्ली में बैठक की थी, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के उत्तराधिकारी के तौर पर ज्ञानेश कुमार को चुना गया।

वहीं, हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी को ज्ञानेश कुमार की पदोन्नति के बाद चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किए गए सुखबीर सिंह संधू अपने पद पर बने रहेंगे।

केरल कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार तीन सदस्यीय पैनल के दो आयुक्तों में से वरिष्ठ हैं, जिसका नेतृत्व राजीव कुमार ने किया था। पैनल के दूसरे आयुक्त उत्तराखंड कैडर के अधिकारी सुखबीर सिंह संधू हैं।

ज्ञानेश कुमार 1988 केरल कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वह संसदीय कार्य मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्य कर चुके हैं। गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जम्मू-कश्मीर मामलों को संभालने में ज्ञानेश कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जब 2019 में अनुच्छेद 370 को अप्रभावी घोषित किया गया था, तब वह गृह मंत्रालय में जम्मू-कश्मीर डेस्क के प्रभारी थे।

उन्होंने केरल में विभिन्न पदों पर भी काम किया है, जिनमें एनार्कुलम के जिला कलेक्टर और केरल राज्य सहकारी बैंक के एमडी के पद शामिल हैं।

उन्होंने आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री प्राप्त की है और आईसीएफएआई से बिजनेस फाइनेंस तथा हार्वर्ड विश्वविद्यालय से पर्यावरण अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है।

उन्होंने 15 मार्च, 2024 को चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला और वे उत्तराखंड कैडर के सुखबीर संधू के साथ चयन पैनल द्वारा नियुक्त दो आयुक्तों में से एक थे।

संगम का जल स्नान करने और आचमन करने योग्य है या नहीं? विधानसभा में खड़े होकर योगी ने आज फिर तगड़ा धोया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के पानी में मल बैक्टीरिया की खबरों के बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संगम का पानी स्नान के लिए उपयुक्त है और आरोप लगाया कि यह महाकुंभ को बदनाम करने का प्रचार है। यह कार्यक्रम किसी विशेष पार्टी या सरकार द्वारा आयोजित नहीं किया गया था - यह समाज का है, जबकि सरकार केवल इसकी सुविधा दे रही है। हम इस कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए सेवक के रूप में वहां हैं। उत्सव के सात दिन अभी बाकी हैं। आज दोपहर तक, 56 करोड़ 26 लाख भक्तों ने प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई है।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मची भगदड़ पर उन्होंने 29 जनवरी को मची भगदड़ से प्रभावित हुए सभी लोगों के साथ ही डुबकी लगाकर लौटते समय हुए हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के प्रति संवेदना व्यक्त की। हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और हमारी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं। सरकार उनके साथ खड़ी है. हालाँकि, इस घटना का राजनीतिकरण करना उचित नहीं है। यूपी विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब सभी लोग चर्चा में हिस्सा ले रहे हैं, उस वक्त 56.25 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु प्रयागराज में डुबकी लगा चुके हैं। जब हम सनातन धर्म, मां गंगा, भारत या महाकुंभ के खिलाफ कोई बेबुनियाद आरोप लगाते हैं या फर्जी वीडियो बनाते हैं, तो यह इन 56 करोड़ लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ का आयोजन किसी खास पार्टी या संगठन द्वारा नहीं किया जा रहा है और तमाम झूठे अभियानों को दरकिनार करते हुए दुनिया भर ने इस आयोजन में हिस्सा लिया है और इसे सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। महाकुंभ के सात दिन बचे हैं, और आंकड़ों के अनुसार, आज दोपहर तक 56 करोड़ से अधिक भक्तों ने पवित्र डुबकी लगाई है। हमारी सहानुभूति उन सभी लोगों के साथ है जो 29 जनवरी को भगदड़ का शिकार हुए थे। जो लोग कुंभ के लिए यात्रा करते समय सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा बैठे। हमारी संवेदनाएं परिजनों के साथ हैं, सरकार उनके साथ खड़ी है, सरकार उनकी हरसंभव मदद करेगी लेकिन इसका राजनीतिकरण करना कितना उचित है।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर भेजना 'शर्मनाक' : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अमेरिका से अवैध भारतीय प्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजे जाने को "शर्मनाक" बताया और गरिमापूर्ण तरीके से उनकी वापसी सुनिश्चित नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की।

ममता ने उन "अमानवीय परिस्थितियों" पर चिंता व्यक्त की जिनके तहत निर्वासित लोगों को भारत वापस भेजा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के व्यवहार से बचा जा सकता था। उन्होंने मंगलवार को कहा, "निर्वासित लोगों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजना शर्मनाक है। यह बहुत चिंता का विषय है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को निर्वासित लोगों को ऐसे हाल में छोड़ने के बजाय उन्हें लाने के लिए अपने विमानों की व्यवस्था करनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री ने कहा, "माननीय प्रधानमंत्री जी, क्या आपने इसकी जिम्मेदारी ली? जब आप अमेरिका में थे (आधिकारिक यात्रा पर), तो वहां से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजा गया। आप कम से कम यह तो कह सकते थे कि 'ये हमारे नागरिक हैं और हम इन्हें वापस ले जाएंगे।' लेकिन ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया।"

राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति के मुद्दों पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर सकती थी कि पश्चिम बंगाल के नागरिकों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाए।

उन्होंने कहा, "अगर हमारे लोग तैनात होते, तो हम उन्हें वापस लाने की जिम्मेदारी ले सकते थे।" मुख्यमंत्री का यह बयान उन खबरों की पृष्ठभूमि में आया है, जिनमें कहा गया कि पश्चिम बंगाल के लोगों सहित कई अवैध प्रवासियों को अमेरिका से भेजने के समय कठोर बर्ताव किया गया।

जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने दक्षिण अफ्रीका जाएंगे जयशंकर

नई दिल्ली/जोहान्सबर्ग। विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में भाग लेने के लिए 20-21 फरवरी को जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री रोनाल्ड लामोला के निमंत्रण पर वह यह दौरा करेंगे।

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, "जी-20 एफएमएम में विदेश मंत्री की भागीदारी से जी-20 देशों के साथ भारत की भागीदारी मजबूत होगी। इस महत्वपूर्ण मंच पर वैश्विक दक्षिण की आवाज को बल मिलेगा। विदेश मंत्री की एफएमएम के दौरान कुछ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है।"

यह मीटिंग दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता के दौरान आयोजित होने वाली पहली विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। इसका विषय 'एकजुटता, समानता, स्थिरता' रखा गया है।

दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता 1 दिसंबर, 2024 से शुरू हुई और यह 30 नवंबर तक जारी रहेगी।

राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने पदभार ग्रहण करते समय इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 अध्यक्षता ऐसे समय में मिली है जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, असमानता, गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, भू-राजनीतिक अस्थिरता सहित कई संकटों का सामना कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच लगातार बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने घोषणा की कि वे आगामी (जी20) विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग नहीं लेंगे।

इस पर रोनाल्ड लामोला ने कहा कि ब्राजील से जी20 की अध्यक्षता संभालने के बाद से, दक्षिण अफ्रीका ने कई मुद्दों से निपटने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें उभरती अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने वाला बढ़ता ऋण भी शामिल है।

लामोला ने कहा, "एकजुटता सामूहिक समस्या-समाधान को बढ़ावा देती है। हमारी जी20 अध्यक्षता केवल जलवायु परिवर्तन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए समान व्यवहार के लिए भी है, जो सभी के लिए एक समान वैश्विक प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। ये महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं, जिनका पालन करने और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जुड़ने के लिए हम तैयार हैं।"

कांग्रेस महासचिव, प्रभारी चुनाव नतीजों के लिए जवाबदेह होंगेः खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि सभी महासचिव तथा प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन एवं चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे।

खरगे ने पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक में नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से स्पष्ट है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा।

खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा, कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। 'असल फिसल पड़े और नकल चल पड़े' यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया, मैं सबसे जरूरी बात जवाबदेही के बारे में भी आप सभी से कहना चाहूंगा। आप सभी अपने प्रभार वाले राज्यों के संगठन और भविष्य के चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।

जमीन घोटाले में कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया को बड़ी राहत, लोकायुक्त से मिली क्लीनचिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद सितंबर 2024 में शुरू की गई लोकायुक्त जांच का नेतृत्व मैसूर लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक टीजे उदेश ने किया था। अधिकारियों ने नौकरशाहों, राजनेताओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों, मुदा अधिकारियों और सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती और बहनोई बीएम मल्लिकार्जुन स्वामी जैसे प्रमुख लोगों सहित 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की थी।

उनके बयानों को वीडियो रिकॉर्ड किया गया और अंतिम रिपोर्ट में दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि कुल मिलाकर, विवादित संपत्ति, साइट आवंटन और अधिसूचना प्रक्रियाओं से संबंधित 3,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों का अध्ययन किया गया।

लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि एमयूडीए मामले में कर्नाटक के

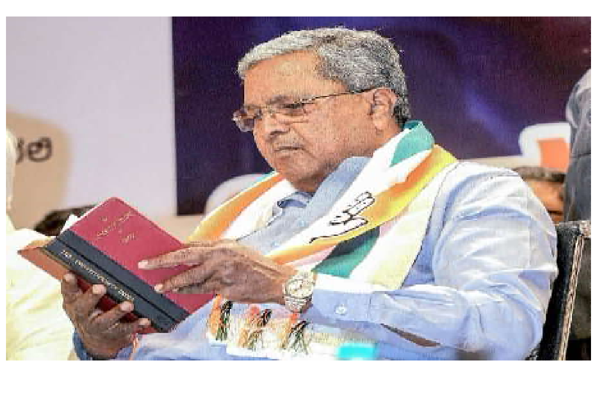

सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। लोकायुता पुलिस द्वारा यह स्वीकारोक्ति एजेंसी द्वारा जांच के लिए बेंगलुरु स्थित अपने मुख्यालय को अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लगभग एक सप्ताह बाद आई है। यह रिपोर्ट सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार से जुड़े मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले की 138 दिनों की व्यापक जांच के बाद प्रस्तुत की गई थी।

बेंगलुरु में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद सितंबर 2024 में शुरू की गई लोकायुक्त जांच का नेतृत्व मैसूर लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक टीजे उदेश ने किया था। अधिकारियों ने नौकरशाहों, राजनेताओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों, मुदा अधिकारियों और सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती और बहनोई बीएम मल्लिकार्जुन स्वामी जैसे प्रमुख लोगों सहित 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की थी। उनके बयानों को वीडियो रिकॉर्ड किया गया और अंतिम रिपोर्ट में दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि कुल मिलाकर, विवादित संपत्ति, साइट आवंटन और अधिसूचना प्रक्रियाओं से संबंधित 3,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों का अध्ययन किया गया।

विशेष अदालत ने पिछले साल 27 सितंबर को सिद्धारमैया और तीन अन्य के खिलाफ एफआईआर का निर्देश दिया था, जो कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा सिद्धारमैया की जांच की अनुमति देने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर आधारित थी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा। जांच में आईपीसी, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम और कर्नाटक भूमि कब्जा निषेध अधिनियम के तहत कथित उल्लंघन शामिल हैं।

शत्रु संपत्ति मामले में आजम खान के परिवार को बड़ी राहत; पत्नी, बेटे और बहन को मिली जमानत

रामपुर (उत्तर प्रदेश)। शत्रु संपत्ति हड़पने के मामले में आरोपी बनाए गए समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के परिवार को बुधवार को अदालत से बड़ी राहत मिली।

आजमखान के छोटे बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की जमानत अर्जी मंगलवार को मंजूर की गई थी, जबकि बुधवार को इसी मामले में उनके बड़े बेटे अदीब, पत्नी तजीन फातिमा और बहन निगहत अखलाक की अंतरिम जमानत अर्जी भी न्यायालय द्वारा मंजूर कर ली गई।

इसके साथ ही तीनों ने नियमित जमानत के लिए भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है, जिस पर 24 फरवरी को सुनवाई होगी। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान तीनों कोर्ट में मौजूद रहे। पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां के परिवार ने आज अदालत में सरेंडर किया। उनकी पत्नी और पूर्व सांसद डॉ. तजीन फातिमा, बेटे अदीब आजम और बहन निखत अखलाक ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया।

यह घटनाक्रम शत्रु संपत्ति हड़पने के मामले में आरोपी बनाए गए आजम खां और उनके परिवार के खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत ने इस मामले में जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए उन्हें राहत देने का फैसला किया था, लेकिन अब तक मामला न्यायालय में विचाराधीन है। जमानत मिलने के बाद डॉ. तजीन फातिमा ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि अदालत के फैसले से न्याय मिला है। हमारे परिवार के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया। मामले में जल्द ही सच्चाई सामने आएगी और हमें न्याय मिलेगा।

रामपुर की एमपी/एमएलए अदालत ने मंगलवार को शत्रु संपत्ति हड़पने के मामले में आजम खान के दूसरे बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत मंजूर कर ली। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम पिछले 17 महीने से हरदोई जेल में बंद थे।

भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दें? चुनावी फंडिंग पर डोनाल्ड ट्रंप ने उठाए सवाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 21 मिलियन डॉलर की कथित अमेरिकी फंडिंग (वरअक्क्ष) पर पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो निवास पर ट्रंप ने कहा कि भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दिए गए, जबकि उसके पास बहुत ज्यादा पैसा है।

उन्होंने कहा कि भारत के पास पहले से ही बहुत पैसा है और वह दुनिया के सबसे ज्यादा कर वसूलने वाले देशों में से एक है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार करने में मुश्किल होती है क्योंकि वहां के टैरिफ बहुत ज्यादा हैं।

उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया लेकिन इस बात पर आश्चर्य जताया कि भारत में मतदान प्रक्रिया के लिए अमेरिका को पैसा देने की जरूरत क्यों महसूस हुई।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब एलन मस्क के नेतृत्व में अमेरिकी कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) ने 16 फरवरी को 21 मिलियन डॉलर की निधि को रोकने की घोषणा की। डीओजीई ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि कई विदेशी सहायता कार्यक्रमों को गैर-जरूरी या अत्यधिक खर्च वाला मानते हुए बंद किया गया है। इस सूची में भारत में मतदाता

मतदान प्रोजेक्ट सबसे ऊपर था। इसके अलावा, बांग्लादेश में राजनीतिक सुधारों के लिए 29 मिलियन डॉलर और नेपाल में राजकोषीय संघवाद व जैव विविधता संरक्षण के लिए 39 मिलियन डॉलर की फंडिंग भी बंद कर दी गई।

भारत में इस फैसले को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस निधि को रोकने के फैसले की आलोचना की और इसे भारत की चुनावी प्रक्रिया में 'विदेशी हस्तक्षेप' करार दिया।

भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने सवाल किया कि आखिर इस धनराशि से किसे फायदा हुआ, यकीन है सत्तारूढ़ पार्टी को तो इससे कोई लाभ नहीं हुआ होगा!

उन्होंने इसे विदेशी संस्थाओं द्वारा भारतीय संस्थानों में 'व्यवस्थित घुसपैठ' का हिस्सा बताया और कहा कि इससे भारत के लोकतंत्र पर खतरा बढ़ सकता है।

मालवीय ने इस फंडिंग पहल के पीछे अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जॉर्ज सोरोस का प्रभाव पहले भी भारत की चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली विदेशी वित्तपोषित पहलों में देखा गया है। उन्होंने 2012 में भारत के चुनाव आयोग और इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के बीच हुए विवादास्पद समझौते का जिक्र किया, जो सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से जुड़ा हुआ था।